



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

216
2सं० 27]
No. 27]नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 2, 1977/आषाढ़ 11, 1899
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 2, 1977/ASADHA 11, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India

(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities

(other than the Administrations of Union Territories)

सूचना

NOTICE

निम्नलिखित भारत का/के असाधारण राजपत्र 31 मार्च 1977 तक प्रकाशित किया गया।

The undermentioned Gazette(s) of India Extra Ordinary was/were published up to 31st March, 1977.

निर्गमन सं० Issue No.	संख्या तथा तिथि No. and Date	द्वारा जारी Issued by	विषय Subject
1	2	3	4
105	का०घा० 203 (घ), दिनांक 1 मार्च, 1977 S.O. 203 (E), dated the 1st March, 1977	श्रम मंत्रालय Ministry of Labour	14 मार्च, 1977 को उस तारीख के रूप में नियत करना जिसमें समान पारिवर्षिक अधिनियम, 1976 आता है। Appointment of the day of 14th March, 1977 as the date on which the Equal Remuneration Act, 1976 shall come into force.
	का०घा० 204 (घ), दिनांक 1 मार्च, 1977 S.O. 204 (E), dated the 1st March, 1977	-तदेव- Do.	अनुसूची में विनिर्दिष्ट नियोजकों की समुचित सरकार द्वारा एक या अधिक सलाहकार समिति गठित करने के लिए विनिर्दिष्ट करती है जो इस सम्बन्ध में मलाह देगी कि ऐसे नियोजनों में किस सीमा तक महिलाओं को नियोजित किया जाए। Specification of the employments specified in the schedule amended hereto, for the purpose of constitution of one or more Advisory Committees by the Government to advice it with regard to the extent to which woman may be employed in such employment.
44 GI/77-1	44 GI/77-1	44 GI/77-1	44 GI/77-1

1	2	3	4
106	का०प्रा० 205 (घ), दिनांक 1 मार्च, 1977 S.O. 205 (E), dated 1st March, 1977	भारत निर्वाचन आयोग Election Commission of India	निर्वाचन प्रतीक (भारक्षण और आवंटन) आदेश, 1968। Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968.
107	का०प्रा० 206 (घ), दिनांक 2 मार्च, 1977 S.O. 206 (E), dated the 2nd March, 1977	भारत निर्वाचन आयोग Election Commission of India	राज्यों के विभिन्न निर्वाचनों क्षेत्रों से लोक सभा के लिए निर्वाचन हेतु उम्मीदवारों के नाम। Names of the candidates for the election to the House of the People from various constituencies of the States.
108	का०प्रा० 207 (घ), दिनांक 2 मार्च, 1977 S.O. 207 (E), dated 2nd March, 1977	—तद्वैव— Do.	29 जनवरी, 1977 की अधिसूचना सं० 434-महा०/77(2) में संशोधन करना। Amendments shall be made in its notification No. 434-MT/77(2), dated 29th January, 1977.
109	का०प्रा० 208 (घ), दिनांक 2 मार्च, 1977 S.O. 208 (E), dated 2nd March, 1977	उद्योग मंत्रालय Ministry of Industry	मैसर्स मोटर एण्ड मशीनरी मैन्युफैक्चरर्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपकरण का प्रबन्ध ग्रहण करना। Take over of the management of the Industrial undertaking known as M/s. Motor and Machinery Manufacturers Limited, Calcutta.
110	का०प्रा० 209 (घ), दिनांक 4 मार्च, 1977 S.O. 209 (E), dated 4th March, 1977	वाणिज्य मंत्रालय Ministry of Commerce	केन्द्रीय सरकार कैंसर-रोधी और जीवन रक्षक औषधियों के आयात के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करना। The Central Government gives general permission for import of anti-cancer drugs and life saving drugs.
111	का०प्रा० 210 (घ), दिनांक 5 मार्च, 1977 S.O. 210 (E), dated the 5th March, 1977	केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड Central Board of Direct Taxes	आयकर नियम, 1962 में और आगे संशोधन करना। Further amendment to the Income-Tax Rules, 1962.
112	का०प्रा० 211 (घ), दिनांक 7 मार्च, 1977 S.O. 211 (E), dated 7th March, 1977	राजस्व और बैंकिंग विभाग Department of Revenue and Banking	सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया के अनुसूची पर 7 मार्च, 1977 से उत्तर बंग क्षेत्रीय बैंक नामक बैंक की स्थापना। Central Bank of India establishes, w.e.f. the 7th March, 1977, a Regional Rural Bank, in the State of West Bengal under the name of Uttar Banga Kshetriya Bank.
	का०प्रा० 212 (घ), दिनांक 7 मार्च, 1977 S.O. 212 (E), dated 7th March, 1977.	—तद्वैव— Do.	कूच बिहार को उस स्थान के रूप में निर्धारित करती है जहाँ पर उत्तर बंग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का मुख्य कार्यालय होगा। Specification of Cooch Behar the place where, Uttar Banga Kshetriya Gramin Bank shall have its head office.
	का०प्रा० 213 (घ), दिनांक 7 मार्च, 1977 S.O. 213 (E), dated 7th March, 1977	—तद्वैव— Do.	उत्तर बंग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की उपखण्ड के प्रयोजन के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 की धारा 3 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत स्थापित संस्था के रूप में अधिसूचित करना। Uttar Banga Kshetriya Gramin Bank being an institution established under sub-section (1) of section 3 of the Regional Rural Bank Act, 1976.
	का०प्रा० 214 (घ), दिनांक 7 मार्च, 1977 S.O. 214 (E), dated 7th March, 1977	भारतीय रिजर्व बैंक Reserve Bank of India	भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा निदेश देता है कि उत्तर बंग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक कूच बिहार को दूसरी अनुसूची में समाविष्ट करना। The Reserve Bank directs the inclusion of Uttar Banga Gram in Bank, Cooch Behar in the Second Schedule of the Act.
113	का०प्रा० 215 (घ), दिनांक 7 मार्च, 1977 S.O. 215 (E), dated the 7th March, 1977	भारत निर्वाचन आयोग Election Commission of India	1 फरवरी, 1977 की उसकी अधिसूचना सं० 434/त० ना०/77(2) में संशोधन। Amendments in the notification No. 434/TN/77(2), dated 1st Feb, 1977.
114	का०प्रा० 216 (घ), दिनांक 7 मार्च, 1977 S.O. 216 (E), dated the 7th March, 1977	ऊर्जा मंत्रालय Ministry of Energy	केन्द्रीय सरकार निर्माण पूरा होने पर ब्याम प्रबन्ध बोर्ड को तुरन्त अन्तर्गत करती है। Central Govt. hereby transfers w.e.f., the components of the Beas project, in relation to which the Construction has been completed.

1	2	3	4
115	का०प्रा० 217 (घ), दिनांक 7 मार्च, 1977 S.O. 217 (E), dated the 7th March, 1977	कृषि और सिंचाई मंत्रालय Ministry of Agriculture and Irrigation	केन्द्रीय सरकार घोषणा करती है कि बीजों की उक्त किस्म उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों की बाबत उक्त अधिनियम के प्रयोजन के अधिसूचित किस्म होगी। Central Govt. hereby declares the variety of seeds to be notified for the purposes of said Act in respect of the areas specified in the corresponding entry in Column(3) of the said Table.
116	का०प्रा० 218 (घ), दिनांक 7 मार्च, 1977 S.O. 218 (E), dated the 7th March, 1977	—तदैव— Do.	केन्द्रीय सरकार उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है। Central Govt. hereby makes the following amendment in the said notification.
117.	का०प्रा० 219 (घ), दिनांक 7 मार्च, 1977 S.O. 219 (E), dated the 7th March, 1977	सूचना और प्रसारण मंत्रालय Ministry of Information and Broadcasting	केन्द्रीय सरकार अनुसूची के कालम (2) में दी गई फिल्मों को स्वीकृत करती है। Central Govt. hereby approves the films specified in column (2) of the Schedule annexed hereto.
118.	का०प्रा० 220 (घ), दिनांक 9 मार्च, 1977 S.O. 220 (E), dated the 9th March, 1977	राजस्व और बैंकिंग विभाग Department of Revenue and Banking	केन्द्रीय सरकार 9 मार्च, 1977 से तमिलनाडु राज्य में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना करती है। Central Govt. establishing a Regional Rural Bank in the State of Tamil Nadu w.e.f. the 9th March 1977.
	का०प्रा० 221 (घ), दिनांक 9 मार्च, 1977 S.O. 221 (E), dated the 9th March, 1977.	—तदैव— Do.	सेतूर को उस स्थान के रूप में निर्धारित करती है जहाँ पर पांड्यन ग्राम बैंक का मुख्य कार्यालय होगा। Sattur as the place where Pondhyan Gram Bank shall have its head office.
	का०प्रा० 222 (घ), दिनांक 9 मार्च, 1977 S.O. 222 (E), dated the 9th March, 1977	—तदैव— Do.	पांड्यन ग्राम बैंक को स्थापित संस्था के रूप में अधिसूचित। Pondhyan Gram Bank, being established being an institution.
	का०प्रा० 223 (घ), दिनांक 9 मार्च, 1977 S.O. 223 (E), dated the 9th March, 1977	भारतीय रिजर्व बैंक Reserve Bank of India	पांड्यन ग्राम बैंक, सेतूर को दूसरी अनुसूची में समाविष्ट किया जाए। Pondhyan Gram Bank, sattur inclusion in the Second Schedule.
119.	का०प्रा० 224 (घ), दिनांक 10 मार्च, 1977 S.O. 224 (E), dated the 10th March, 1977	राजस्व और बैंकिंग विभाग Department of Revenue and Banking	10 मार्च, 1977 से क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना। Establishing a Regional Rural Bank in the State of Bihar w.e.f. 10th March, 1977.
	का०प्रा० 225 (घ), दिनांक 10 मार्च, 1977 S.O. 225 (E), dated the 10th March, 1977	—तदैव— Do.	मजफरपुर को उस स्थान के रूप में निर्धारित करती है जहाँ पर वैशाली ग्रामीण बैंक का मुख्य कार्यालय होगा। Mazaffarpur as the place where Vaishali Kshetriya Gramin Bank shall have its head office.
	S.O. 226 (E), dated the 10th March, 1977	Do.	Vaishali Kshetriya Gramin Bank established being an Institution.

चिपि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नोटिस

नई दिल्ली, 18 जून, 1977

का० प्रा० — इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार सक्षम, प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री जे०सी० मेहता, एडवोकेट, 11-ए/1 पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली-60 ने उक्त नियमों के नियम 4 के के अधीन, दिल्ली संघ शासित क्षेत्र में लेख्य प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियाँ हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[सं० 22/31/77-न्याय]

प्रार० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

NOTICE

New Delhi, the 18th June, 1977

S.O. 2174.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri J. C. Mehta, Advocate, 11-A/1, Old Rajinder Nagar, New Delhi-60 for appointment as a Notary to practise in the Union Territory of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/31/77-JUS.]

R. VASUDEVAN, Competent Authority

गृह मंत्रालय

(कानूनी और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 16 जून, 1977

का० घा० 2175:—एण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उप-धारा (6) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री पी० पी० गरीवाला तथा अन्यो के विरुद्ध विशेष पुलिस स्थापना धार० सी० नं० 60/1971-बम्बई में एडीशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, तृतीय न्यायालय बम्बई द्वारा भेजे गये केस में बम्बई उच्च न्यायालय में राज्य की ओर से उपस्थिति होने के लिए बम्बई के अधिवक्ता श्री पी० धार० नामजोशी को विशेष लोक-अभियोजक नियुक्त करती है।

[सं० 225/2/77-एवीडी-II]

टी० के० सुब्रामणियन, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 16th June, 1977

S.O. 2175.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri P. R. Namjoshi, Advocate, Bombay, as a Special Public Prosecutor to appear on behalf of the State in the Bombay High Court in the reference made by the Court of Additional Chief Metropolitan Magistrate, 11th Court Bombay concerning Special Police Establishment Regular Case No. 60/1971-Bombay, against Shri B. P. Gariwalla and others.

[No. 225/21/77-AVD.II]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1977

धाय-कर

का० घा० 2176:—केन्द्रीय सरकार, धाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "कोडालमालिकम् देवस्वाम इरिजालकुडा" को निर्धारण वर्ष 1973-74 के लिए धोर से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1655/का० सं० 197/43/76-घा० क० (ए० I)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Banking)

(Revenue Wing)

New Delhi, the 10th February, 1977

INCOME-TAX

S.O. 2176.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Koodalmanikam Devaswom, Irinjalakuda" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1973-74.

[No. 1655/F. No. 197/43/76-IT(AI)]

धाय-कर

का० घा० 2177:—केन्द्रीय सरकार, धाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्रीवासवी कन्याका परमेश्वरी सेवा स्थान संघम कंचिकचारला" को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए धोर से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1656/का० सं० 197/97/76-घा० क० (ए०-I)]

INCOME-TAX

S.O. 2177.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sree Vasavi Kanyaka Parameswari Devasthanam Sangham, Kanchikacharla" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1656 F. No. 197/97/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1977

धाय-कर

का० घा० 2178:—केन्द्रीय सरकार, धाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "राजपूत पूर्व ग्यास, जम्मू" को निर्धारण वर्ष 1972-73 के लिए धोर से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1666/का० सं० 197/57/76-घा० क० (ए०-I)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd February, 1977

(INCOME TAX)

S.O. 2178.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Rajput Charitable Trust, Jammu' for the purpose of the said section for and from the assessment year 1972-73.

[No. 1666 (F. No. 197/57/76-IT(AI))]

M. SHASTRI, Under Secy.

धाय-कर

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1977

का० घा० 2179:—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय विकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रमों को आयकर अधिनियम 1961, की धारा 35 की उपधारा (2-क) के प्रयोजनों के लिए, नीचे विनिर्दिष्ट अवधि के लिए इस शर्त पर अनुमोदित किया है, कि संस्थान प्राप्त राशियों का धोर केवल अनुसंधान प्रयोजनों पर हुए व्यय का हिसाब पृथक से रखेगा धोर अनुसंधान संबंधी क्रिया कलापों को एक वार्षिक रिपोर्ट धोर लेखा की बाबत एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को, जब धोर जिस रूप में वह प्रेषणा करे, प्रस्तुत करेगा।

वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम :

यकृत की खराबी के लिए चिकित्सीय पद्यापथ्य का विकास स्फूर्जक यकृत शोष धोर चिरकारी यकृत रोग, चिरकारी यकृत शोष तथा पोर्टल प्रतिरक्तदाह) :

धायोजक :

1. श्री राम लाल राजगडिया, प्रोरियन्टल स्टोल एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड 1009 अंसल भवन, 16 कस्तूरबाई गांधी मार्ग, नई दिल्ली, 110001

2. मैसर्स अजन्ता पेपर्स लिमिटेड ।
3. राजगढ़िया चैरिटी ट्रस्ट ।

प्रायोजन स्थान : अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली ।

प्रारम्भ की तारीख : 1-4-1977 ।
पूर्ण होने की अनुमानित तारीख : 31-3-1982
अनुमानित व्यय : 10 लाख रुपए ।

अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, जहाँ उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, धारा 35 (i) (ii) में प्रयोजनों के लिए अधिसूचना सं० 1174 (फा० सं० 203/183-75-आई० टी० ए० II) तारीख 24-12-75 द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है ।

यह अधिसूचना 1-4-1977 से केवल पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है ।

[सं० 1691/फा० सं० 203/26/67-आई० टी० (ए०/II)]

New Delhi, the 26th March, 1977

INCOME TAX

S.O. 2179—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of section 35 of the Income-tax Act, 1961, by the Prescribed Authority, Indian Council of Medical Research, New Delhi, subject to the condition that the Institute will maintain separate accounts in respect of sums received and the actual expenditure incurred exclusively for research purposes and submit annual report regarding the research activities and annual returns regarding the accounts to the Prescribed Authority in the manner as and when required by the Prescribed Authority.

Scientific Research Programme:	The development of therapeutic regimens for liver failure, (fulminant hepatitis and chronic liver diseases, chronic hepatitis and portal hypertension).
Sponsored by:	1. Shri Ram Lal Rajgarhia, Orient Steel & Industries Ltd., 1009, Ansal Bhavan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001. 2. M/s. Ajanta Papers Mills Ltd. 3. Rajgarhia Charity Trust.
Sponsored at:	All India Institute of Medical Sciences, New Delhi.
Date of commencement:	1-4-1977.
Anticipate date of completion:	31-3-1982.
Estimated expenditure:	Rs. 10 lakhs.

The All India Institute of Medical Sciences, New Delhi, where the above programme has been sponsored has been approved for the purpose of section 35(i) (ii) by Notification No. 1174 (F.No. 203/183/75-ITA.II) dated 24-12-1975.

The notification is effective for a period of five years only from 1-4-1977.

[No. 1691/F. No. 203/26/77-IT(A.II)]

आय-कर

फा० सं० 2180.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (2-क) के प्रयोजनों के लिए नीचे विनिर्दिष्ट अवधि के लिए इस शर्त के अधीन अनुमोदित किया है कि उक्त संस्थापन के न्यासी इस अनुसंधान परियोजना का पूरा खर्च रखेंगे और परियोजना को अनुसंधान संबंधी किया कलापों और प्राप्त अनुदानों की रकम और इस परियोजना पर ही उपगत वास्तविक व्ययों की वार्षिक विवरणियां और रिपोर्ट, विहित प्राधिकारी द्वारा यथापेक्षित रीति से देंगे ।

वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम : पुणे में और उसके आस पास नगरीय और ग्रामीण जनता में कैंसर रोगों के प्रसारण, खोज तथा उपचार का अध्ययन ।

प्रायोजक :	1. मैसर्स संघवी मेटल कारपोरेशन पुणे । 2. मैसर्स पी० टी० सी० संघवी कम्पनी ।
प्रयोजन स्थल :	पुणे मेडिकल फाउंडेशन, पुणे ।
प्रारम्भ की तारीख :	14-3-1977 ।
अनुमोदन अवधि :	14-3-1977 से दो वर्ष तक ।
अनुमानित व्यय :	16,00,000 रु० ।

पुणे मेडिकल फाउंडेशन, पुणे, जहाँ उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, धारा 35(1)(ii) के प्रयोजनों के लिए वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 511 तारीख 4-12-1973 (फा० सं० 203/57/73 आई० टी० ए० II) द्वारा अनुमोदित है ।

[सं० 1693/फा० सं० 203/38/77-आई० टी० ए० II]
जे० पी० शर्मा, उप सचिव

INCOME-TAX

S.O. 2180—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purpose of sub-section (2A) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 by the Prescribed Authority, the Indian Council of Medical Research, New Delhi, subject to the condition that the trustees of the foundation shall maintain separate account of this research project and will submit annual returns and reports regarding research activities of the project and the amount of donation received along with actual expenditure incurred exclusively for this project in the manner required by the Prescribed Authority:

Scientific Research Programme:	Studies in the incidence, detection and treatment of Cancer Cervix in an urban and rural population in and around Poona.
Sponsored by:	1. M/s. Sanghvi Metal Corporation, Poona. 2. M/s. P.T.C. Sanghvi Co.
Sponsored at:	Poona Medical Foundation, Poona.
Date of commencement:	14-3-1977.
Duration of approval:	Two years with effect from 14-3-1977.
Estimated Expenditure:	Rs. 16,00,000.

Poona Medical Foundation, Poona, where the above programme has been sponsored, stands approved for the purpose of section 35 (1) (ii) vide Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Notification No. 511 dated 4-12-1973 (F.No.203/57/73-I.T.A.II).

[No. 1693/F.No.203/38/77-I.T.A.II]

(बैंकिंग पक्ष)

नई दिल्ली, 13 जून, 1977

का० आ० 2181.—राज्य वित्त निगम अधिनियम 1951 (1951 का 83) की धारा 46 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10 के खण्ड (च) के उपबन्ध तमिलनाडु इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, मद्रास पर लागू होंगे।

[सं० एफ० 11-19/77-आई० एफ० II]

एन० बालासुब्रह्मण्यन, उप सचिव

(Banking Wing)

New Delhi, the 13th June, 1977

S.O. 2181.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 46 of the State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951), the Central Government hereby directs that the provisions of clause (f) of section 10 of the said Act shall apply to the Tamilnadu Industrial Investment Corporation Limited, Madras.

[F. No. 11-19/77-IF-II]

N. BALASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 15 जून, 1977

का० आ० 2182.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की देखरेख) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की दिनांक 25 नवम्बर, 1975 की अधिसूचना सं० 7(9)-बी० आ० 111/74 का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे दी गयी सारणी के स्तम्भ (2) में उल्लिखित अधिकारियों, जो भारत सरकार के राजपत्रित अधिकारी के रैंक के समकक्ष अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है। ये अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में उल्लिखित सरकारी स्थानों के संबंध में उक्त अधिनियम के द्वारा प्रथवा उसके अन्तर्गत सम्पदा अधिकारियों को सौंपे गये कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे और प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे।

सारणी

क्रम अधिकारी का पद नाम सं०	सरकारी स्थानों का वर्गीकरण और क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाएं
1	2
1. अधीक्षक, व्यवस्था, इंडियन बैंक प्रधान कार्यालय, 17 नार्थ बीच रोड, मद्रास-600001 तथा सहायक महाप्रबन्धक, इंडियन बैंक मद्रास, क्षेत्र, 96 ए, एल० आर० स्वामी बिल्डिंग टीनामपेट, मद्रास, -18.	मद्रास शहर और चिंगलपुट जिले में इंडियन बैंक के प्रथवा उसके द्वारा प्रथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये प्रथवा अधिगृहीत निम्नलिखित स्थान : 1. श्रीमपेट 2. एरुकुचेरी 3. गुडु-बांचेरी 4. काडाम्बातूर 5. कन्निरैपाड़ 6. पोरूर 7. पट्टाभिराम 8. पुलिकट 9. पाड़ी 10. पल्लारम 11. पूनामाली 12. रेडहिल्स 13. मिगापेरुमल कोएल 14. तिरुपूर 15. किरुमलायसी 16. तिरु-पोरूर 17. तिरुमंगलम 18. तंबारम 19. तिरुवोटपूर 20. तिरुवदमियूर 21. वेलाचेरी 22. विल्लावक्कम (सभी तमिलनाडु में)।

1

2

3

2. क्षेत्रीय प्रबन्धक, इंडियन बैंक, यूनाइटेड मैशन 39, महात्मा गांधी रोड, बंगलूर-560010

कर्नाटक राज्य और आन्ध्र प्रदेश राज्य के अनन्तपुर कुरुनूल, और चित्तूर जिलों में इंडियन बैंक के प्रथवा उसके द्वारा प्रथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये प्रथवा अधिगृहीत स्थान।

3. सहायक महाप्रबन्धक, इंडियन बैंक, साइनारा, 17 काफो पैरेड, कोलाबा, बम्बई।

गुजरात और महाराष्ट्र राज्यों तथा गोवा, दमन और दीव संघ शासित क्षेत्र के गोवा क्षेत्र में इंडियन बैंक के प्रथवा उसके द्वारा प्रथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये प्रथवा अधिगृहीत स्थान।

4. सहायक महाप्रबन्धक, इंडियन बैंक, कलकत्ता क्षेत्र, 14/7, गारिया हाट रोड, कलकत्ता।

बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल और असम राज्यों में इंडियन बैंक के प्रथवा उसके द्वारा प्रथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये प्रथवा अधिगृहीत स्थान।

5. क्षेत्रीय प्रबन्धक, इंडियन बैंक, "इंडियन बैंक बिल्डिंग", 18/21 तथा 24, बैरायटी हाउस रोड कोयम्बटूर।

तमिलनाडु राज्य के कोयम्बटूर, धरमपुर, मोलगिरी और सलेम जिलों में इंडियन बैंक के प्रथवा उसके द्वारा प्रथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये प्रथवा अधिगृहीत स्थान।

6. क्षेत्रीय प्रबन्धक, इंडियन बैंक, 88, महात्मा गांधी रोड, विल्लुपुरम-605602.

पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र और तमिलनाडु राज्य के साउथ अर्काट, नार्थ अर्काट, जिलों में तथा तमिलनाडु राज्य के ही विंगलापट जिले में निम्नलिखित स्थानों को छोड़कर इंडियन बैंक के प्रथवा उसके द्वारा प्रथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये प्रथवा अधिगृहीत अन्य सभी स्थान :—

1. श्रीमपेट 2. एरुकुचेरी 3. गुडु-बांचेरी 4. काडाम्बातूर 5. कन्निरैपाड़ 6. पोरूर 7. पट्टाभिराम 8. पुलिकट 9. पाड़ी 10. पल्लारम 11. पूनामाली 12. रेडहिल्स 13. मिगापेरुमल कोएल 14. तिरुपूर 15. किरुमलायसी 16. तिरुपोरूर 17. तिरुमंगलम 18. तंबारम 19. तिरुवोटपूर 20. तिरुवदमियूर 21. वेलाचेरी 22. विल्लावक्कम (सभी तमिलनाडु में)।

1	2	3
7. क्षेत्रीय प्रबन्धक, इंडियन बैंक, 6ए, लामन रोड, कैम्पेनमेंट, तिरुची।	तमिलनाडु राज्य के मदुरै, रामनाथपुरम, तंजौर और तिरुचिरापल्ली जिलों में इंडियन बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान।	
8. सहायक महाप्रबन्धक, इंडियन बैंक, नई दिल्ली क्षेत्र, सी-66, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।	हरयाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, और पंजाब राज्यों में तथा दिल्ली और चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्रों में इंडियन बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान।	
9. क्षेत्रीय प्रबन्धक, इंडियन बैंक, "त्रिवेन्द्रम कोआपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, बिल्डिंग" टी० सी० 26/1240 पुचेन चंटाई, महात्मा गांधी रोड, त्रिवेन्द्रम।	केरल राज्य में तथा तमिलनाडु राज्य के तिरुनेलवल्ली और कन्याकुमारी जिलों में इंडियन बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान।	
10. क्षेत्रीय प्रबन्धक, इंडियन बैंक डोर नं० 29-7-48 नरसिंहराव नायडू स्ट्रीट, सूर्यराव पेठ, बिजयवाड़ा।	महाराष्ट्र प्रदेश राज्य के अनन्तपुर, जितूर और कुरनूल जिलों को छोड़कर इंडियन बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान।	
[सं० 7(५)-बी० प्री०-III/74] में भा० उसगांवकर, अवर सचिव		

New Delhi, the 15th June, 1977

S. O. 2182.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No.7(9)-B.O.III/74, dated the 25th November, 1975, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in Column (2) of the Table below, being officers equivalent to the rank of a gazetted officer of Government, to be estate officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the estate officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in column (3) of the said Table.

TABLE

Sr. Designation of the officer No.	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
1. Superintendent Expenditure Cell Indian Bank, Head Office 17, North Beach Road, Madras-600001 and	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Indian Bank and situated in the city of Madras

1	2	3
Assistant General Manager Indian Bank, Madras Area 96A, L.R. Swamy Building, Teynampet, Madras-18.		and the following places in the district of Chingleput: 1. Chrompet, 2. Erukanchery, 3. Guduvanchery, 4. Kadam-battur 5. Kannigaipar, 6. Porur, 7. Pattabiram 8. Pulicat, 9. Padi, 10. Pallavaram, 11. Poonamalee, 12. Red Hills, 13. Singaperumal Koil, 14. Tiruninravur, 15. Thirumalaisai, 16. Tirupporur, 17. Thirumangalam, 18. Tambaram, 19. Tiruvottiyur, 20. Tiruvanniyur, 21. Velachery, 22. Villivakkam. (all in Tamil Nadu).
2. Regional Manager Indian Bank, United Mansion, 39, Mahatma Gandhi Road, Bangalore-560010.		Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Indian Bank and situated in the State of Karnataka and in the districts of Anantapur, Kurnool and Chittoor in the State of Andhra Pradesh.
3. Assistant General Manager Indian Bank, "Sainara", 17, Cuffe Parade, Colaba, Bombay.		Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Indian Bank and situated in the States of Gujarat and Maharashtra and Goa area of the Union Territory of Goa, Daman and Diu.
4. Assistant General Manager Indian Bank, Calcutta Area 14/7, Gariahat Road, Calcutta.		Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Indian Bank and situated in the States of Bihar, Orissa West Bengal and Assam.
5. Regional Manager Indian Bank "Indian Bank Building" 18/21 and 24, Variety Hall Road, Coimbatore.		Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Indian Bank and situated in the districts of Coimbatore, Dharampur, Nilgiris and Salem in the State of Tamil Nadu.
6. Regional Manager Indian Bank 88, Mahatma Gandhi Road, Villupuram-605602.		Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Indian Bank and situated in the Union Territory of Pondicherry and in the districts of South Arcot, North Arcot in the State of Tamil Nadu and all places in the district of Chingleput in the State of Tamil Nadu other than the following:

1	2	3	1	2	3
		1. Chrompet, 2. Erukanchery, 3. Guduvanchery, 4. Kadam-battur, 5. Kannigaiper, 6. Porur, 7. Pattabhiram, 8. Pulicat, 9. Padi, 10. Pallavaram, 11. Poonamal-lee, 12. Red Hills, 13. Singaperumal Koll, 14. Tiruniravur, 15. Tiruma-lisai, 16. Tirupporur, 17. Thirumangalam, 18. Tam-baram, 19. Tiruvottiyur, 20. Tiruvanmiyur, 21. Velachery, 22. Villivakkam (all in Tamil Nadu).		Connaught Circus, New Delhi.	the Indian Bank and situa-ted in the States of Har-yana, Rajasthan, Uttar Pradesh and Punjab and in the Union Territories of Delhi and Chandigarh.
7. Regional Manager Indian Bank, 6A, Lawson Road, Cantonment, Tiruchy.		Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Indian Bank and situated in the districts of Madurai, Ramanatha-puram, Tanjore and Tiru-chirapalli in the state of Tamil Nadu.	9. Regional Manager Indian Bank, "Trivandrum Cooperative Urban Bank Ltd. Building", T-C, 26/1240 Puthenchantai, M.G. Road, Trivandrum.		Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Indian Bank and situa-ted in the State of Kerala and in the districts of Tirunelveli and Kanya-kumari in the State of Tamil Nadu.
8. Assistant General Manager Indian Bank, New Delhi Area G-66,		Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of	10. Regional Manager Indian Bank Door No. 29-7-48, Narasimharao Naidu Street Suryaraopet Vijayawada.		Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Indian Bank and situa-ted in the State of Andhra Pradesh other than the districts of Anantapur, Chittoor and Kurnool.

[No. 7(9)-B. O. III/74]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

मई बिल्ली, 10 जून, 1977
New Delhi, the 10th June, 1977

क्रा० प्रा० 2183.—भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसूचन में मई 1977 के बिनांक 20 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा
S. O. 2183.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934 for the week ended the 20th day of May, 1977

इस विभाग
ISSUE DEPARTMENT

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department	13,81,01,000		सोने का सिक्का और बुलियन Gold Coin and Bullion		
संचलन में नोट Notes in circulation	8244,90,40,000		(क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	187,80,45,000	
जारी किये गये कुल नोट Total notes issued		8258,71,41,000	(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India	
			विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities	1071,73,97,000	
			जोड़ Total		1259,54,42,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin		4,03,65,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities		6995,13,34,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper
कुल देयताएं Total Liabilities		8258,71,41,000	कुल आस्तियां Total Assets		82,58,71,41,000

बिनांक : 25 मई, 1977
Dated the 25th day of May, 1977.

एम० नरसिंहम, गवर्नर
M. NARASIMHAM, Governor.

20 मई, 1977 को भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 20th May, 1977

देयताएं Liabilities	रुपए Rs.	आस्तियां Assets	रुपए Rs.
चुकता पूंजी Capital Paid Up	5,00,00,000	नोट Notes	13,81,01,000
भारक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	5,45,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	400,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin	4,14,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	145,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल :— Bills Purchased and Discounted :—	
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	540,00,00,000	(क) देशी (a) Internal	156,20,37,000
जमा राशियां :— Deposits :—		(ख) विदेशी (b) External
(क) सरकारी (a) Government		(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	310,76,41,000
(i) केन्द्रीय सरकार (i) Central Government	190,11,31,000	विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad	2053,30,59,000
(ii) राज्य सरकारें (ii) State Governments	8,95,20,000	निवेश Investments	506,31,57,000
(ख) बैंक (b) Banks		ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक (i) Scheduled Commercial Banks	1149,57,97,000	(i) केन्द्रीय सरकार को (i) Central Government
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (ii) Scheduled State Co-operative Banks	29,03,50,000	(ii) राज्य सरकारों को (ii) State Governments	432,84,87,000
(iii) गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,98,52,000	ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(iv) अन्य बैंक (iv) Other Banks	86,44,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को (i) Scheduled Commercial Banks	522,76,71,000
(ग) अन्य (c) Others	2231,44,19,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	285,13,14,000
		(iii) दूसरों को (iii) Others	10,00,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और अग्रिम :— (a) Loans and Advances to :—	
		(i) राज्य सरकारों को (i) State Governments	98,52,47,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	15,65,29,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को (iii) Central Land Mortgage Banks
		(iv) कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम को (iv) Agricultural Refinance and Develop- ment Corporation	136,05,00,000
		(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	8,45,82,000

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रुपये Rs.
देय बिल Bills Payable	158,18,10,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
अन्य देयताएं Other Liabilities	1138,80,01,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	97,77,35,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्धन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to the Development Bank	518,12,86,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
		अन्य आस्तियां Other Assets	993,02,19,000
रुपये Rupees	6148,95,24,000	रुपये Rupees	6148,95,24,000

दिनांक 25 मई, 1977

Dated the 25th day of May, 1977.

एम० नरसिंहम, गवर्नर

M. NARASIMHAM, Governor

क्र० प्र० 2184—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में मई, 1977 के दिनांक 27 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा
S. O. 2184.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934 for the week ended the 27th day of May, 1977.

इस विभाग
ISSUE DEPARTMENT

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां Assets	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department	18,75,48,000		होने का सिक्का और बुलियन Gold Coin and Bullion		
संचलन में नोट Notes in circulation	8140,51,89,000		(क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	187,80,46,000	
जारी किये गये कुल नोट Total notes issued		8159,27,37,000	(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India		
			विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities	1071,73,97,000	
			जोड़ Total		1259,54,43,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin		4,59,88,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities		6895,13,06,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper		
कुल देयताएं Total Liabilities		8159,27,37,000	कुल आस्तियां Total Assets		8159,27,37,000

दिनांक 1 जून, 1977

Dated the 1st Day of June 1977.

एम० नरसिंहम, गवर्नर

M. NARASIMHAM, Governor

27 मई, 1977 को भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 27th May, 1977.

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	आहितियां Assets	रुपये Rs.
शुक्लता पूंजी Capital Paid Up	5,00,00,000	नोट Notes	18,75,48,000
आरक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	7,10,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	400,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin	4,34,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	145,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल Bills Purchased and Discounted :— (क) देशी (a) Internal	147,67,24,000
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	540,00,00,000	(ख) विदेशी (b) External
जमा राशियां :— Deposits :— (क) सरकारी (a) Government (i) केन्द्रीय सरकार (i) Central Government	260,59,66,000	(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	442,78,63,000
(ii) राज्य सरकारें (ii) State Governments	6,23,66,000	विदेशों में रखा हुआ धनादेश Balances Held Abroad	2084,83,33,000
(ख) बैंक (b) Banks (i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक (i) Scheduled Commercial Banks	1193,39,77,000	निवेश Investments	528,29,29,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (ii) Scheduled State Co-operative Banks	42,63,04,000	ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :— (i) केन्द्रीय सरकार को (i) Central Government
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,94,77,000	(ii) राज्य सरकारों को (ii) State Governments	454,78,80,000
(iv) अन्य बैंक (iv) Other Banks	2,62,92,000	ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :— (i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को (i) Scheduled Commercial Banks	452,66,85,000
(ग) अन्य (c) Others	2234,01,74,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	273,14,15,000
		(iii) दूसरों को (iii) Others	1,35,00,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि में ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund (क) ऋण और अग्रिम :— (a) Loans and Advances to :— (i) राज्य सरकारों को (i) State Governments	98,51,08,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	15,98,05,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को (iii) Central Land Mortgage Banks
		(iv) कृषि पुनर्धन और विकास निगम को (iv) Agricultural Refinance and Develop- ment Corporation	136,05,00,000
		(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	8,45,82,000

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	आस्तिियां Assets	रुपये Rs.
देय बिल Bills Payable	148,62,97,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
अन्य देयताएं Other Liabilities	1158,99,61,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	101,55,81,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (बीर्षकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to the Development Bank	521,27,11,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बाण्डों/डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
		अन्य आस्तियां Other Assets	1002,85,06,000
रुपये Rupees	6289,08,14,000	रुपये Rupees	6289,08,14,000

[No. F. 10/2/77-B.O.I]

दिनांक : 1 जून, 1977

एम० नरसिंहम, गवर्नर

च० व० मीरचन्दानी, अवर सचिव

Dated the 1st day of June, 1977.

M. NARASIMHAM, Governor

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
(Department of Accounts and Expenditure)
Bombay, the 15th June, 1977

CORRIGENDUM

S.O. 2185.—In the statement of Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on 15th April 1977, published in the Part II—Section 3(ii) of the Gazette of India dated 28th May, 1977, the following corrigendum may be noted :—

On page 1881, the figures Rs. 50,00,00,000 against the head Reserve Fund under the liabilities column may be read as Rs. 150,00,00,000.

[Reference Gen. No. 713/4-76/77]

K. SUBRAMANIAN, p. Chief Accountant

केंद्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय, बंगलूर

बंगलूर, 25 फरवरी, 1977

केंद्रीय उत्पाद शुल्क

का० प्रा० 2186.—केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, इस अधिसूचना द्वारा, केंद्रीय उत्पाद शुल्क के अधीक्षकों को केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 173-0 उप-नियम (2) और नियम 185 के उपनियम (1) के अधीन निर्यात किए जाने वाले माल के पैकिजों एवं डिब्बों के प्रस्तुत करने के बारे में उचित अधिकारी को उचित फार्म में आवेदन करने पर 24 घंटे की अवधि सीमा में डील देने की समाहर्ता की शक्तियां प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता हूँ।

[अधिसूचना सं० 1/77/सी० सं० IV/16/16/77-बी० 2]

आर० एन० शुक्ल, समाहर्ता

Office of the Collector of Central Excise, Bangalore
Bangalore, the 25th February, 1977

CENTRAL EXCISES

S.O. 2186.—In exercise of the powers vested in me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby empower the superintendents of Central Excise to exercise the powers of Collector under sub-rule (2) of Rule 173-O and sub-rule (1) of Rule 185 of Central Excise Rules, 1944, in the matter of relaxation of time limit of 24 hours laid down in the said rules for presentation of packages or cases containing goods to be exported together with an application in the proper form to the proper officer.

[Notification No. 1/77/C. No. IV/16/77-B. 2]

R. N. SHUKLA, Collector

केंद्रीय उत्पाद शुल्क, समाहर्तालय, मद्रुरै : मद्रुरै-2

मद्रुरै, 16 मई, 1977

केंद्रीय उत्पाद शुल्क

का० प्रा० 2187.—केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, इस अधिसूचना द्वारा केंद्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय मद्रुरै में सेनाय केंद्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक समाहर्ताओं को उनके अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में उक्त नियमावली के 173 आर० के० नियम के अंतर्गत उन मामलों के बाबत शुल्क अदा करने में हुई देरी को वरगुजर करने के लिये समाहर्ता की शक्तियां प्रत्या-योजित करता हूँ जिनमें शुल्क की अवायगी सम्बन्धित माह के आरम्भ होने के पहले ही की जाती है।

[अधिसूचना सं० 2/77/सी० सं० IV/8/1/77-के० उ० शु०-2]

एम० एम० सुब्रामनियम, समाहर्ता

The Madurai Central Excise Collectorate, Madurai-2

Madurai, the 16th May, 1977

CENTRAL EXCISES

S.O. 2187.—In exercise of the powers conferred upon me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby delegate to Assistant Collectors of Central Excise in Madurai Collectorate, within their respective jurisdiction to exercise the powers of the Collector under rule 173RK of the Central Excise Rules, 1944 to condone delay in payment of duty in cases where the payment is made before the commencement of the month.

[Notification No. 2/77/C. No. IV/8/1/76-CX. 2]

M. S. SUBRAMANYAM, Collector.

समाहर्ता, केंद्रीय उत्पादन एवं सीमा शुल्क जयपुर (राजस्थान)

जयपुर, 14 जून, 1977

सीमा शुल्क

का० प्रा० 2188.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 152 के खण्ड (ग) के अधीन अधिसूचना सं० 79-कस्टम्स/एफ० नं० 473/2/75/कस्टम्स विनाक 18 जुलाई, 1975 के अन्तर्गत वित्त मंत्रालय द्वारा प्रत्यायोजित और सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये मैं एतद्वारा राजस्थान राज्य में दोबारी (जिला उदयपुर) जोकि नगर सीमा से बाहर है, को भण्डारण स्टेशन घोषित करना हूँ

[सं० 1-कस/77/सी० नं० VIII (एच) 20-6-77]

पी० राय, समाहर्ता

Office of the Collector, Central Excise, Jaipur (Rajasthan)

Jaipur, the 14th June, 1977

CUSTOMS

S.O. 2188.—In exercise of the powers conferred by Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) as delegated by the Ministry of Finance vide Notification No. 79-Customs F. No. 473/2/75-Cus. VII dated the 18th July, 1975 under clause (a) of Section 152 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), I hereby declare Debari (Distt. Udaipur) situated outside "Udaipur Municipal Limit", in the State of Rajasthan to be a 'Warehousing Station.'

[No. 1/Cus. 77/C. No. VIII(H)20/6/77]

P. ROY, Collector

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1977

आय-कर

का० प्रा० 2189.—केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679 (का० सं० 187/7/74-आई टी (ए० I) तारीख 20 जुलाई, 1974 में उपावृत्त अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करने हैं—

क्रम सं० 20 के सामने स्तम्भ (1), (2) और (3) के नीचे की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

आयकर आयुक्त स्तम्भ 1	मुख्यालय स्तम्भ 2	अधिकारिता स्तम्भ 3
1	2	3
"20. आयकर आयुक्त जयपुर	जयपुर	(1) जयपुर, जिसमें निम्नलिखित होंगे— (क) जयपुर स्थित सभी वाडें (ख) जयपुर स्थित सभी केंद्रीय मकिल

1 2 3

- (ग) जयपुर स्थित सभी
कम्पनी मकिल
(घ) जयपुर स्थित सभी
सर्वेक्षण मकिल
(ङ) जयपुर स्थित सभी
वैतन मकिल
(2) अजमेर
(3) बेवार
(4) भरतपुर
(5) अलवर
(6) सीकर
(7) संझनू
(8) मुख्य लेखा परीक्षक
और आय-कर अधि-
कारी (प्रांतीय
लेखा परीक्षा) जय-
पुर
(9) कोटा
(10) झालवाड़
(11) बूंदी
(12) सबाई साधोपुर
(13) जयपुर, अजमेर
और कोटा स्थित
सभी खजाना अधि-
कारी
(14) सहायक नियंत्रक
संपदा, शुल्क एवं,
आय-कर मकिल जय-
पुर।
(1) जोधपुर, जिसमें
निम्नलिखित होंगे:—
(क) जोधपुर स्थित सभी
केंद्रीय मकिल,
(ख) जोधपुर स्थित सभी
वाडें
(ग) जोधपुर स्थित सभी
सर्वेक्षण मकिल
(2) पाली
(3) जालौर
(4) मिरोही
(5) बारमेड़
(6) भीलवाड़ा
(7) चित्तौड़गढ़
(8) उदयपुर
(9) बीकानेर
(10) श्रीगंगानगर
(11) हनुमानगढ़
(12) नागौर
(13) चुरू
(14) उदयपुर, बीकानेर
और जोधपुर स्थित
सभी खजाना अधिकारी।

आय-कर आयुक्त

जोधपुर

यह अधिसूचना 1-4-1977 में प्रभावी होगी।

[सं० 1681/का० सं० 191/35/76-आ० का० (ए०-1)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 22nd March, 1977

INCOME-TAX

S.O. 2189.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby make the following amendments to the Schedule appended to its notification No. 679 (F.No.187/2/74-IT(AI) dated the 20th July, 1974, as amended from time to time:—

1. Existing entries under columns (1), (2) and (3) against S.No. 20 shall be substituted by the following entries:—

Income-Tax Commissioner Column 1	Head-quarters Column 2	Jurisdiction Column 3
2. Commissioner of Income-tax Jaipur.	Jaipur	(1) Jaipur including:— (a) All Wards at Jaipur. (b) All Central Circles at Jaipur. (c) All Comany Circles at Jaipur. (d) All Survey Circles at Jaipur. (e) All Salary Circles at Jaipur. (2) Ajmer. (3) Beawar. (4) Bharatpur. (5) Alwar. (6) Sikar. (7) Jhunjhnu. (8) Chief Auditor & L.T.O. (Internal Audit), Jaipur. (9) Kota. (10) Jhalawar. (11) Bundi. (12) Sawaimadhop. (13) All TROs at Ajmer and Kota. (14) Asstt. Controller of Estate Duty-Circle at Jaipur.
Commissioner of Income-tax.	Jodhpur	(1) Jodhpur including:— (a) All Central Circles at Jodhpur. (b) All Wards at Jodhpur. (c) All Survey Circles at Jodhpur. (2) Pali. (3) Jalore. (4) Sirohi. (5) Barmer. (6) Bhilwara. (7) Chittorgarh. (8) Udaipur. (9) Bikaner. (10) Sriganganagar. (11) Hanumangarh. (12) Nagaur. (13) Churu. (14) All TROs at Bikaner & Jodhpur.

This notification shall take effect from 1-4-1977.

[No. 1681 (F. No. 191/3)
M. SHASTRI, J]

7/76-IT(AI)
Under Secy.

बाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1977

का० प्रा० 2190.—भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए सामान्य नमक का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कृत्रिम प्रस्ताव निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) द्वारा अपेक्षित के अनुसार, भारत सरकार के बाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का० प्रा० 2239, तारीख 3 जुलाई, 1976 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र, भाग 2 खंड-3 उप-खंड (ii) तारीख 3 जुलाई, 1976 में प्रकाशित किए गए थे:

और उन सभी लोगों से जिनके उनसे प्रभावित होने की सम्भावना थी उक्त आदेश सं० का० प्रा० 2239, तारीख 3 जुलाई, 1976 के प्रकाशन की तारीख से तीन दिनों के भीतर आक्षेप तथा सुझाव मांगे गए थे:

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को 3 जुलाई, 1976 तक उपलब्ध करा दी गई थी:

और उक्त प्रारूप पर जन साधारण से प्राप्त आक्षेपों तथा सुझाव पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है:

अतः, अब, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार, यह राय होने पर कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है, एतद्वारा—

(1) अधिसूचित करती है कि सामान्य नमक निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा:

(2) (क) इस आदेश के उपबन्ध में दिए गए सामान्य नमक विनिर्देशों को सामान्य नमक के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देनी है:

(ख) उन विनिर्देशों को मान्यता देनी है जो केना तथा निर्यात-कर्ता के मध्य सामान्य नमक से संबंधित निर्यात संबंधों में नियत किए जाएं, परन्तु यह तब जब कि ऐसे विनिर्देश उक्त उपबन्ध में दिए गए विनिर्देशों से निम्न स्तर के न हों,

(3) सामान्य नमक के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1977 के अनुसार निरीक्षण के प्रकार का निरीक्षण के प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जो कि सामान्य नमक पर लागू होगा:

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान ऐसे सामान्य नमक के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करती है जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्य निरीक्षण अधिकरण द्वारा किया गया इस आणय का प्रमाणपत्र न हो कि सामान्य नमक निर्यात-योग्य है।

2 इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं को सामान्य नमक के नमूनों के भू, वायु या समुद्र मार्ग द्वारा निर्यात पर लागू नहीं होगी परन्तु यह तब जब परेक्षण का पोल पर्यन्त निःशुल्क मूल्य एक सौ रुपये से अधिक नहीं हो।

3. इस आदेश में 'सामान्य नमक' से समुद्र के लवण-जल से, खोदे हुए कुए के लवण-जल से या झील के लवण-जल से अपरिष्कृत या परिष्कृत रूप में प्राप्त नमक अभिप्रेत है।

4. यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

उपाबंध

सामान्य नमक के लिए विनिर्देश

[पैरा 2 का उप-पैरा (2) देखिए]

(क) खाद्य सामान्य नमक :—खाद्य सामान्य नमक सांख्यिक विनिर्देशों के अनुसार होगा परन्तु उस खाद्य नमक के उस स्तर से नीचे का नहीं है जो उस विशिष्ट समय में खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 और उसके अधीन जारी किए गए अनुदेशों के अन्तर्गत विहित किया गया है। किन्तु, यदि आयात करने वाले देश के खाद्य सामान्य नमक के कानूनी विनिर्देश खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के अधीन विहित विनिर्देशों से अधिक कठोर हों तो पूर्वकथित विनिर्देश नियमों के लिए निरीक्षण का आधार होंगे।

(ख) औद्योगिक प्रयोजन के लिए सामान्य नमक :—औद्योगिक प्रयोजन के लिए सामान्य नमक नीचे सारणी में दी गई अपेक्षाओं के न्यूनतम के अधीन रहते हुए, संविदात्मक विनिर्देशों के अनुसार होगा।

सारणी

क्रम सं०	विशेषताएं	अपेक्षाएं प्रतिशत
(1)	शुष्क दशा में, सोडियम क्लोराइड (अर्थात् एन ए सी एल) का भार के आधार पर न्यूनतम प्रतिशत	98.5
(2)	शुष्क दशा में, सोडियम क्लोराइड के अनिश्चित पानी से घुलनशील और अघुलनशील पदार्थ (अर्थात् एन ए सी एल) का भार के आधार पर अधिकतम प्रतिशत	1.5
(3)	भारत के आधार पर आर्द्रता, अधिकतम प्रतिशत	
	(क) 1 जनवरी से 30 जनवरी तक की अवधि के दौरान	3.5
	(ख) 1 जुलाई से 30 दिसम्बर तक की अवधि के दौरान	4.0

परन्तु प्रधान मौसमी दशकों के आधार पर, नमक आयुक्त (क) तथा (ख) के लिए क्रमशः 4.0 प्रतिशत तथा 6.0 प्रतिशत तक की भार के आधार पर आर्द्रता अधिकतम अनुमत कर सकता है।

[सं० 6(5)/75-नि०नि० तथा नि०उ०]

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 2 July, 1977

ORDER

S.O. 2190.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting common salt to quality control and inspection prior to export, were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II Section 3 Sub-section (ii), dated the 3rd July, 1976, under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 2239, dated the 3rd July, 1976;

And whereas the objections and suggestions were invited within thirty days of the date of publication of the said Order No. S.O. 2239, dated the 3rd July, 1976, from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 3rd July, 1976;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby,—

(1) notifies that common salt shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) recognises.—

(a) the specifications for common salt as set out in the Annexure to this Order as the standard specifications for common salt;

(b) the specifications which may be stipulated for common salt in the export contract concerned between the buyer and the exporter provided that such specifications do not fall below the specifications set out in the said Annexure;

(3) Specifies the type of inspection in accordance with the export of Common Salt (Inspection) Rules, 1977 as the type of inspection which shall be applied to common salt;

(4) Prohibits the export in the course of international trade of such common salt unless the same is accompanied by a certificate issued by the Inspection Agency, recognised by the Central Government under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that the common salt is exportworthy.

2. Nothing in this order shall apply to the export of samples of common salt to the prospective buyer by land, sea or air provided the f.o.b. value of the consignment does not exceed rupees one hundred.

3. In this order "common salt" shall mean salt obtained from seabrine, borewell-brine or lake-brine either in the crude or refined form.

4. This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

ANNEXURE

Specification for common Salt

[See sub-paragraph (2) of Paragraph 2]

(a) Edible common Salt.—The edible common salt shall be as per contractual specifications provided that the same are not below standard of edible salt which at that specific time is prescribed under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, as amended from time to time, and instructions issued there under. However, in case, the statutory specifications for edible common salt of the importing country are more stringent than those prescribed under the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, the former shall form the basis of inspection for export.

(b) Common Salt for Industrial purposes.—The common salt for industrial purposes shall be as per the contractual specifications subject to the minimum of the requirements given in the Table below

TABLE

Sl. No.	Characteristics	Requirements
1	2	3
(i) Sodium Chloride (as NaCl.) percent by Weight, on dry basis, Min.		98.5%
(ii) Matter Soluble and insoluble in water other than sodium chloride (as NaCl), per by weight, on dry, basis, Max.		1.5%
(iii) Moisture, Percent by weight, Max.—		
(a) During the Period from 1st January to 30th June.		3.5%
(b) During the period from 1st July to 31 December.		4.0%

Provided that depending upon the prevailing weather conditions, the Salt Commissioner may permit moisture, percent by weight maximum upto 4.0% and 6.0% for (a) and (b) respectively.

[F. No. 6(5)/75E I & E F]

क्र०श्रा० 2191.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम सामान्य नमक का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है;

(ख) 'अधिकरण' से अधिनियम की धारा 7 के अन्तर्गत मान्य निरीक्षण अधिकरण अभिप्रेत है;

(ग) 'सामान्य नमक' से समुद्र के लवण जल से, खोदे हुए कुएं के लवण-जल से या झील के लवण-जल से या तो अपरिष्कृत रूप में या परिष्कृत रूप में प्राप्त नमक अभिप्रेत है;

(घ) 'परिषद्' से अधिनियम की धारा 3 के अन्तर्गत स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद् अभिप्रेत है।

3. निरीक्षण का आधार: सामान्य नमक का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के विचार से किया जाएगा कि उसकी क्वालिटी अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्य विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया:—(1) सामान्य नमक का निर्यात करने का इच्छुक निर्यात-कर्ता अपने ऐसा करने के आशय की सूचना लिखित रूप से अधिकरण को देगा और ऐसी सूचना के साथ निर्यात-संविदा की एक प्रति अधिकरण के निकटतम कार्यालय को देगा ताकि वह नियम 3 के अनुसार निरीक्षण कर सके।

(2) उप-नियम (1) के अन्तर्गत प्रत्येक सूचना पोत-खदान की प्रत्याशित तारीख से कम से कम बीस दिन पहले दी जाएगी।

(3) उप-नियम (2) के अन्तर्गत सूचना प्राप्त होने पर अधिकरण, नियम 3 और परिषद् द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों के अनुसार निरीक्षण करेगा।

(4) निरीक्षण के पश्चात् यदि अधिकरण का समाधान हो जाता है कि निर्यात किए जाने वाले सामान्य नमक का परेक्षण नियम 3 की अपेक्षाओं के अनुरूप है तो वह उप-नियम के अधीन सूचना के प्राप्त होने के बीस दिनों के भीतर परेक्षण को निर्यात-योग्य घोषित करने हुए निर्यात-कर्ता को प्रमाणपत्र दे देगा।

परन्तु जहां अधिकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं होता है वहां यह उक्त बीस दिनों की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाण-पत्र देने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों सहित निर्यात-कर्ता को देगा।

5. निरीक्षण का स्थान:—(1) इन नियमों के अन्तर्गत प्रत्येक निरीक्षण या तो विनिर्माता के परिसर पर किया जाएगा या उस परिसर पर किया जाएगा जहां निर्यात-कर्ता द्वारा माल प्रस्तुत किया जाता है परन्तु यह तब जब वहां इस प्रयोजन के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों।

(2) ऐसे सामान्य नमक का विप्लेयण अधिकरण की प्रयोगशाला में किया जाएगा।

6. अपील:—(1) नियम 4 के उप-नियम (4) के अन्तर्गत प्रमाण-पत्र देने के इंकार से व्यथित कोई व्यक्ति उसके द्वारा ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर, इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त कम से कम तीन और अधिक से अधिक सात व्यक्ति विशेषज्ञों के पैनल को, अपील कर सकेगा।

(2) ऐसे विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्य संख्या के कम से कम द्वाविंशति सदस्य गैर-सरकारी होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन की होगी।

(4) अपील, उसके प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर निपटा दी जाएगी।

[सं० 6(5)/75-नि०नि० तथा नि०उ०]

S.O. 2191.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely:

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Common Salt (Inspection) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Agency" means the Inspection Agency recognised under section 7 of the Act;

(c) "Common Salt" means the salt obtained from sea-brine, borewell-brine or lake-brine either in the crude or refined form.

(d) "Council" means the Export Inspection Council, established under section 3 of the Act.

3. Basis of Inspection.—Inspection of common salt shall be carried out with a view to ensuring that the quality of the same conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.

4. Procedure of inspection.—(1) The exporter intending to export common salt shall give intimation in writing of his intention to do so to the Agency and submit alongwith such intimation a copy of the export contract to the nearest office of the Agency to enable it to carry out the inspection in accordance with rule 3.

(2) Every intimation under sub-rule (1) shall be given not less than twenty days before the expected date of shipment.

(3) On receipt of the intimation under sub-rule (2), the Agency shall carry out the inspection in accordance with rule 3 and instructions issued by the Council from time to time.

(4) If, after the inspection, the Agency is satisfied that the consignment of common salt to be exported complies with the requirements of rule 3, it shall, within twenty days of the receipt of the intimation under sub-rule (2), issue a certificate to the exporter declaring the consignment as exportworthy :

Provided that where the Agency is not so satisfied, it shall within the said period of twenty days refuse to issue such certificates and communicate such refusal to the exporter alongwith the reasons therefor.

5. Place of Inspection.—(1) Every inspection under these rules shall be carried out either at the premises of the manufacturer or at the premises at which the goods are offered by the exporter provided adequate facilities for the purpose exist therein.

(2) The analysis of such common salt shall be conducted at the laboratory of the Agency.

6. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the Agency to issue a certificate under sub-rule (4) of rule 4 may, within ten days of receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of not less than three but not more than seven such experts as may be appointed for the purpose by the Central Government.

(2) At least two-thirds of the total membership of the panel of experts shall consist of non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

[F. No. 6(5)/75-FI&EP]

का०आ० 2192.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सामान्य नमक के निर्यात से पूर्व निरीक्षण के लिए भारत सरकार के नमक आयुक्त को निरीक्षण अधिकरण के रूप में मान्यता देती है।

व्याख्या:—इस अधिसूचना में 'सामान्य नमक' से समुद्र के लवण-जल से, खोदे हुए कुएँ के लवण-जल से या झील के लवण-जल से प्राप्त अपरिष्कृत या परिष्कृत नमक अभिप्रेत है।

[नि० 6(5)/75-नि०नि० तथा नि०उ०]

8.O. 2192.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises the Salt Commissioner to the Government of India as an inspection Agency for inspection of common salt prior to export.

Explanation:—In this notification "common salt" means salt obtained from sea-brine, borewell-brine or lake-brine either in the crude or refined form.

[F. No. 6(5)/75-FI&EP]

आदेश

का०आ० 2193.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि रंगलेप तथा सम्बद्ध वस्तुओं निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन हों;

44 GI/77—3.

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) द्वारा अपेक्षित के अनुसार निर्यात निरीक्षण परिपद् को भेज दिया है;

अतः, अब उक्त उप-नियम के अनुसरण में तथा भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०आ० 2661 तारीख 5 अगस्त, 1967 को अतिष्ठित करते हुए, केन्द्रीय सरकार उन सभी लोगों की जानकारी के लिए जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है उक्त प्रस्तावों को प्रकाशित करती है।

2. सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या गुंजाय देने की बांछा करने वाला कोई व्यक्ति, उसे इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालिस दिनों के भीतर निर्यात निरीक्षण परिपद्, ब्लॉक ट्रेड सेक्टर, 14/1-बी, एजरा स्ट्रीट, (आठवीं मंजिल), कलकत्ता-1 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

(1) यह अधिसूचित करना कि रंगलेप तथा सम्बद्ध वस्तुओं निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन हों।

(2) इस आदेश के अन्वय में दिए गए रंगलेप तथा सम्बद्ध वस्तुओं के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 के प्रारूप के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो कि निर्यात से पूर्व ऐसी रंगलेप तथा सम्बद्ध वस्तुओं पर लागू होना।

(3) (क) क्रेता तथा विक्रेता के मध्य तय हुए के अनुसार निर्यात सविदा के विनिर्देशों को, तथा

(ख) उप-पर (क) में दिए गए विनिर्देशों में से किसी की भी अनुपस्थिति में विक्रेता या विनिर्माता द्वारा प्रयुक्त उपयुक्त विनिर्देशों का जो क्रेता द्वारा स्वीकृत हों, मान्यता देना।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान ऐसी रंगलेप तथा सम्बद्ध वस्तुओं के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अन्तर्गत स्थापित अभिकरणों में से किसी एक द्वारा दिया गया इस आणय का प्रमाण-पत्र न हो कि ऐसी रंगलेप तथा सम्बद्ध वस्तुएं निर्यात-योग्य हैं।

2. इस आदेश की कोई भी बात भारी क्रेताओं को रंगलेप तथा सम्बद्ध वस्तुओं के नमूनों के भू, समुद्र तथा वायु मार्ग द्वारा निर्यात पर लागू नहीं होगी।

3. इस आदेश में रंगलेप तथा सम्बद्ध वस्तुओं से निम्नलिखित अभिप्रेत हैं:—

(1) सभी प्रकार के बने बनाए रंगलेप तथा इनेमल, पाइपर, फायर, ब्रैंडर कोटिंग तथा मस्पूनि सहित;

(2) सभी प्रकार की वारनिशें (प्राकृतिक लाख या बनावटी लाख या दोनों से बनाई गई उपमारांधी वारनिशें सहित);

(3) हर प्रकार के प्लास्टिक के इसलेशन रंगलेप।

(4) फायर, पाइपर या सर्फेसट सहित नाइट्रोसेल्यूलोज गार्श या रंग मिश्री हुई।

(5) पेस्ट रंगलेप तथा पेस्ट डिस्टेम्पर

(6) सूखे डिस्टेम्पर तथा रंग

(7) सिमेट रंगलेप

- (8) रंगलेप को मिटाने के लिए द्रव्य तथा पतला करने वाला पदार्थ
- (9) बनावटी लाख
- (10) रंगलेप या सूखाने के लिए प्रकृतितम तेल या रंगलेप के लिए आधे सुखाए तेल
- (11) बिटुमिनस कोटिंग

उपाध्वस

[नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अन्तर्गत बनाए जाने के लिए प्रस्तावित नियमों का प्राप्ति]

नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम रंगलेप तथा संबंध वस्तुओं का नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 है।

(2) ये को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है।

(ख) 'अधिकरण' से अधिनियम की धारा 7 के अन्तर्गत कोचीन, मद्रास, कलकत्ता, मुम्बई तथा दिल्ली में स्थापित अधिकरणों में कोई एक अभिप्रेत है।

(ग) 'रंगलेप तथा संबंध वस्तुओं' से निम्नलिखित अभिप्रेत है,

- (1) सभी प्रकार के बने बनाए रंगलेप तथा इनेमल, प्राइमर, फिलर, अंबर कोटिंग तथा सम्पूति सहित;
- (2) सभी प्रकार की बारनियों (प्राकृतिक लाख या बनावटी लाख या दोनों से बनाई गई उष्मारोधी बारनियों सहित);
- (3) हर प्रकार के प्लास्टिक के इमल्शन रंगलेप;
- (4) फिलर, प्राइमर या सर्फेसर सहित सॉर्ट्रोमेस्यूल्सो ज साबी या रंग मिली हुई;
- (5) पेस्ट रंगलेप तथा पेस्ट डिस्टेपर
- (6) सूखे डिस्टेपर तथा रंग
- (7) सीमेंट रंगलेप
- (8) रंगलेप को मिटाने के लिए द्रव्य तथा पतला करने वाला पदार्थ
- (9) बनावटी लाख
- (10) रंगलेप सूखाने के लिए प्रकृतित तेल या रंगलेप के लिए आधे सुखाए तेल
- (11) बिटुमिनस कोटिंग

(घ) 'अनुसूची' से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

3. क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण:—(1) रंगलेप तथा संबंध वस्तुओं की क्वालिटी, अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार नियंत्रणों के स्तरों के साथ उनके विनिर्माण के विभिन्न स्तरों पर निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करके सुनिश्चित की जाएगी, अर्थात्:—

(1) क्रय की गई कच्ची सामग्री नियंत्रण:—

(क) क्रय विनिर्देश विनिर्माता द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाली सामग्री के गुण धर्मों को समाविष्ट करने हुए निर्धारित किए जाएंगे।

(ख) स्वीकृत परेपणों के साथ या तो क्रय विनिर्देशों की अपेक्षाओं की पूर्ति करते हुए प्रदायकर्ता का परख या निरीक्षण का प्रमाण-पत्र होगा, जिस दण्ड में क्रेता द्वारा विनिर्देश प्रदायकर्ता के लिए उक्त परख या निरीक्षण प्रमाण-पत्र की यथा न्ययता सत्यापित करने के लिए 10 परेपणों में कम से कम एक बार कालिक जर्नल की जागृगी या खरीदी गई सामग्री का या तो कारखाने के भीतर प्रयोग-शाला में या बाह्य प्रयोगशाला में या परीक्षण गृह में नियमित रूप से परीक्षण और निरीक्षण किया जाएगा।

(ग) किए जाने वाले निरीक्षण या परख के लिए नमूने का लेखा लेखबद्ध अन्वेषण पर आधारित होगा।

(घ) निरीक्षण और परीक्षण किए जाने के पश्चात् स्वीकृत तथा अस्वीकृत किए गए माल को पृथक करने में तथा अस्वीकृत माल के निपटान के लिए व्यवस्थित पद्धतियां अपनाई जाएंगी।

(ङ) उक्त निपटर्णों के संबंध में पर्याप्त अभिलेख नियमित तथा व्यवस्थित रूप से रखे जाएंगे।

(च) डिब्बों की सीक-रोफिंग तथा सीवन-मजबूती की परख करने के लिए सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि यह संभव नहीं है तो इस आशय से प्रदायकर्ता से डिब्बों के प्रत्येक परेपण के लिए परख प्रमाण-पत्र लिया जाना चाहिए।

(2) प्रक्रिया नियंत्रण:—

(क) विनिर्माता द्वारा मध्यवर्ती उत्पाद तथा सच्ची सामग्री के विनिर्माण की विभिन्न प्रक्रिया के लिए, मध्यवर्ती उत्पाद तथा कच्ची सामग्री के गुण-धर्मों सहित थोड़े बार प्रक्रिया विनिर्देश, यदि कोई हों, निर्धारित किए जाएंगे।

(ख) प्रत्येक बैच में से एक प्रतिनिधि नमूना लिया जाएगा। बड़ा नमूना दो बराबर परख नमूनों में बांट दिया जाएगा। उत्पाद की अपेक्षा के लिए विनिर्माता एक ठोसे परख नमूने की परख करेगा और अन्य नमूना कम से कम छः महीनों के लिए इसके विशरणों सहित निर्दिष्ट नमूने के रूप में सुरक्षित रखा जाएगा।

(ग) नमूना लेने तथा किए जाने वाली परख के संबंध में पर्याप्त अभिलेख नियमित तथा व्यवस्थित रूप से रखे जाएंगे।

(1) पैकिंग नियंत्रण:—उक्त उत्पादों की पैकिंग के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट नियंत्रणों के समाधान की दृष्टि से पैकिंग विनिर्देश बनाए जाएंगे और उनका पालन पूरी तरह किया जाएगा।

(2) नियति के लिए आशयित रंगलेप तथा संबंध वस्तुओं का निरीक्षण इस दृष्टि से यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि उप-नियम (1) में निर्दिष्ट नियंत्रणों का सुसंगत स्तर पर समाधानप्रद रीति से प्रयोग किया गया है और रंगलेप तथा संबंध वस्तुएं उन पर लागू होने वाले मानक विनिर्देशों के अनुरूप हैं।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया:—(1) नियति-कर्ता या विनिर्माता रंगलेप तथा संबंध वस्तुओं के नियति करने के अपने आशय की सूचना लिखित

रूप में परिषद् के निकटतम कार्यालय को देगा। अनुसूची को ध्यान में रखते हुए, एकक द्वारा अपनाए गए उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण परिमाणों की पर्याप्तता की जाँच करने के लिए पहले परिषद् के अधिकारी विनिर्माण एकक के दौरा करेंगे। परिषद् के अधिकारियों की सिफारिश पर, इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा विशेष रूप से बनाए गए विशेषज्ञों के पैनल द्वारा एकक के दौरा का प्रबंध किया जाएगा और उनकी सिफारिश पर एकक को घोषित कर दिया जाएगा कि उसके पास उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण अभ्यासों की पर्याप्तता है।

विनिर्माण एकक इस प्रयोजन के लिए परिषद् के अधिकारियों तथा विशेषज्ञों के पैनल के सदस्यों का सभी सुविधाएँ देगा।

(2) रंगलेप तथा संबद्ध वस्तुओं के निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता अभिकरण को लिखित रूप में सूचना देगा और ऐसी सूचना के साथ एक घोषणा-पत्र देगा कि रंगलेप तथा संबद्ध वस्तुओं का परेक्षण नियम 3 में निर्दिष्ट नियंत्रणों के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण परिमाणों का प्रयोग करके विनिर्मित किया गया है या किया जा रहा है और परेक्षण इस प्रयोजन के लिए मान्य विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

(3) निर्यातकर्ता अभिकरण को निर्यात किए जाने वाले उत्पाद की बैच संख्या सहित परेक्षण पर भेजा जाने वाला पहचान चिह्न भी देगा।

(4) उप-नियम (2) के अन्तर्गत प्रत्येक सूचना तथा घोषणा विनिर्माता के परिमर से परेक्षण के भेजे जाने से कम से कम तीन दिन पहले दी जाएगी।

(5) (क) उप-नियम (2) के अधीन सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर अभिकरण अपना यह समझाने का लेने पर कि विनिर्माता ने रंगलेप तथा संबद्ध वस्तुओं को नियम 3 में निर्दिष्ट नियंत्रणों के अनुसार बनाने के लिए विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण अभ्यासों का प्रयोग किया है समय-समय पर परिषद् द्वारा जारी किए गए निर्देशों के अनुसार परेक्षण का निरीक्षण करेगा और तीन दिनों के भीतर, परेक्षण को निर्यात-योग्य घोषित करने हुए प्रमाण-पत्र दे देगा।

(ख) व्यापारी निर्यातकर्ता का दशा में, परेक्षण से संबंधित कागजात की जाँच यह सुनिश्चित करने के लिए की जाएगी कि परेक्षणों की सामग्री उस युनिट में बनी है जिसमें उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण अभ्यास-पर्याप्त है तथा अभिकरण परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए

निर्देशों के अनुसार परेक्षण का निरीक्षण करेगा तथा परेक्षणों का निर्यात योग्य घोषित करते हुए तीन दिन के भीतर प्रमाण-पत्र दे देगा।

(6) अभिकरण निर्यात किए जाने वाले परेक्षण की मौका जाँच का भी प्रबंध करेगा और एकक द्वारा उत्पादन के दौरान अपनाए गए क्वालिटी नियंत्रण अभ्यासों का पर्याप्तता को रखने की जाँच करने के लिए निमित्त अन्तरालों पर एकक पर भी जाएगा। यदि एकक को यह पाया जाता है कि उसके पास नियम 3 के अनुसार अपेक्षित नियंत्रण नहीं है या परेक्षण इस प्रयोजन के लिए मान्य विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं है तो अभिकरण परिषद् को सूचना के अधीन ऐसा प्रमाण-पत्र देने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना उसके लिए कारणों सहित निर्यातकर्ता को तीन दिन के भीतर देगा।

(7) यदि विनिर्माण एकक में यह पाया जाता है कि उसमें परिषद् के अधिकारियों की सिफारिश पर विनिर्माण के किसी भी स्तर पर अपेक्षित क्वालिटी नियंत्रण परिमाणों को नहीं अपनाया है तो यह घोषित कर दिया जाएगा कि एकक के पास उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण अभ्यासों की पर्याप्तता नहीं है। ऐसी दशाओं में एकक उसके द्वारा अपनाए गए उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण अभ्यासों की पर्याप्तता के अनुमोदन के लिए फिर से आवेदन करेगा।

5. निरीक्षण का स्थान इन नियमों के अधीन प्रत्येक निरीक्षण विनिर्माता के परिसर पर किया जाएगा या उस स्थान पर जहाँ निरीक्षण के लिए माल प्रस्तुत किया गया है।

6. निरीक्षण शुल्क:—इन नियमों के अन्तर्गत प्रत्येक परेक्षण के लिए पाँच पयन्त निशुल्क मूल्य के प्रत्येक एक सौ रुपये की दर से निरीक्षण फीस निर्यातकर्ता द्वारा अभिकरण को दी जाएगी।

7. अपील:—(1) नियम 4 के उप-नियम (6) के अन्तर्गत प्रमाण-पत्र देने के इंकार से व्यथित व्यक्ति कोई व्यक्ति उसके द्वारा ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के बस दिनों के भीतर, इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त न्यूनतम तीन और अधिकतम सात व्यक्तियों के विशेषज्ञों के पैनल को अपील कर सकेगा।

(2) पैनल के विशेषज्ञों की कुल-सह्यता का कम से कम दो-तिहाई गैर-सरकारी सदस्यों का होगा।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन की होगी।

(4) अपील, उसके प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर निपटा दी जाएगी।

अनुसूची

(नियम 3 देखिए)

रंगलेप तथा सम्बद्ध वस्तुएं

- क (1) सभी प्रकार के बने बनावे रंगलेप तथा इनेमेल, प्राइमर, फिलर, अंडर कोटिंग तथा सम्पूति सहित;
(2) सभी प्रकार की वारनिशें (प्राकृतिक लाख या बनावटी लाख या दोनों में बनाई गई उपमारोधी वारनिशें सहित)।
(3) सभी प्रकार के प्लास्टिक के इमलेशन रंगलेप;
(4) नाइट्रोसेल्यूलोज द्वि मादी या रंग मिक्सी हुई, तथा
(5) पेस्ट रंगलेप तथा पेस्ट डिस्पेयर।
के लिए नियंत्रण के स्तर।

क्रम सं०	अपेक्षा	संदर्भ	नमूनों की संख्या	आवृत्ति	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6
1. गाढ़ापन		इस प्रयोजन के लिए मान्य विनिर्देश	एक	प्रति बैच	जहाँ लागू हो
2. सुखाने का समय		"	"	"	"

1	2	3	4	5
3. फिनिश	इस प्रयोजन के लिए मान्य मानक विनिर्देश	एक	प्रति बैच	जहाँ लागू हो
4. प्रति लिटर/गैलन भार	"	"	"	"
5. रंग	"	"	"	"
6. खरोश कठोरता	"	"	"	"
7. लचीलापन तथा आसजन	"	"	"	"
8. अम्ल मूल्य/अम्लीय	"	"	"	"
9. क्षारीयता	"	"	"	"
10. विद्युत् घनत्व	"	"	"	"
11. द्रवणशीलता की दशा के अधीन संश्लेषण से सुरक्षा	"	"	"	"
12. विश्रालन दर परख	"	"	"	"
13. बिष प्राप्य परख	"	"	"	"
14. बाष्पशील पदार्थ	"	"	"	"
15. अवस्था	"	"	"	"
16. तेल का प्रभाव	"	"	"	"
17. फ्लैण प्वाइंट	"	"	"	"
18. आच्छादी क्षमता	"	"	"	"
19. अन्य परख	"	"	"	"

ख. (1) मैके डिस्टेपर तथा रंग तथा

(2) सीमेंट रंगलेप

के लिए नियंत्रण के स्तर ;

1	2	3	4	5
1. मुछाने का समय (कठोरता) तथा पुन. कोटिंग की विशेषताएं	प्रयोजन के लिए मान्य मानक विनिर्देश	एक	प्रति बैच	जहाँ लागू हो
2. फिनिश	"	"	"	"
3. रंग	"	"	"	"
4. लाइट का परकापन	"	"	"	"
5. जाली पर अवशेष	"	"	"	"
6. सूखे रगड़ने का प्रतिरोध	"	"	"	"
7. जल की निवारण क्षमता	"	"	"	"
8. मिश्रित रंगलेप के बर्तन की जिहरी	"	"	"	"
9. विशेषताओं सहित	"	"	"	"
10. फैलने की क्षमता	"	"	"	"
11. फैलने का समय	"	"	"	"
12. अपारदर्शिता	"	"	"	"

सीमेंट रंगलेप के मामले में अनुपात भा०मा० 5410 के अनुसार द्वारा तथा वह काबेनिक वाईडर से मुक्त होगा ।

ग. रंगलेप के लिए धुलाने वाले पदार्थों तथा ब्रावको के लिए नियंत्रण के स्तर ;

1	2	3	4	5
1 रंग	प्रयोजन के लिए मान्य मानक विनिर्देश	एक	प्रति बैच	जहाँ लागू हो
2. अपेक्षित घनत्व	"	"	"	"
3. आस्वन क्षेत्र	"	"	"	"
4. बाष्पीकरण पर अवशेष	"	"	"	"
5. कोरी बूटानोल वेल्यू	"	"	"	"

1	2	3	4	5
6. हाइड्रोकार्बन धुलाने वाले पदार्थों के लिए एनिलीन प्वाइंट तथा मिथिन एनिलीन प्वाइंट	प्रयोजन के लिए मान्य मानक बिनियोग	एक	प्रति बैच	जहां लागू हो
7. गंधारीय सल्फर के लिए परख	"	"	"	"
8. क्लोरीन युक्त हाइड्रोकार्बन धुलाने वाले पदार्थों तथा बैक्टीरिया से मुक्ति के लिए परख	"	"	"	"
9. अम्ल धुलाई परख	"	"	"	"
10. हाईड्रोजन सल्फाइड तथा गंधक युक्त मसालों के लिए परख	"	"	"	"
11. सीसे से मुक्ति	"	"	"	"
12. फ्लेम प्वाइंट	"	"	"	"
13. बिक्रेता तथा जला के मध्य तय हुए के अनुसार बिशिष्ट परख यदि कोई हो।	"	"	"	"

घ. कृत्रिम बेरोजा के लिए नियंत्रण के स्तर :

1	2	3	4	5
1. श्यानता	"	"	"	"
2. घनत्व	"	"	"	"
3. एम० प्वाइंट	"	"	"	"
4. शुद्धता	"	"	"	"

ङ. रंगलेप के लिए तैयार किए हुए तेल या रंगलेप के लिए सुझाने या घाघे सुझाने वाले तेल :

1	2	3	4	5
1. रंग	"	"	"	"
2. बिशिष्ट घनत्व (या सघनता)	"	"	"	"
3. घनत्व मात्रा	"	"	"	"
4. अपवर्तनांक	"	"	"	"
5. पिघलना (या मान्द्रीकरण) बिन्दु ग	"	"	"	"
6. आयोडीन से बदलना	"	"	"	"
7. साबुन से बदलना	"	"	"	"

च. बिटुमीन कोटिंग के लिए नियंत्रण के स्तर :

1	2	3	4	5
1. बिशिष्ट घनत्व	"	"	"	"
2. मुद्रुकरण बिंदु	"	"	"	"
3. पिघलने परख	"	"	"	"
4. शल्कन परख	"	"	"	"
5. आधात मजबूती	"	"	"	"
6. मुकाब परख	"	"	"	"
7. परख के अंग	"	"	"	"

ORDER

S.O. 2193.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do for the development of the export trade of India that paints and allied products should be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said-rule, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2661, dated the 5th August, 1967, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of all persons likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward and objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this order in the Official Gazette to the Export Inspection Council, World Trade Centre, 14/1B, Ezra Street, (7th floor), Calcutta-1.

PROPOSALS

(1) To notify that paints and allied products shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) To specify the type of quality control and inspection in accordance with the Export of Paints and Allied Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1977 as set out in the Annexure to this order as the type of quality control and inspection which shall be applied to such paints and products prior to their export;

(3) To recognise:—

- (a) the specifications of the export contract as agreed upon between the buyer and the seller, and
- (b) in the absence of any specifications as mentioned in sub-item (a), the relevant specification used by the manufacturer or seller as having been contracted for by the buyer.

(4) To prohibit the export, in the course of international trade of such paints and allied products unless the same are accompanied by a certificate issued by any of the agencies established under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (2 of 1963), to the effect that such paints and allied products are export-worthy.

2. Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air of samples of paints and allied products to prospective buyers.

3. In this order 'Paints and Allied Products' shall mean,—

- (i) ready-mixed paints and enamels of all types, including primers, fillers, under-coating and finishing;
- (ii) varnishes of all types (prepared from natural resins or synthetic resins or both) including insulating varnishes;
- (iii) plastic emulsion paints of all types;
- (iv) nitrocellulose lacquers, clear or pigmented including fillers, primers or surfacers;
- (v) paste paints and paste distempers;
- (vi) dry distempers and colours;
- (vii) cement paint;
- (viii) solvents and thinners for paints
- (ix) synthetic resins;
- (x) processed oils for paints or drying or semi-drying oils for paints;
- (xi) bituminous coatings.

ANNEXURE

[Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963, (22 of 1963)]

In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (2 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Paints and Allied Products (Quality Control and Inspection) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on.....

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (b) "agency" means any of the agencies established at Cochin, Madras, Calcutta, Bombay and Delhi under section 7 of the Act;
- (c) "paints and allied products" means,—
 - (i) ready-mixed paints and enamels of all types including primers, fillers, under coating and finishing;
 - (ii) varnishes of all types (prepared from natural resins or synthetic resins or both), including insulating varnishes).
 - (iii) plastic emulsion paints of all types;
 - (iv) nitrocellulose lacquers clear or pigmented including fillers, primers or surfacers;
 - (v) paste paints and paste distempers;
 - (vi) dry distempers and colours;
 - (vii) cement paints;
 - (viii) solvents and thinners for paints;
 - (ix) synthetic resins;
 - (x) processed oils for paints or drying or semi-drying oils for paints;
 - (xi) bituminous coatings.
- (d) "Schedule" means the schedule to these rules.

3. Quality control and inspection.—(1) The quality of the paints and allied products shall be ensured by means of exercising the following controls at different stages of their manufacture together with the levels of control as specified in the Schedule namely:—

- (i) purchase raw material control—
 - (a) purchase specification shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of raw materials to be used.
 - (b) the accepted consignments shall be either accompanied by supplier's test or inspection certificate corroborating the requirements of the purchase specifications in which case occasional checks at least once in ten consignments shall be conducted by the purchaser for particular a supplier to verify the correctness of the aforesaid test or inspection certificates or the purchased materials shall be regularly tested and inspected either in the laboratory within the factory or in an outside laboratory or test house.
- (c) The samples for inspection or tests to be carried out shall be based on a recorded investigation.
- (d) After the inspection for test is carried out, systematic methods shall be adopted in segregating the accepted and rejected materials for disposal of rejected materials.

(c) Adequate records in respect of the aforesaid controls shall be regularly and systematically maintained.

(f) Facilities for testing of leak-proofness and seam strength of the containers should be available. If this is not possible, a test certificate should be obtained for each consignment of the containers to that effect from the suppliers.

(ii) Process Control.—(a) Details of process specifications for different processes of manufacture of raw materials and intermediate products, if any, shall be laid down by the manufacturers along with the properties of raw materials and intermediate products. (b) Equipment, instrumentation and facilities shall be adequate to control the process as laid down in the process specifications.

(c) Adequate records shall be maintained to enable verification of the controls exercised during the process of manufacture.

(iii) Products Control.—(a) The manufacturer shall either have his own adequate testing facilities or shall have access to such testing facilities to test the product as per the specifications recognised under section 6 of the Act.

(b) A representative sample shall be drawn from each batch. The bulk sample shall be divided into two equal test samples. One such test sample shall be tested by the manufacturer for the requirements of the products and the other preserved as referee sample along with its particulars for at least six months.

(c) Adequate records in respect of sampling and test carried out shall be regularly and systematically maintained.

(iv) Packing Control.—A packing specification shall be laid down with a view to satisfying the controls mentioned in the Schedule for packing the aforesaid product and shall be rigidly implemented.

(2) The inspection of paints and allied products intended for export shall be carried out with a view to ensure that the controls mentioned in sub-rule (1) have been exercised at the relevant levels satisfactorily and the paints and allied products conform to the standard specifications applicable to them.

4. Procedure of Inspection.—(1) The exporter or manufacturer shall intimate in writing his intention to export the paints and allied products to the nearest office of the Council. Officers of the Council shall make a preliminary visit to the manufacturing unit to adjudge the adequacy of the in-process quality control measures being adopted by the unit in the light of the Schedule. On the recommendation of the officer(s) of the Council, a visit of the panel of experts, constituted specially by the Council for this purpose, shall be arranged to the unit and on their recommendation the unit shall be declared as having adequate in-process quality control drills.

The manufacturing unit shall provide all facilities to the officer of the council and the members of the Panel of Experts for the purpose.

(2) The exporter intending to export a consignment of paints and allied products shall give intimation in writing to the agency and along with such intimation a declaration that the consignment of paints and allied products has been or is being manufactured by exercising quality control measures as per controls referred to in rule 3 and that the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for this purpose.

(3) The exporter shall furnish to the agency the identification marks applied on the consignment alongwith the batch numbers of the products to be exported.

(4) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall be given not less than three days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises.

(5) (a) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (2), the agency on satisfying itself that during the process of manufacture, the manufacturer had exercised adequate quality control drills to manufacture the paints and allied products according to the controls mentioned in rule 3, shall carry out inspection of the consignments in accordance with the instructions issued by the Council from time to time and shall within three days issue certificates declaring the consignment as export worthy.

(b) In case of the merchant exporters, the related documents of the consignment shall be verified to ensure that the materials of the consignments has been manufactured by the unit having adequate in-process quality control drills and the agency shall inspect the consignment in accordance with the instructions issued by the Council from time to time and shall issue the certificate within 3 days declaring the consignments as export worthy.

(6) The agency shall also arrange to make spot checks of the consignments meant for export and also visit the units at regular interval to verify the maintenance of the adequacy of in-process quality control drills adopted by the unit. In case, the unit is found not maintaining the required controls as per rule 3 or the consignments do not conform to the requirements of the specifications recognised for this purpose, the agency shall refuse to issue such certificate under intimation to the Council, and within three days communicate such refusal to the exporter alongwith the reasons therefor.

(7) If the manufacturing unit is found not adopting the required quality control measures at any stage of manufacture on recommendation of the officers of the Council the unit shall be declared as not having adequate in process quality control drills. In such cases, the unit shall apply afresh for the approval of the adequacy of in-process quality control drills adopted by it.

5. Place of inspection.—Every inspection under these rules shall be carried out at the premises of the manufacturer or at the place where the goods are offered for inspection.

6. Inspection fee.—A fee at the rate of one rupee for every one hundred rupees of F.O.B. value of each consignment shall be paid by the exporter to the agency as inspection fee under these rules.

7. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (6) of rule 4, may within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons, appointed for the purpose by the Central Government.

(2) Atleast two-third of the total membership of the panel of experts shall consist of non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within 15 days of its receipt.

THE SCHEDULE

(Sec. rule 3)

Paints and Allied Products

1. Levels of control for item specified at serial Number (i) to (v) in clause (c) of rule 2.

A. Levels of control for :

- (i) ready mixed paints and enamels of all types including primers, fillers, under-coating and finishing ;
- (ii) Varnishes of all types (prepared from natural resins or synthetic resins of both, including insulating varnishes).
- (iii) plastic emulsion paints of all types ;
- (iv) nitrocellulose lacquers, clear or pigmented ; and
- (v) Paste paints and paste distempers.

Sl. No.	Requirement	Reference	No. of samples	Frequency	Remarks
1	2	3	4	5	6
1. Consistency		Standard specifications recognised for the purpose	One	Per batch	Wherever applicable
2. Drying time		"	"	"	"
3. Finish.		"	"	"	"
4. Weight per litre/gallon		"	"	"	"
5. Colour		"	"	"	"
6. Scratch hardness		"	"	"	"
7. Flexibility and adhesion		"	"	"	"
8. Acid value/Acidity		"	"	"	"
9. Alkalinity		"	"	"	"
10. Electric strength		"	"	"	"
11. Protection against corrosion under conditions of condensation		"	"	"	"
12. Leaching rate test		"	"	"	"
13. Toxicant availability test		"	"	"	"
14. Volatile matter		"	"	"	"
15. Ageing		"	"	"	"
16. Effect of oil		"	"	"	"
17. Flash Point		"	"	"	"
18. Covering capacity		"	"	"	"
19. Other tests		"	"	"	"

B. Levels of control for (i) dry distampers and colours and (ii) cement paint.

1	2	3	4	5	6
1: Drying time (hardening) and recoating properties		Standard specifications recognised for the purpose	One	Per Batch	Whenever applicable
2. Finish.		"	"	"	"
3. Colour		"	"	"	"
4. Fastness to light		"	"	"	"
5. Residue on sieve		"	"	"	"
6. Resistance to dry rubbing		"	"	"	"
7. Water Repellancy		"	"	"	"
8. Pot life of mixed paint		"	"	"	"
9. Keeping properties		"	"	"	"
10. Spreading capacity		"	"	"	"
11. Spreading time		"	"	"	"
12. Opacity		"	"	"	"

In case Cement paint the composition should be as per IS 5410 and it should be free from organic binders.

C. Levels of control for solvents and thinners for paints.

1	2	3	4	5	6
1. Colour		Standard specifications recognised for the purpose	One	Per batch	Whenever applicable.
2. Relative Deuturity		"	"	"	"
3. Distillation Range		"	"	"	"
4. Residue on evaporation		"	"	"	"
5. Kauri Butanol value		"	"	"	"
6. Aniline point and mixed aniline point for hydrocarbon solvents		"	"	"	"
7. Test for corrosive sulphur		"	"	"	"
8. Test for freedom from chlorinated hydro-carbon solvents and benzene		"	"	"	"
9. Acid wash test		"	"	"	"
10. Test for hydrogen sulphide and mercaptans		"	"	"	"
11. Freedom from lead		"	"	"	"
12. Flash point		"	"	"	"
13. Specific tests, if any, as agreed between buyer and seller		"	"	"	"

D. Levels of control for synthetic resins.

1. Viscosity		"	"	"	"
2. Acid Value		"	"	"	"
3. M.Pt.		"	"	"	"
4. Clarity		"	"	"	"

E. Levels of control for processed oils for paints or drying or semi-drying oil for Paints.

1. Colour		"	"	"	"
2. Sp. gr. (or Density)		"	"	"	"
3. Acid Value		"	"	"	"
4. Refractive Index		"	"	"	"
5. Melting (or solidification) point C		"	"	"	"
6. Iodine Value		"	"	"	"
7. Saponification value		"	"	"	"

F. Levels of control for bituminous coatings.

1. Specific gravity		"	"	"	"
2. Softening point		"	"	"	"
3. Penetration test		"	"	"	"
4. Peel test		"	"	"	"
5. Impact strength		"	"	"	"
6. Sag test		"	"	"	"
7. Ash Content		"	"	"	"

[No. 6(16)/76/EI & EP]

नई दिल्ली, 27 जून, 1977

New Delhi, the 27th June, 1977

क्र. आ. 2194.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्यात निरीक्षण परिषद् में वरिष्ठ अपर निदेशक, श्री डी. सी. मजुमदार को 9 जून, 1977 से निरीक्षण तथा क्वालिटी नियंत्रण के निदेशक के रूप में एतद् द्वारा नियुक्त करती है।

S.O. 2194.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby appoints Shri D. C. Majumdar, Senior Additional Director, Export Inspection Council, as the Director of Inspection and Quality Control, with effect from the 9th June, 1977.

[फा. सं. 3(88)/75-नि.नि. तथा नि.उ.]

[F. No. 3(88)/75-E.I. & E.P.]

का आ. 2195.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 3 के साथ पठित निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, (1963 का 22) की धारा 3 द्वारा प्रकृत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, अधिसूचना संख्या का. आ. 206, तारीख 1 जनवरी, 1977 के आंशिक संशोधन में डा. पी. सी. एलैक्सजॉण्डर वाणिज्य सचिव, वाणिज्य मंत्रालय को 1 जून 1977 से श्री एस. जी. बोस मलिक के स्थान पर निर्यात निरीक्षण परिषद् के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 3(94)/75-नि.न. तथा रि.उ.]

S.O. 2195.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) read with Rule 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1954, the Central Government in partial modification of Notification S.O. No. 206 dated 1st January, 1977 hereby appoints Dr. P. C. Alexander, Commerce Secretary, Ministry of Commerce, as Chairman of the Export Inspection Council with effect from 1st June, 1977 vice Shri S. G. Bose Mullick.

[F. No. 3(94)/75-EI&EP]

आदेश

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1977

का० आ० 2196.—भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए अल्ट्रा-मैरीन नील को निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कतिपय प्रस्ताव निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) द्वारा यथा-अपेक्षित, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 3539 तारीख 9 अक्टूबर, 1976 के अधीन भारत के राजपत्र भाग-2 खंड-3 उप-खंड (2), तारीख 9 अक्टूबर, 1976 में प्रकाशित किए गए थे :

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 13 अक्टूबर, 1976 को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और उन सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, आक्षेप तथा सुझाव 9 नवम्बर, 1976 तक मांगे गए थे :

और उक्त प्रारूप पर जनता से प्राप्त आक्षेपों तथा सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है।

2. अतः अब निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, निर्यात निरीक्षण परिषद् में परामर्श करने के पश्चात् इस राय की होने पर कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है,—

(1) यह सूचित करती है कि इससे उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट किस्मों की अल्ट्रा-मैरीन नील का निर्यात से पूर्व निरीक्षण किया जाएगा ;

(2) (क) इस आदेश के उपावद्ध में दिए गए अल्ट्रा-मैरीन नील के लिए विनिर्देशों को, अल्ट्रा-मैरीन नील के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देती है ; या

(ख) अल्ट्रा-मैरीन नील के विनिर्देशों को, जो संबंधित निर्यात संविदा में निर्यातकर्ता और क्रेता द्वारा अनुबन्धित किए जाएं, मान्यता देती है परन्तु यह तब जब कि ऐसे विनिर्देश उपावद्ध में दिए गए विनिर्देशों से निम्न स्तर के न हों ;

(3) अल्ट्रा-मैरीन नील के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1977 के अनुसार निरीक्षण के प्रकार की निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप से विनिर्दिष्ट

करती है जो ऐसे अल्ट्रा-मैरीन नील को, उनके निर्यात से पूर्व, लागू किया जाएगा ;

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान उपरोक्त किसी भी अल्ट्रा-मैरीन नील के निर्यात को जब तक प्रतिषिद्ध करती है, जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित किसी अभि-करण द्वारा जारी किया गया इस आदेश का प्रमाण-पत्र न हो कि अल्ट्रा-मैरीन निर्यात-योग्य है।

3. इस आदेश की कोई भी बात भाषी क्रेताओं को, भूमि-समुद्र या वायु मार्ग द्वारा अल्ट्रा-मैरीन नील के उन तमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी जिनका भार 500 ग्राम से अधिक नहीं है।

4. इस आदेश में 'अल्ट्रा-मैरीन नील' से निम्नलिखित में कोई एक या सभी प्रकार के अल्ट्रा-मैरीन नील अभिप्रेत हैं, अर्थात् :—

(क) अल्ट्रा-मैरीन नील (तकनीकी श्रेणी)

(ख) अल्ट्रा-मैरीन नील (लान्डी श्रेणी)

उपावद्ध

(क) अल्ट्रा-मैरीन नील तकनीकी श्रेणी के लिए विनिर्देश

1. अल्ट्रा-मैरीन नील (तकनीकी श्रेणी) सूखे चूर्ण के रूप में या ऐसी दशा में होगा कि वह पोमने की क्रिया के बिना ही पेलेट छूरी से दबाने से चूर्ण बन जाए।

2. सामग्री वृक्षमान अणुदृढताओं, कार्बनिक व्यंजकों या किसी प्रकार की अधोस्तरी सामग्री से रहित होगी।

3. सामग्री की विशेषता यह होगी कि वह एक समान होगी तथा पूर्ण रूप से सोडियम, परलूनिनियम, निकोतन, सल्फर तथा अक्सीजन के सम्मिश्रण से बनी होगी।

4. अल्ट्रा-मैरीन नील (तकनीकी श्रेणी) का रंग, प्रकाश स्थायित्व, अभिञ्जन क्षमता, तथा टाने निर्यातकर्ता एवं विदेशी क्रेता के मध्य तय हुए विनिर्देशों से निम्न स्तर के नहीं होंगे।

5. पहचान परख—लगभग 0.1 जी सामग्री को 1:1 (बी/बी) हाइड्रोक्लोरिक अम्ल के साथ एक परख नली में हल्का गर्म करें। सामग्री को अल्ट्रा-मैरीन नील (तकनीकी श्रेणी) के रूप में पहचाना जाएगा, यदि हाइड्रोजन सल्फाइड गैस के निकलने के साथ रंग पूर्णतः नष्ट हो जाए, जिसे तब पहचाना जाएगा जब भिंगोए हुए लेड एमीटेड कागज की पट्टी को परख नली के ऊपर रखने से वह भूरे रंग की हो जाए। यदि इस उपचार के पश्चात् कोई रंग शेष रह जाता है, तो उसका तात्पर्य यह है कि कोई बाह्य वर्णक विद्यमान है।

6. सामग्री नीचे दी गई सारणी की अपेक्षाओं के भी अनुरूप होगी :

सारणी

क्रम संख्या	विशेषताएं	तकनीकी श्रेणी
1	3	2
(1) वाष्पशील पदार्थ, भार का अधिकतम प्रतिशत	.	1.0
(2) छानने पर अवशेष (63 माइक्रोन भा० मा० जायी) भार का अधिकतम प्रतिशत	.	0.5
(3) तेल अवशोषण	.	40 से 50
(किन्तु यह इस विनिर्देश के लिए अनुमोदित तमूने के 5 प्रतिशत के भीतर होगा)		

1	2	3
(4) पानी में घुलनशील पदार्थ, भार का अधिकतम प्रतिशत		2.0
(5) क्षारता (यथा Na_2CO_3), भार का अधिकतम प्रतिशत		0.15
(6) घुलनशील कार्बनिक रंजक पदार्थ		कुछ नहीं

(ख) अल्ट्रासायनीन नील लान्डी श्रेणी के लिए विनिर्देश

1. अल्ट्रासायनीन नील (लान्डी श्रेणी) सूखे चूर्ण के रूप में या ऐसी वसा में होगा कि वह पीसने की क्रिया के बिना ही पेट्रेट कुरी से दवाने से चूर्ण बन जाए।

2. सामग्री की विशेषता यह होगी कि वह एक समान होगी तथा उसमें या तो केवल अल्ट्रासायनीन (सोडियम, एल्युमिनियम, सिलिकॉन, सल्फर तथा आक्सीजन का सम्मिश्रण) होगा या वह विदेशी श्रेता द्वारा प्रेषित क्वालिटी के अनुकूल बनाने के लिए टिलर युक्त होगी।

3. सामग्री की रंग-भ्रामा अनुमोदित नमूने के निकटतम होगी।

4. सामग्री की पानी में घुलनशीलता अनुमोदित नमूने के निकटतम होगी।

5. सामग्री के घोल में धुने काड़े पर आई सफेदी अनुमोदित नमूने में उसी विधि से उपचारित काड़े की सफेदी के निकटस्थ मेल की होगी।

[सं० 6(40)/72-नि०नि० तथा नि० उ०]

ORDER

New Delhi, the 2nd July, 1977

S.O. 2196.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Ultramarine Blue to Quality Control and Inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (ii) dated the 9th October, 1976, under the order of the Govt. of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 3539, dated the 9th October, 1976;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 13th October, 1976

And whereas the objections and suggestions were invited till the 9th November, 1976 from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government.

2. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government after consulting the Export Inspection Council, being of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby:—

(1) notifies that the Ultramarine blue of the types specified in the Schedule annexed hereto shall be subject to inspection prior to export;

(2) Recognises—

(a) the specifications for Ultramarine blue as set out in the annexure to this order as the standard specifications for Ultramarine blue; or

(b) the specifications for ultramarine blue as may be stipulated by the buyer and the exporter in the export contract concerned—provided that such specification do not fall below the specifications set out in the Annexure;

(3) Specifies the type of inspection in accordance with the Export of Ultramarine blue (Inspection) Rules, 1977, as the type of inspection which shall be applied to such ultramarine blue prior to their export;

(4) prohibits the export in the course of international trade, of any of the aforesaid ultramarine blue, unless the same are accompanied by a certificate issued by an agency established by the Central Government under Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the Ultramarine Blue are export-worthy.

3. Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air of samples of Ultramarine blue not exceeding 500 gms. in weight to the prospective buyers.

4. In this order "Ultramarine blue" shall mean the Ultramarine blue of any or all of the following types, namely:—

(a) Ultramarine blue (Technical Grade)

(b) Ultramarine blue (Laundry Grade)

THE ANNEXURE

(a) Specifications for Ultramarine Blue Technical Grade

1. The Ultramarine blue (Technical Grade), shall be in the form of any powder or in such a condition that it may be reduced to the powder form by crushing without grinding action under a palette knife.

2. The material shall be free from any visible impurities, organic dyestuffs or substrate of any kind.

3. The material shall be of uniform character and shall consist solely of compounds of sodium, aluminium, silicon, sulphur and oxygen.

4. The colour, light fastness, staining power and tone of the Ultramarine blue (Technical Grade) shall not be inferior to the specifications as agreed to between the exporter and the foreign buyer.

5. Identification Test.—Warm gently approximately O.I.G. of the material with I : 1 (v/v) hydrochloric acid in a test-tube. The material shall be identified as ultramarine blue (Technical grade) if the colour is destroyed completely with the evolution of hydrogen sulphide gas, detected by its characteristic brown colouration appearing on a strip of moistened lead acetate paper held above the test-tube. Any colour remains after this treatment, it may be interpreted that a foreign pigment is present.

6. The material shall also comply with the requirements given in the Table below :

TABLE

Sl. No.	Characteristics	Technical Grade
(i)	Volatile matter, per cent by weight Max	1.0
(ii)	Residue on sieve (63-micron, I.S. Sieve), per cent by weight, Max.	0.5
(iii)	oil absorption	40 to 50 (It shall be however, within 5 percent of the sample approved against this specification)
(iv)	Matter soluble in water, per cent by weight, Max.	2.0
(v)	Alkalinity (as Na_2CO_3) per cent by weight, Max.	0.15
(vi)	Soluble organic colouring matter	absent

(b) Specifications for Ultramarine Blue Laundry Grade

1. The Ultramarine blue (Laundry grade) shall be in the form of dry powder or in such a condition that it may be reduced to the powder form by crushing without grinding action under a palette knife.

2. The material shall be of uniform character and shall consist of ultramarine (compound of sodium, aluminium, silicon, sulphur and oxygen) either alone or mixed with a tiler required to match the quality as required by the foreign buyer.

3. The shade of colour of the material shall closely match to those of the approved sample.

4. The dispersibility of the material in water shall closely match to that of the approved sample.

5. The whiteness imparted to washed cloth by rinsing in a suspension of the material shall be a close-match to that of the cloth treated in an identical manner with the approved sample.

[No. 5(40)/72-EI&EP]

का० प्रा० 2197.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारूप—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अल्ट्रामैरीन नील नियम (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) 'अधिनियम' से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ;

(ख) 'अभिकरण' से अधिनियम की धारा 7 के अधीन कोचीन, मद्रास, कलकत्ता, मुम्बई तथा दिल्ली में स्थापित अभिकरणों में से कोई एक अभिप्रेत है ;

(ग) 'अल्ट्रामैरीन नील' से निम्नलिखित प्रकारों में से कोई एक या सभी अभिप्रेत है, यथा :—

- (1) अल्ट्रामैरीन नील (तकनीकी श्रेणी)
- (2) अल्ट्रामैरीन नील (गान्धी श्रेणी)

(घ) 'अनुसूची' से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है।

3. क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण—अल्ट्रामैरीन नील की क्वालिटी नियंत्रण उत्पाद विनिर्माण परिरक्षण तथा पैकिंग के उन विभिन्न स्तरों पर विनिर्माता द्वारा निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करके सुनिश्चित किया जाएगा जो नीचे दिए गए हैं।

(1) त्रय तथा कच्चे माल का नियंत्रण।

(क) विनिर्माता द्वारा ऐसे त्रय विनिर्देश निश्चित किए जाएंगे जिनमें प्रयोग में लाए जाने वाले कच्चे माल की विशेषताओं का उल्लेख होगा।

(ख) स्वीकृत परेषण के साथ, त्रय विनिर्देशों की अपेक्षाओं की परिपुष्टि करते हुए प्रभावकर्ता का परख तथा निरीक्षण प्रमाण पत्र लगाया जाएगा और ऐसी दशा में उपर्युक्त परख या निरीक्षण प्रमाणपत्र को शुद्धता को सत्यापित करने के लिए क्रेता द्वारा किसी विशेष प्रभाव कर्ता के लिए दस परेषणों में कम से कम एक बार यथा-कदा जांच की जाएगी या खरीदी गई सामग्री की या तो कारखाने की प्रयोगशाला में या किसी बाह्य प्रयोगशाला में या परख सदन में नियमित जांच एवं निरीक्षण किया जाएगा।

(ग) निरीक्षण या परख के लिये नमूने का लिया जाना अभिलिखित अन्वेषणों पर आधारित होगा।

(घ) निरीक्षण या परख किये जाने के पश्चात्, स्वीकृत या अस्वीकृत माल को पैक करने में तथा अस्वीकृत माल के व्ययन के लिये व्यवस्थित पद्धति नियमित एवं व्यवस्थित रूप से रखे जायेंगे।

(iii) उत्पाद नियंत्रण

(क) यह जांच करने के लिये कि उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यताप्राप्त विनिर्देशों के अनुसार है या नहीं परख के लिये विनिर्माता की स्वयं अपनी परख सुविधाएँ होंगी या किसी अन्य स्थान पर विद्यमान ऐसी परख सुविधाओं तक उसकी पहुँच होगी।

(ख) परख और निरीक्षण के लिये नमूने का लिया जाना किसी अभिलिखित अन्वेषण पर आधारित होगा।

(ग) नमूने लेने और किये गये परख के बारे में पर्याप्त अभिलेख नियमित एवं व्यवस्थित रूप में रखे जायेंगे।

(घ) उत्पादों की जांच करने के लिये नियंत्रण के न्यूनतम स्तर अनुसूची-1 तथा अनुसूची 2 में यथा विनिर्दिष्ट रूप में होंगे।

(iv) परिरक्षण नियंत्रण

भंडारण और अभिवहन दोनों ही के दौरान उत्पाद भलीभाँति परिरक्षित किये जायेंगे।

(v) पैकिंग नियंत्रण—

(क) उत्पाद की पैकिंग के लिये अनुसूची-1 तथा 2 में दिये गये नियंत्रणों का समाधान करने की दृष्टि से पैकिंग विनिर्देश दिये जायेंगे।

(ख) निर्यात के लिये आशयित अल्ट्रामैरीन नील का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के विचार से किया जायेगा कि इस नियम के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण का सुसंगत स्तरों पर संतोषप्रद रूप में प्रयोग किया गया है और अल्ट्रामैरीन नील प्रयोजन इस के लिये मान्यताप्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया—(1) अल्ट्रामैरीन नील के किसी परेषण का नियति करने का दृष्टिकोण नियति-कर्ता अपने ऐसा करने के आशय की लिखित सूचना अभिकरण को देगा और ऐसी सूचना के साथ इस आशय की घोषणा पत्र भी प्रस्तुत करेगा कि अल्ट्रामैरीन नील के परेषणों का विनिर्माण, नियम 3 में दिये गये क्वालिटी नियंत्रण उपायों को प्रयोग करके किया गया है या किया जा रहा है तथा परेषण इस प्रयोजन के लिये मान्यता प्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

(2) निर्यात-कर्ता परेषण पर लगाये गये पहचान चिह्न भी अभिकरण को प्रस्तुत करेगा।

(3) उप-नियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना तथा घोषणा विनिर्माताओं के यहाँ से परेषण के भेजे जाने से कम से कम सात दिन पहले अभिकरण के कार्यालय में पहुँच जाना चाहिये।

(4) उप नियम (1) के अधीन सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर, अभिकरण, अपना समाधान कर लेने पर कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान, नियम 3 में दिये गये क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग पर्याप्त रूप से किया गया है, निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा समय-समय पर जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार परेषण का निरीक्षण करेगा।

(5) निरीक्षण की समाप्ति के पश्चात् यदि अभिकरण का समाधान हो जाता है कि निर्यात किये जाने वाले अल्ट्रामैरीन नील का परेषण नियम 3 की अपेक्षाओं के अनुरूप है तो यह उप नियम (4) के अधीन सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर परेषण को निर्यात योग्य घोषित करने हुए निर्यात-कर्ता को प्रमाण पत्र जारी कर देगा।

परन्तु, जहां अभिकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं होता है, वहां वह उक्त मान दिनों की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाण पत्र जारी करने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना उसके कारणों सहित नियति-कर्ता को देगा।

5. निरीक्षण का स्थान—इन नियमों के अधीन प्रत्येक निरीक्षण या तो—

- (क) ऐसे उत्पादों के विनिर्माता के परिसर में किया जायेगा, या
- (ख) उस परिसर में किया जायेगा जहां कि नियति-कर्ता द्वारा माल प्रस्तुत किया जाता है, परन्तु यह तब जब कि वहां पर निरीक्षण करने की पर्याप्त सुविधाएँ विद्यमान हों।

6. निरीक्षण फीस—प्रत्येक परेक्षण के लिये पचास रुपये की न्यूनतम की सीमा में रहते हुए, ऐसे प्रत्येक परेक्षण के पोल पर्यन्त निशुल्क मूल्य के प्रत्येक एक सौ रुपये के लिये जालीस पैसे की दर से निरीक्षण फीस के रूप में नियति-कर्ता द्वारा अभिकरण को फीस दी जायेगी।

7. अपील—(1) नियम 4 के उपनियम (5) के अधीन अभिकरण द्वारा प्रमाण पत्र देने इंकार किये जाने से व्यक्ति कोई व्यक्ति, ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के वम दिन के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजनार्थ नियुक्त तीन से अन्यून तथा सात से अनधिक व्यक्तियों के विशेषज्ञों के पैनल को अपील कर सकेगा।

(2) विशेषज्ञ पैनल के कुल सदस्यों में से कम से कम दो तिहाई गैर-सरकारी सदस्य होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन की होगी।

(4) अपील का निपटारा उसके प्राप्त होने के पन्द्रह दिनों के भीतर किया जाएगा।

अनुसूची-1

[नियम 3 का खंड (iii) (ब) देखिये]

(1) अल्ट्रामैरीन नील (तकनीकी श्रेणी) के लिये नियंत्रण के स्तर

क्रम सं०	अपेक्षाएँ	निर्देश	आवृत्ति
1	2	3	4
1. रंग रंग	.	अनुमोदित नमूना	प्रति बैच एक
2. अभिरंजन क्षमता तथा टाने	.	यथोक्त	यथोक्त
3. वाष्पशील पदार्थ	.	अनुमोदित	प्रति बैच एक
4. जाली पर अवशेष	.	यथोक्त	यथोक्त
5. तेल अवशोषण	.	यथोक्त	यथोक्त
6. क्षारता	.	यथोक्त	प्रत्येक परेक्षण
7. पानी में घुलनशील पदार्थ के भार का अधिकतम प्रतिशत	.	यथोक्त	प्रति बैच एक

(2) पैकिंग के लिये नियंत्रण के स्तर

[नियम 3 का खंड V (क) देखिये]

2.1 अभिवहन के दौरान अल्ट्रामैरीन नील (तकनीकी श्रेणी) के प्रत्येक परेक्षण की रिसन सहायता और आर्द्रता से तथा हस्तन से पर्याप्त संरक्षण के लिये जांच की जायेगी।

2.2 प्रत्येक पैकेज या उस पर लगे लेबल पर निम्नलिखित सूचना दी जायेगी:—

- (क) सामग्री का नाम
- (ख) विनिर्माता का नाम और व्यवसाय चिह्न, यदि कोई हो।

(ग) विनिर्माण का मास तथा वर्ष।

(घ) सामग्री की मात्रा, और

(ङ) कोड में बैच संख्या या अन्य संकेत जिससे कि अभिलेख में से विनिर्माण का बैच ढूंढा जा सके।

अनुसूची-II

[नियम 3 का खंड (iii) (ब) देखिये]

(1) अल्ट्रामैरीन नील (लान्डी श्रेणी) के लिये नियंत्रण के स्तर

क्रम सं०	अपेक्षाएँ	निर्देश	आवृत्ति
1	2	3	4
1. रंग आभास	.	अनुमोदित नमूना	प्रति बैच एक
2. पानी में घुलनशील	.	"	"
3. उपचारित कपड़े की सफेदी	.	"	"

(2) पैकिंग के लिये नियंत्रण के स्तर।

[नियम 3 का खंड V (क) देखिए]

2.1 अभिवहन के दौरान अल्ट्रामैरीन नील (लान्डी श्रेणी) के प्रत्येक परेक्षण की रिसन सहायता, आर्द्रता से तथा हस्तन से पर्याप्त संरक्षण के लिये जांच की जायेगी।

2.2 प्रत्येक पैकेज या उस पर लगे लेबल पर निम्नलिखित सूचना दी जायेगी, अर्थात्:—

- (क) सामग्री का नाम,
- (ख) विनिर्माता का नाम और व्यवसाय चिह्न, यदि कोई हो,
- (ग) विनिर्माण का मास तथा वर्ष,
- (घ) सामग्री की मात्रा, और
- (ङ) कोड में बैच संख्या या अन्य संकेत जिससे कि अभिलेख में से विनिर्माण का बैच ढूंढा जाये।

[सं० 6(40)/72-नि० नि० तथा नि० उ०]
के० बी० बालमुब्रह्ममणियम, उप निदेशक

S.O. 2197.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Govt. hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Ultramarine Blue (Quality Control and Inspection) Rules, 1977;

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise required,—

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (b) "agency" means any one of the agencies established under section 7 of the Act at Cochin, Madras, Calcutta, Bombay and Delhi;
- (c) "Ultramarine blue" means any or all of the following types namely:—
 - (1) Ultramarine Blue (Technical Grade)
 - (2) Ultramarine Blue (Laundry Grade)
- (d) "Schedule" means the Schedule appended to these rules.

3. Quality Control and Inspection—The quality control of Ultramarine Blue shall be ensured by the manufacturer by effecting the following controls at different stages of manufacture, preservation and packing of the product, set out below;

(i) Purchase and raw material control

- (a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of raw materials to be used.
- (b) Either the accepted consignment shall be accompanied by a supplier's test and inspection certificate corroborating the requirements of the purchase specifications, in which case occasional checks shall be conducted at least once in 10 consignments by the purchaser for a particular supplier to verify the correctness of the aforesaid test or inspection certificates or the purchased material shall be regularly tested and inspected either in the laboratory within the factory or in an outside laboratory or test house.
- (c) The sampling for inspection or test to be carried out shall be based on the recorded investigations.
- (d) After the inspection or test is carried out, systematic methods shall be adopted in segregating the accepted and rejected materials and for disposal of the rejected materials.
- (e) Adequate records in respect of the aforesaid controls shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

(ii) Process Control

- (a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturer for different processes of manufacturer.
- (b) Equipment and instrumentation facilities shall be adequate to control the processes as laid down in the process specification.
- (c) Adequate records shall be maintained by the manufacturer to ensure the possibility of verifying the control exercised during the process of manufacture.

(iii) Product Control

- (a) The manufacturer shall have either his own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to check up whether the product conforms to specifications recognised under section 6 of the Act.
- (b) Sampling for test and inspection to be carried out shall be based on the recorded investigation.
- (c) Adequate records in respect of sampling and test carried out shall be regularly and systematically maintained.
- (d) The minimum levels of control to check the products shall be as specified in Schedule I and Schedule II.

(iv) Preservation Control

The product shall be well preserved both during the storage and the transit.

(v) Packing Control

- (a) Packing specifications shall be laid down with a view to satisfying controls mentioned in Schedule I and Schedule II for packing of the products.
- (b) The inspection of ultramarine blue intended for export shall be carried out with a view to ensuring that the quality control in accordance with this rule has been exercised at the relevant levels satisfactorily and the ultramarine blue conform to the specifications recognised for the purpose.

4. Procedure of inspection—(1) The exporter intending to export a consignment of ultramarine blue shall give intimation in writing of his intention to do so to the agency and submit along with such intimation a declaration that the consignments of ultramarine blue has been or is being manufac-

tured by exercising quality control measures laid down in rule 3 and that the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for the purpose.

(2) The exporter shall also furnish to the agency, the identification marks applied on the consignment.

(3) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall reach the office of the agency not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer.

(4) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (1) the agency, after satisfying itself that during the process of manufacture, adequate quality control as provided in rule 3, has been exercised, shall carry out the inspection of the consignment in accordance with the instructions issued by the Export Inspection Council from time to time.

(5) If after inspection the agency is satisfied that the consignment of ultramarine blue to be exported complies with the requirements of rule 3, it shall within seven days of the receipt of intimation and declaration under sub-rule (4) issue a certificate to the exporter declaring the consignment as exportworthy;

Provided that where the agency is not so satisfied it shall within the said period of a seven days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefor.

5. Place of Inspection—Every inspection under these rules shall be carried out either

- (a) at the premises of the manufacturer of such products, or
- (b) at the premises at which the goods are offered by the exporter provided adequate facilities for inspection exist therein.

6. Inspection fee—Subject to a minimum of rupees fifty for each consignment, a fee, at the rate of Forty paise for every hundred rupees of f.o.b. value of each such consignment shall be paid by the exporter to the agency as 'inspection fee'.

7. Appeal—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4, may within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

(2) The panel shall consist of atleast two-thirds of non-officials of the total membership of the panel of experts.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of the receipt.

SCHEDULE I

[See clause (iii) (d) of rule 3]

(1) Levels of controls for ultramarine Blue (Technical Grade)

Sl. No.	Requirement	Reference	Frequency
1	2	3	4
1. Colour		Approved sample	One per batch
2. Staining power and tone		Do.	Do.
3. Volatile matter		Do.	Do.
4. Residue on sieve		Do.	Do.
5. Oil absorption		Do.	Do.
6. Alkalinity		Do.	each consignment
7. Matter soluble in water percent by weight, Max.		Do.	one per batch

(2) Levels of control for packing.
[see clause V(a) of rule 3]

2.1 Each consignment of ultramarine blue (Technical grade) shall be checked for leakproofness, adequate protection against moisture and handling during transit.

2.2 The following information shall be given on each package or the label, applied to it, namely:—

- Name of the material;
- Manufacturer's name and trade mark, if any.
- Month and year of manufacture;
- Quantity of the material; and
- Batch number in code or otherwise to enable the batch of manufacture to be traced from records.

SCHEDULE II

[See clause (iii) (d) of rule 3]

(1) Levels of Control for Ultramarine Blue (Laundry Grade)

Sl. No.	Requirement	Reference	Frequency
1	2	3	4
1.	Shade of colour	Approved Sample	One per batch
2.	Dispersibility in Water	Do.	Do.
3.	Whiteness of the treated cloth	Do.	Do.

(2) Levels of control for packing.

[See clause V(a) of rule 3]

2.1 Each consignment of ultramarine blue (Laundry grade) shall be checked for leakproofness, adequate protection against moisture and handling during transit.

2.2 The following information shall be given on each package or the label, applied to it:—

- Name of the material;
- Manufacturers name and trade mark, if any;
- Month and year of manufacture;
- Quantity of the material; and
- Batch number in code or otherwise to enable the batch of manufacture to be traced from records.

[No. 6(40)/72-EI&EP]

K. V. BALASUBRAMANIAM, Dy. Director.

उप-मुख्य निर्यातक आयात-निर्यात का कार्यालय

कानपुर, 20 दिसम्बर, 1976

आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9 के अन्तर्गत आदेश

क्र० आ० 2198.—सर्वश्री किशन उद्योग, केमरी माता मंदिर, पटेल मार्ग, गाजियाबाद को अनुमति श्रेणी के बाल/टेपर रोलर विवरण और अनुमेय माप आदि की तांबे की द्यूबों का आयात करने के लिए निम्नलिखित लाइसेंस प्रदान किए गए थे:—

- पी/एस/1655479 दिनांक 21-8-70, 5,000 रुपये के लिए
- पी/एस/1655480 दिनांक 21-8-70, 5,000 रुपये के लिए

- पी/एस/1339401 दिनांक 30-1-71, 2,42,850 रुपये के लिए
- पी/एस/1339402 दिनांक 30-1-71, 1,21,425 रुपये के लिए
- पी/एस/1339403 दिनांक 30-1-71, 1,21,425 रुपये के लिए

2. उसके बाद उनको एक कारण बताओ नोटिस सं० ईएनएफ-2 (9)/1971/कान/3522 दिनांक 30-7-1971 यह पृष्ठों हुए जारी किया गया था कि इस सूचना के मिलने के 15 दिनों के भीतर यह कारण बताएं कि उनके नाम से जारी किए गए उपर्युक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर दिए जाए कि उन्होंने जो सनदी लेखापाल का प्रमाण पत्र दिनांक 14-1-1971 लाइसेंसों के दावे के समर्थन में भेजा था वे उसके आधार को बनाने में वस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे हैं और अधो-हस्ताक्षरी इसी वजह से संतुष्ट था कि लाइसेंस मिथ्यानिरूपण द्वारा प्राप्त किए गए थे।

3. उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस के उत्तर में सर्वश्री किशन उद्योग केमरी माता मंदिर, पटेल मार्ग, गाजियाबाद ने अपने पत्र दिनांक 20-5-71, 19-8-71 और 26-2-72 द्वारा वस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए कुछ समय के लिए आवेदन किया था, किंतु वे ऐसा करने में असफल रहे।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर अपनी भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुंचा है कि सर्वश्री किशन उद्योग, केमरी माता मंदिर, पटेल मार्ग, गाजियाबाद ने यह लाइसेंस मिथ्यानिरूपण द्वारा प्राप्त किए हैं और सनदी लेखापाल के उक्त विषयाधीन प्रमाणपत्र के विवरण के समर्थन में उनके पास कोई वस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नहीं है।

5. पहले की कड़िका में जो कुछ कहा गया है उसको ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि मामला लगभग आयात व्यापार नियंत्रण आदेश की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत आता है और इसी वजह से सम्बन्धित लाइसेंसों को रद्द कर दिया जाना चाहिए, या इनको प्रभावहीन समझा जाना चाहिए। इसलिए आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग कर मैं सर्वश्री किशन उद्योग केमरी माता मंदिर पटेल मार्ग, गाजियाबाद द्वारा प्राप्त उपर्युक्त लाइसेंसों को एतद्वारा रद्द करता हूँ।

[सं० इन्फ-11(9)/1971/कान(10990)]

वनारसी दास, उप-मुख्य नियंत्रक

Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports

Kanpur, the 20th December, 1976

ORDER UNDER CLAUSE 9 OF IMPORTS
(CONTROL) ORDER 1955

S.O. 2198.—The following licences for the import of permissible types of ball/Taper Roller Bearings and copper tubes of permissible sizes etc. were issued to M/s. Kishan Udyog, Keshri Mata Mandir, Patel Marg, Ghaziabad:—

- P/S/1655479 dt. 21-8-70 for Rs. 5000/-
- P/S/1655480 dt. 21-8-70 for Rs. 5000/-
- P/S/1339401 dt. 30-1-71 for Rs. 242850/-
- P/S/1339402 dt. 30-1-71 for Rs. 121425/-
- P/S/1339403 dt. 30-1-71 for Rs. 121425/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. ENFII (9)/1971/KAN/3522 dt. 30-7-1971 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that they had failed to produce the documents forming the basis of the Chartered Accountants certificate dt. 14-1-1971 that had been furnished by them

in support of their claim for licenses and undersigned for that reason was satisfied that the licences had been obtained by misrepresentation.

3. In reply to the said show cause notice the said M/s. Kishan Udyog, Keshri Mata Mandir, Patel Marg, Ghaziabad, vide their letter dt. 20-5-1971, 19-8-1971 and 26-2-1972 have requested sometime to submit the documents, but they have still failed to produce the same.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Kishan Udyog, Keshri Mata Mandir, Patel Marg, Ghaziabad have obtained the licence by misrepresentation and have no documents to produce in support of the details of the said Chartered Accountants certificate in question.

5. Having regard to what has been stated in the proceeding paragraph, the undersigned is satisfied that the case approximately falls under Clause 9 sub clause (a) of the I.T.C. Order and as such licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, I under the powers vested in me in exercise of the powers vested in me under Clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 hereby cancel the above said licences obtained by M/s. Kishan Udyog, Keshri Mata Mandir, Patel Marg, Ghaziabad.

[No. ENFII(9)/1971/KAN/10990]

BANARSI DASS, Dy. Chief Controller.

मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय बंगलौर

बंगलौर, 6 मई, 1977

रद्द करने का आदेश

क्रा० आ० 2199.—सर्वश्री मनोहर परफ्यूमरी वर्क्स, 24-सीराष्ट्रपेट, बंगलौर-560053 को अप्रैल-मार्च, 77 की नीति के अनुसार सरणीबद्ध और प्रतिबन्धित सों से भिन्न अनुमति किस्म के सुगन्धित रसायनों, सरणीबद्ध और रेजिनायड से भिन्न प्राकृतिक गन्धयुक्त तेलों के आयात के लिए 12,000 रुपये के लिए एक आयात ला० सं० पी/एस/1835094/सी/एक्सएस/59/एक्स/43-44 दि० 21-6-76 प्रदान किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त प्रति के लिए हम आधार पर आवेदन किया है कि ला० की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति 4,048 रुपये मात्र के लिए उपयोग करने के बाद अस्थानस्थ हो गई है, और उपर्युक्त ला० की अनुलिपि प्रति बाकी बचे हुए मुख्य 7,952.00 रुपये के लिए चाहिए।

उपर्युक्त तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र भी दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त ला० कि मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति अस्थानस्थ हो गई है और निदेश देना हूँ कि उपर्युक्त ला० की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। उपर्युक्त ला० की मूल प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

[सं० आई० टी० सी०/एस० एस० आई०/ए-3/ए-एम-77/एन० एस०]

आर० जयराम नायडू, उप-मुख्य निर्यातक

Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports,
Bangalore

Bangalore, the 6th May, 1977

CANCELLATION ORDER

S.O. 2199.—M/s. The Manohara Perfumery Works, No. 24, Sowrashtapet, Bangalore-560 053 were granted an import licence No. P/S/1835094/C/XX/59/X/43, 44 dated 21-6-76 for Rs. 12,000 for import of permissible types of Aromatic Chemicals other than Canalised and restricted items, Natural Essential Oils other than canalised and Resinoids as per AM '77 Policy. They have now applied for duplicate copy of Exchange Control Purposes copy of the above licence on the ground that the Original of the Exchange Control Purposes copy of the licence has been misplaced after utilising it for Rs. 4,048 only, and that the duplicate copy of the above licence now required is for the balance value of Rs. 7,952.

In support of the above contention the applicant has filed an Affidavit. I am satisfied that the Original Exchange Control Purposes copy of the above licence has been misplaced and direct that a Duplicate Copy of Exchange Control Purposes copy of the above licence should be issued to the applicant. The Original copy of the above licence is hereby cancelled.

[No. ITC/SSI/A. 3/AM. 77/NS]

R. JAYARAM NAIDU, Dy. Chief Controller,

उप-मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय,

हैदराबाद, 24 मई, 1977

रद्द करने का आदेश

क्रा० आ० 2200.—सर्वश्री एस० पी० इण्डस्ट्रीज, 1-1-230 चिकादा-पाली हैदराबाद, आंध्र प्रदेश को रु० 45,000 (पैंतालीस हजार रुपये मात्र) का आयात लाइसेंस संख्या पी/एस/1824914/सी/एक्सएस/62/डब्ल्यू/43-44 दिनांक 18-3-77 प्रदान किया गया था। उन्होंने सीमाशुल्क प्रयोजन की मूल प्रति को बिल्कुल उपयोग में लाये बिना ही खो जाने/अस्थानस्थ हो जाने के आधार पर हमकी अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया है।

2. आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम एवं प्रक्रिया पुस्तिका 1977-78 के परिशिष्ट 8 के पढ़े जाने वाले पैरा 320 के अनुसार अपेक्षित स्टाम्प कागज पर एक शपथ-पत्र अपने तर्कों के समर्थन में दाखिल किया है। मुझे इस बात की संतुष्टि है कि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है/अस्थानस्थ हो गई है।

3. आयात संशोधित, आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9(सीसी) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं लाइसेंस संख्या पी/एस/182 4914/सी/एक्सएस/62/डब्ल्यू/43-44 दिनांक 18-3-77 की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

4. आयात व्यापार नियंत्रण नियम एवं प्रक्रिया पुस्तिका 1977-78 के पैरा 320 के अनुसार उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि के जारी करने के लिए मामले पर भ्रम विचार किया जाएगा।

[सं० एस-31/एसएसआई/एनएस/एस/77/एचवाईसी/13]

आर० सी० एस० मेनन, उप-मुख्य निर्यातक

Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports
Hyderabad

Hyderabad, the 24th May, 1977

CANCELLATION ORDER

S.O. 2200.—M/s. S. P. Industries 1-1-230 Chikadapalli Hyderabad Andhra Pradesh was granted Import licence No. P/S/1824914/C/XX/62/43-44 dated 18-3-77 for Rs. 45,000 (Rs. forty five thousand only.). They have now applied for issue of duplicate copy of Customs Purposes Copy of the above licence on the ground that the Original Copy has been lost/misplaced without having been utilised at all.

2. The applicant has filed an affidavit on stamped paper in support of their contention as required under para 320 read with appendix 8 of Import Trade Control and Book of Rules and Procedure 1977-78. I am satisfied that Original Customs Purposes Copy has been lost/misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under clause 9(CC) of Import (Control) order 1955 dated 7-12-1955 as amended upto date, I order the Cancellation of Customs purposes Copy of licence No. P/S/1824914/C/XX/62/W/43-44 dated 18-3-77.

4. The applicant's case will now be considered for the issue of duplicate Customs Proposes copy of the above licence in accordance with para 320 of Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure 1977-78.

[No. S-31/SSI/NS/AM 77/HYD/13]

R. C. S. MENON, Dy. Chief Controller,

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 23 मई, 1977

का० आ० 2201.—पेटेंट अधिनियम, 1970 (1970 का 39) की धारा 152 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा के प्रयोजन के लिए, पुस्तकाध्यक्ष, इंडियन इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नालोजी, मद्रास को नियुक्त करती है, तथा भारत के राजपत्र, तारीख 30 अगस्त, 1975 भाग 2, खंड 3(ii) के पृष्ठ 3160 से 3162 तक पर प्रकाशित भारत सरकार के उद्योग एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2819 तारीख 29 जुलाई, 1975 में निम्नलिखित संशोधन करती है:—

तमिलनाडु से सम्बन्धित मद 14 के नीचे विद्यमान प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“मद्रास—पुस्तकाध्यक्ष,
इंडियन इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नालोजी,
मद्रास”।

[सं० 18(4)/77-पी० पी० एण्ड सी]

बी० एन० माथुर, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Deptt. of Industrial Development)

New Delhi, the 23rd May, 1977

S.O. 2201.—In exercise of the powers conferred by section 152 of the Patents Act, 1970 (39 of 1970), Central Government hereby appoints the Librarian, Indian Institute of Technology, Madras, for the purpose of the said section and makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the late Ministry of Industry and Civil Supplies, No. S.O. 2819, dated the 29th July, 1975, published in the Gazette of India Part II Section 3(ii), dated the 30th August, 1975, at pages 3160 to 3162:—

Under item 14, relating to Tamil Nadu, after the existing entries, the following shall be added, namely:—

“Madras—The Librarian,
Indian Institute of Technology,
Madras.”

[No. 18(4)/77-PP&C.]

B. N. MATHUR, Under Secy.

(भारी उद्योग विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 13 जून, 1977

का० आ० 2202.—केन्द्रीय सरकार, विकास परिषद (प्रक्रिया संबंधी) नियम, 1952 के नियम, 3 और 8 के साथ पठित, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री ए० एफ० कुटो, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग विभाग को, पोष निर्माण, पोष मरम्मत और पोष के अनुपातिक पुर्जों के उत्पादन में लगे हुए, अनुसूचित उद्योगों के लिए, विकास परिषद् का सहाय्य नियुक्त करती है, और भारत सरकार के उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय, भारी उद्योग विभाग के आदेश का० आ० 44GI/77—5

सं० 2702 तारीख 2 जुलाई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त आदेश में, पैरा 1 क्रम संख्या 2 और उसमें संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात्:—

“2. श्री ए० एफ० कुटो, संयुक्त सचिव,

भारी उद्योग विभाग,

नई दिल्ली।”

[का० सं० 16-13/75 एच० एम-II]

एस० एम० घोष, अवर सचिव

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 13th June, 1977

S.O. 2202.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with rules 3 and 8 of the Development Councils (procedurals) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints Shri A. F. Couto, Joint Secretary, Deptt of Heavy Industry as member of the Development Council for the scheduled Industries engaged in Ship building, Ship repairs and production of Ship Ancillaries and makes the following amendment in the order of Government of India, Ministry of Industry & Civil Supplies, Department of Heavy Industry S.O. No. 2702 dt. 2-7-1976 namely:

In the said order, in paragraph 1, for Sl. No. 2 and the entry relating thereto, the following Serial numbers and entry shall be substituted, namely:

“2. Shri A. F. Couto, Joint Secretary,

Deptt. of Heavy Industry, New Delhi.”

[File No. 16-13/75-HM. II]

S. M. GHOSH, Additional Secy.

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 जून, 1977

का० आ० 2203—यन: पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 2290 तारीख 24-5-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उन अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यन: सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यन: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक

गैस आयोग में, सभी संयंत्रों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

क्र.सं० 65, 67, 68, और 69 से जी.एस.-कम-सी.टी.एफ.कापी तक भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन

राज्य : गुजरात

गाँव	सर्वेक्षण हेक्टेयर ए.आर.ई. सेन्टीयर संख्या	
मेहमपुरा	जिला : मेहसाणा	तालुका : मेहसाणा
	150	0 01 20
	158	0 02 40
	Cart-track	0 10 00
	3	0 17 88
	6	0 14 88
	7/2	0 03 60
	7/1	0 31 08
बालसान	जिला : अहमदाबाद	तालुका : वीरमगम
	168	0 16 55
	169/6	0 08 64
	173	0 05 40
	174/1 एंड 2	0 18 50
	169/5	0 02 00
चालसान	जिला : मेहसाणा	तालुका : कादी
	156	0 14 40
	154	0 09 96
	155/1	0 04 95
	132/2	0 17 70
	138	0 16 80
	137/2	0 07 35
	109/1	0 35 40
	157/1	0 04 50
	91/1	0 06 60
	88	0 14 25
	87	0 20 25
	93	0 29 00

[सं० 12016/8/76-एल एण्ड एल]

टी० पी० सुब्रह्मनियन, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 20th June, 1977

S.O. 2203.—Whereas by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2290 dated 24-5-76 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. from well No. 65, 67, 68 & 69 to GGS-CUM-CTF Kadi
State : Gujarat

Villages	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Mehmedpura	District : Mehsana	Taluka : Mehsana		
	150	0	01	20
	158	0	02	40
	Cart-track	0	10	00
	3	0	17	88
	6	0	14	88
	7/2	0	03	60
	7/1	0	31	08
Balsasan	District : Ahmedabad	Taluka : Viramgam		
	168	0	16	55
	169/6	0	08	64
	173	0	05	40
	174/1 & 2	0	18	50
	169/5	0	02	00
Chalasan	District : Mehsana	Taluka : Kadi		
	156	0	14	40
	154	0	09	96
	155/1	0	04	95
	132/2	0	17	70
	138	0	16	80
	137/2	0	07	35
	109/1	0	35	40
	157/1	0	04	50
	91/1	0	06	60
	88	0	14	25
	87	0	20	25
	93	0	29	00

[No. 12016/8/76-Prod.]

T. P. SUBRAHMANYAN, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 16 जून, 1977

का० प्रा० 2204.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धाने क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 4506 तारीख 9 नवम्बर, 1976 द्वारा इस अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 210

एकड़ (लगभग) या 84.98 हेक्टेयर (लगभग) माप वाली भूमियों में कोयले का पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी।

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमियों में कोयला अभिप्राय है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, इससे उपावृद्ध अनुसूची में वर्णित 210.00 एकड़ (लगभग) या 84.98 हेक्टेयर (लगभग) माप वाली भूमियों को अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है ;

2. इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण उप आयुक्त कार्यालय गिरिडीह (बिहार) में या कोयला नियंत्रक कार्यालय 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में या सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) कार्यालय, दरभंगा हाउस, रांची (बिहार) में किया जा सकेगा।

3. कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम के अधीन मन्त्र प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

अनुसूची

अंगवाली ब्लॉक

(पूर्वी बोकारो कोयला वाले क्षेत्र)

ड्रा० सं० राज/8/77

तारीख 7-2-1977

(जिसमें अर्जन की जाने वाली भूमियाँ दर्शाई हैं)

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र टिप्पणियाँ
1.	झुझको	पेटरबार	48	गिरिडीह	भाग
2.	अंगवाली	पेटरबार	51	गिरिडीह	भाग
कुल क्षेत्रफल :— 210.00 एकड़ (लगभग)					
या 84.98 हेक्टेयर (लगभग)					

ग्राम झुझको में अर्जन की जानी वाली प्लॉट संख्याएँ :—

451 (भाग), 454 (भाग), 455 से 458, 459 (भाग), 460 से 465, 466 (भाग), 468 (भाग), 525 (भाग), 526 (भाग), 527 से 532, 533 (भाग), 534 (भाग), 535 (भाग), 536 (भाग), 663 (भाग), 664 से 668, 669 (भाग), 670 (भाग), 671 (भाग), 673 (भाग), 674 (भाग), 675 (भाग), 1162 (भाग)

ग्राम अंगवाली में अर्जन की जाने वाली प्लॉट संख्याएँ :—

2 से 22, 23 (भाग), 24 से 95, 96 (भाग), 97, 98 (भाग), 100 (भाग), 101, 102, 103 (भाग), 104 (भाग), 106 (भाग), 120 (भाग), 121 से 132, 133 (भाग), 134 (भाग), 140 (भाग), 141, 142, 143, 144 (भाग), 145 से 157, 159 से 168, 169 (भाग), 170 (भाग), 175 (भाग), 176 से 181, 182 (भाग), 183, 184 (भाग), 192 (भाग), 193, 194 (भाग), 211 (भाग), 212, 213, 214 (भाग), 215 (भाग), 216 (भाग), 219 (भाग), 220 (भाग), 3493, 3537, 3538, 3540, 3541।

सीमा वर्णन :—

ह-ख लाइन ग्राम अंगवाली में प्लॉट सं० 23, 98, और 100 से होकर ग्राम झुझको में प्लॉट सं० 454, 451, 454, 459,

454, 1162, 468, 466, 525, 536, 535, 534, 533, 663, 671, 670, 669, 673, 674, 675, 526 (नाला) से गुजरती है।

ख-ग लाइन ग्राम अंगवाली में प्लॉट सं० 100, 98, 103, 104, 106, 96, 120, 134, 133, और 140 से होकर जाती है।

ग-घ लाइन ग्राम अंगवाली में प्लॉट सं० 220, 219, 215, 216, 214, 211, 144, 194, 192, 182, 184, 175, 184, 169, 170 से होकर जाती है।

घ-ङ लाइन ग्राम अंगवाली में खंजो नदी के प्रांशिक बाएं तट के साथ-साथ जाती है।

ङ-क लाइन ग्राम अंगवाली और झुझको में बमोवर नदी में प्रांशिक दाएं तट के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं० 19(59)/76-सी० एल०]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 16th June, 1977

S.O. 2204.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 4506 dated the 9th November, 1976, under sub-section (i) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Governments gave notice of its intension to prospect for coal in 210.00 acres (approximately) or 84.98 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intension to acquire the lands measuring 210.00 acres (approximately) or 84.98 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto;

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Giridih (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section) Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

3. The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the Competent authority under the Act.

SCHEDULE

Angwali Block

(East Bokaro Coalfield)

Drg. No. Rev/8/77.

Dated 7-2-1977.

(Showing lands to be acquired)

All Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana No.	Distriet	Area	Re-marks
1.	Jhujhke	Petarbar	48	Giridih		Part
2.	Angwali	-do-	51	-do-		-do-

Total Area:—210.00 acres (approximately)
or 84.98 hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Jhujhke:—

451 (part), 454 (part), 455 to 458, 459 (part), 460 to 465, 466 (part), 468 (part), 525 (part), 526 (part), 527 to 532, 533 (part), 534 (part), 535 (part), 536 (part), 663 (part), 664 to 668, 669 (part), 670 (part), 671 (part), 673 (part), 674 (part), 675 (part), 1162 (part).

Plot numbers to be acquired in village Angwali:—

2 to 22, 23 (part), 24 to 95, 96 (part), 97, 98 (part), 100 (part), 101, 102, 103 (part), 104 (part), 106 (part), 120 (part), 121 to 132, 133 (part), 134 (part), 140 (part), 141, 142, 143, 144 (part), 145 to 157, 159 to 168, 169 (part), 170 (part), 175 (part), 176 to 181, 182 (part), 183, 184 (part), 192 (part), 193, 194 (part), 211 (part), 212, 213, 214 (part), 215 (part), 216 (part), 219 (part), 220 (part), 3493, 3537, 3538, 3540, 3541.

Boundary Description:—

A-B Line passes through plot Nos. 454, 451, 454, 459, 454, 1162, 468, 466, 525, 536, 535, 534, 533, 663, 671, 670, 669, 673, 674, 675, 526 (Nalla) in Village Jhujhke, through plot Nos. 23, 98 and 100 in village Angwali.

B-C Line passes through plot Nos. 100, 98, 103, 104, 106, 96, 120, 134, 133 and 140 in village Angwali.

G-D Line passes through plot nos. 220, 219, 215, 216, 214, 211, 144, 194, 192, 182, 184, 175, 184, 169, 170 in village Angwali.

D-E Line passes along the part left bank of Khanje River in village Angwali.

E-A line passes along the part right bank of Damodar River in village Angwali and Jhujhke and meets at starting point 'A'.

[No. 19(59)/76-CL]

का० आ० 2205.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला बाजे क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 2777, तारीख 15 जुलाई 1976 द्वारा उक्त अधिसूचना से उपायुक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिच्छेद में की 672.00 एकड़ (लगभग) या 271.949 हेक्टर (लगभग) भूमि के कोयला का पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में से 622.702 एकड़ (लगभग) या 252.004 हेक्टर (लगभग) में कोयला अधिप्राप्त है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार कोयला बाजे क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उससे उपायुक्त अनुसूची में अर्जित 622.702 (लगभग) या 252.004 हेक्टर (लगभग) भूमि को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना देती है ।

2. इस अधिसूचना के भीतर आने वाले क्षेत्र के नक्शे का निरीक्षण कलेक्टर बिलासपुर के कार्यालय, जिला बिलासपुर (मध्यप्रदेश) में या कोयला नियंत्रक के कार्यालय 1, कौमिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) के कार्यालय, बिसेसर हाउस, टेम्पल रोड, नागपुर (महाराष्ट्र) में किया जा सकता है ।

3. कोयला नियंत्रक, 1, कौमिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया गया है

अनुसूची

जटराज अनाक (विस्तार)

कोरबा कोलफील्ड्स

(मध्यप्रदेश)

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम का नाम	तहसील	हलका सं०	खेबट सं०
1.	जेल	कटघोरा	51	97
2.	दुर्गा	कटघोरा	51	118
3.	बरपाली	कटघोरा	51	96
जिला		क्षेत्र हेक्टर में	योग	टिप्पणी
		अधिष्ठाति भूमि	सरकारी भूमि	
बिलासपुर		52.940	22.334	75.274 भाग
बिलासपुर		5.742	9.309	15.051 भाग
बिलासपुर		133.353	28.326	161.679 भाग
		192.035	59.969	252.000
		हेक्टर (लगभग)	हेक्टर (लगभग)	हेक्टर (लगभग)
		या	या	या
		474.519	148.183	622.702
		एकड़ (लगभग)	एकड़ (लगभग)	एकड़ (लगभग)

ग्राम जेल में अर्जित किए जाने वाले प्लॉटों की संख्या

115, 116 पी, 117, 118, 119/1, 119/2, 120 पी, 121/1 पी, 126 पी, 129/1 पी, 131/1 पी, 131/3 पी, 131/4, 131/5 से 131/7, 132, 133 और 134/3 पी, 134/1 पी, 134/2 पी, 134/4, 135/1, 135/2, 136, 137/1 के, 137/1 के एच, 137/1 जी, 137/1 जी एच, 137/1 एन जी, 137/1 सी एच, 137/2, 138/1, 138/2-139, 138/3 से 138/9, 140, 141, 142/1, 142/2, 143 से 145, 146/1 से 146/3, 147 से 149, 150/1, 150/2, 151, 152, 153/1 से 153/7, 154, 155/1 से 155/5, 156/1, 156/2, 157, 158/1 से 158/4, 159/1, 159/2, 160 पी, 161 पी, 161/2 पी, 162 पी, 209/1 पी, 209/2, 210/1, 210/2, 211/1 से 211/9, 212, 213/1 के, 213/1 जी, 213/1 एन एन जी, 213/1 सी एच, 213/1 सी एच एच, 213/1 आई एन, 213/1 जी ए, 213/2, 214, 215, 216/1, 216/2, 217 से 227, 228 पी, 229 पी, 232/2 पी, 233 पी, 234 से 243, 244/1 से 244/5, 245 से 248, 249/1, 249/2, 250/1 से 250/4, 251/1, 251/2, 252, 253, 254/1, 254/2, 255 से 276, 277/1, 277/2, 278 से 281, 282/1, 282/2, 283, 284, 285/1, 285/2, 286/1, 286/2, 287, 288/1, से 288/8, 289/1 से 289/5, 290/1 से 290/4, 291/1, 291/2, 292/1, 292/2, 293, 294/1, 294/2, 295/1, 295/2, 296, 297/1 से 297/3, 298/1, 298/2, 299 से 308, 309/1, 309/2, 310 से 316, 317/1 से 317/4, 318 से 327, 328/1, 328/2, 329 से 332, 333/1, 333/2, 334 से 337, 338/1 से 338/3, 339/1 से 339/3, 340/1, 340/2, 341/1 से 341/4, 342/1, 342/2, 343/1, 343/2, 344/1 से 344/5, 345 से 347, 348/1 से 348/8, 349/1, 349/2, 350/1, 350/2, 351, 352/1 से 352/5, 353/1 से 353/3, 354 से 359, 360/1, 360/2, 361, 362, 363/1, 363/2, 364 से 367, 368/1, 368/2, 369, 370, 371/1, 371/2

237, 373/1, 373/2, 374/1, 374/2, 375 से 378, 379/1 से 379/3, 380, 381, 382/1, 382/2, 383, 384/1, 384/2, 385, 386/1, 386/2, 387 से 389, 390/1 से 390/4, 391 से 395, 396/1, 396/2, 397 से 402, 403/1, से 403/3,

ग्राम दुर्गा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉटों की संख्या :

1/1, 1/11, 1/12पी, 2/1, 2/2, 8, 9, 10पी, 11पी, 12पी, 13/1, 13/2, 19/1पी, 406/2, 406/1, 407पी, 408 से 414, 433/1पी, 433/4पी, 433/5पी

ग्राम बरपाली में अर्जित किए जाने वाले प्लॉटों की संख्या :

1/1, 1/2पी, 1/3 से 1/7, 2, 3/1, 3/2, 4, 5/1, 5/2, 6, 7, 8/1, 8/2, 9/1, 9/2, 10/1, 10/2, 11/1, 11/2, 12, 13/1, 13/10, 14, 15पी, 17/1पी, 17/2पी, 24पी, 25पी, 26/1 से 26/3, 27, 28, 29/1, 29/2, 30/1, 30/2, 31/1, 31/2, 32/1, 32/2, 33/1, 33/2, 34, 35/1 से 35/4, 36, 37, 38/1 से 38/3, 39 से 42, 43/1, 43/2, 44 से 59, 60/1 से 60/3, 61/1, 61/2, 62 से 72, 73/1, 73/2, 74, 75/1, 75/2, 76, 77/1, 77/2, 78, 79, 80/1, 80/2, 81 से 84, 85पी, 88/1पी, 88/2पी, 89 से 102, 103/1, 103/2, 104, 105, 106/1, 106/2, 107, 108, 109पी, 111पी, 112पी, 113 से 116, 117/1, 117/2पी, 118पी, 119पी, 121, 123पी, 125पी, 126, 127पी, 128, 130, 131/1, 131/2, 132, 133, 134/1, 134/2, 135 से 145, 146/1 से 146/4, 147 से 151, 152/1, 152/2, 153 से 173, 174/1, 174/2, 175 से 182, 183/1, 183/2, 184 से 186, 187/1, 187/2, 188/1, 188/2, 189 से 191, 192/1, 192/2, 193/1, 193/2, 194, 195, 196/1, 196/2, 197, 198, 199/1, 199/2, 200, 201, 202/1, 202/2, 203, 204/1, 204/2, 205, 206/1, 206/2, 207 से 221, 222/1 से 222/4, 223/1, 223/2, 224 से 229, 230/1 से 230/6, 231 से 234, 235/1पी, 236पी, 237, 238/1, 238/2, 239पी, 240पी, 245पी, 246पी, 247पी, 248, 249/1 से 249/5, 249/6पी, 250 से 254, 255/1, 255/2, 256, 257/1, 257/2, 258, 259/1, 259/2, 260/1, 260/2, 261/1, 261/2, 262/1, 262/2, 263/1, 263/2, 264, 265/1, 265/2, 266/1 से 266/4, 267 से 271, 272/1, 272/2, 273, 274, 275/1, 275/2, 276 से 286, 287/1, 287/2, 288 से 292, 293/1, 293/2, 294 से 299, 300/1, 300/2, 301 से 308, 309/1, 309/2, 310, 311/1 से 311/3, 312/1, 312/2, 313/1, 313/2, 314, 315, 316/1, 316/2, 317 से 319, 320/1 से 320/3, 321, 322/1, 322/2, 323, 324/1, 324/2, 325 से 339, 340/1, से 340/3, 341/1, 341/2, 342 से 347, 348/1, 348/2, 349, से 351, 352पी, 361पी, 362 से 367, 368पी, 369 से 372, 373पी, 384पी, 385, 386पी, 387, 388/1 से 388/3, 389—390/1, 391पी, 390/2—392—393पी ।

सीमा वर्णन :

ए—बी रेखा ग्राम दुर्गा के प्लॉट सं० 433/5 से ग्राम जैल के प्लॉट सं० 86/3, 131/2, 131/1, 129/1, 132, 134/1, 126, 121/1, 121/2, 116, 161/1, 161/2, 162, 232/2, 233, 229, 228, 181, 218, 209/1, 213/1 यात्रा, 213/1 के, से होकर ग्राम बरपाली के प्लॉट सं० 249/16 247, 240, 239, 236, 235/1, 25, 24, 17/1-2, 15, 13/1, 13/10, 1/2 और 13/2 में से होकर जाती है और बिन्दु बी पर मिलती है ।

बीसी— रेखा ग्राम बरपाली और गेबरा की सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है और ग्राम बरपाली के प्लॉट सं० 533/1 में बिन्दु 'सी' पर मिलती है ।

सी—डी रेखा ग्राम बरपाली के प्लॉट सं० 533/1, 85, 88/1, 88/2, 109, 112, 111, 117/2, 121 और 123, 124, 125, 354, 352, 353, 360/1, 361, 376, 386, 389-390/1-391, 390/2-392-393 और 249/1 से होकर और ग्राम दुर्गा के प्लॉट सं० 1/13, 3, 7, 12, 19/1, 14-15/2-16, 16/2-17/2-19/2, 406, 407 और 433/1 में से होकर जाती है और बिन्दु 'ख' पर मिलती है ।

डी—ई रेखा ग्राम दुर्गा के प्लॉट सं० 433/1 से होकर जाती है और प्लॉट सं० 433/4 में बिन्दु 'ई' पर मिलती है ।

ई—एफ रेखा ग्राम दुर्गा के प्लॉट सं० 433/4 से होकर जाती है और प्लॉट सं० 433/1 में बिन्दु 'एफ' पर मिलती है ।

एफ—ए रेखा ग्राम दुर्गा का प्लॉट सं० 431/1 और 433/4 से होकर जाती है और ग्राम दुर्गा में प्रारम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है ।

[सं० 19(7)/77-सी० एन०]

S.O. 2205.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal, No. S.O. 2777 dated the 15th July, 1976 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government gave notice of its intentions to prospect for coal in 672.90 acres (approximately) or 271.949 hectares (approximately), of the lands in the locality specified in the schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in 622.702 acres (approximately) or 252.004 hectares (approximately) out of the said lands;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 622.702 acres (approximately) or 252.004 hectares (approximately) described in the Schedule appended thereto.

2. The plans of the areas covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Bilaspur, District Bilaspur (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, or in the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue section), Bisesar House, Temple Road, Nagpur (Maharashtra).

3. The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the Competent Authority under the Act.

SCHEDULE

Jatraj Block (Extension)
Korba Coalfields
(Madhya Pradesh)
All Rights

Sl. No.	Name of Village	Tahsil	Halka No.	Khewat No.
1.	Jail	Katghora	51	97
2.	Urpa	..	51	118
3.	Barpali	..	51	96

District	Area in hectares		Total	Re- marks
	Tenancy land	Govt. land		
Bilaspur	52.940	22.334	75.274	Part
Bilaspur	5.742	9.309	15.051	Part
Bilaspur	133.353	28.326	161.679	Part
	192.035 hect. (approx.)	59.969 hect. (approx.)	252.004 hect. (approx.)	
	or 474.519 acres (approx.)	or 148.183 acres (approx.)	or 622.702 acres (approx.)	

Plot numbers to be acquired in village Jail : 115, 116P, 117, 118, 119/1, 119/2-120P, 121/1P, 126P, 129/1P, 131/1P, 131/3P, 131/4, 131/5 to 131/7, 132, 133 & 134/3P, 134/1P, 134/2P, 134/4, 135/1, 135/2, 136, 137/1K, 137/1Kh, 137/1G, 137/1 Gh, 137/1 Ang, 137/1 Ch, 137/2, 138/1, 138/2-139, 138/3 to 138/9, 140, 141, 142/1, 142/2, 143 to 145, 146/1 to 146/3, 147 to 149, 150/1, 150/2, 151, 152, 153/1 to 153/7, 154, 155/1 to 155/5, 156/1, 156/2, 157, 158/1 to 158/4, 159/1, 159/2, 160P, 161/1P, 161/2P, 162P, 209/1P, 209/2, 210/1, 210/2, 211/1 to 211/9, 212, 213/1K, 213/1G, 213/1 Ang, 213/1 Ch, 213/1 Chh, 213/1 Yan, 213/1 Da, 213/2, 214, 215, 216/1, 216/2, 217 to 227, 228 P, 229P, 232/2P, 233P, 234 to 243, 244/1 to 244/5, 245 to 248, 249/1, 249/2, 250/1 to 250/4, 251/1, 251/2, 252, 253, 254/1, 254/2, 255 to 276, 277/1, 277/2, 278 to 281, 282/1, 282/2, 283, 284, 285/1, 285/2, 286/1, 286/2, 287, 288/1 to 288/8, 289/1 to 289/5, 290/1 to 290/4, 291/1, 291/2, 292/1, 292/2, 293, 294/1, 294/2, 295/1, 295/2, 296, 297/1, to 297/3, 298/1, 298/2, 299 to 308, 309/1, 309/2, 310 to 316, 317/1 to 317/4, 318 to 327, 328/1, 328/2, 329 to 332, 333/1, 333/2, 334 to 337, 338/1 to 338/3, 339/1 to 339/3, 340/1, 340/2, 341/1 to 341/4, 342/1, 342/2, 343/1, 343/2, 344/1 to 344/5, 345 to 347, 348/1 to 348/8, 349/1, 349/2, 350/1, 250/2, 351, 352/1 to 352/5, 353/1, to 353/3, 354 to 359, 360/1, 360/2, 361, 362, 363/1, 363/2, 364 to 367, 368/1, 368/2, 369, 370, 371/1, 371/2, 372, 373/1, 373/2, 374/1, 374/2, 375 to 378, 379/1, to 379/3, 380, 381, 382/1, 382/2, 383, 384/1, 384/2, 285, 386/1, 386/2, 387 to 389, 390/1 to 390/4, 391 to 395, 396/1, 396/2, 397 to 402, 403/1 to 403/3.

Plot numbers to be acquired in village Durpa : 1/1, 1/11, 1/12P, 2/1, 2/2, 8, 9, 10P, 11P, 12P, 13/1, 13/2, 19/1P, 406/2, 406/1, 407P, 408 to 414, 433/1P, 433/4P, 433/5P.

Plot numbers to be acquired in village Barpali : 1/1, 1/2P, 1/3 to 1/7, 2, 3/1, 3/2, 4, 5/1, 5/2, 6, 7, 8/1, 8/2, 9/1, 9/2, 10/1, 10/2, 11/1, 11/2, 12, 13/1, 13/10, 14, 15P, 17/1P, 17/2P, 24P, 25P, 26/1 to 26/3, 27, 28, 29/1, 29/2, 30/1, 30/2, 31/1, 31/2, 32/1, 32/2, 33/1, 33/2, 34, 35/1 to 35/4, 36, 37, 38/1 to 38/3, 39 to 42, 43/1, 43/2, 44 to 59, 69/1 to 60/3, 61/1, 61/2, 62 to 72, 73/1, 73/2, 74, 75/1, 75/2, 76, 77/1, 77/2, 78, 79, 80/1, 80/2, 81 to 84, 85P, 88/1P, 88/2P, 89 to 102, 103/1, 103/2, 104, 105, 106/1, 106/2, 107, 108, 109P, 111P, 112P, 113 to 116, 117/1, 117/2P, 118P, 119P, 121-123P, 125P, 126-127P, 128, 130, 131/1, 131/2, 132, 133, 134/1, 134/2, 135 to 145, 146/1 to 146/4, 147 to 151, 152/1, 152/2, 153 to 173, 174/1, 174/2, 175 to 182, 183/1, 183/2, 184 to 186, 187/1, 187/2, 188/1, 188/2, 189 to 191, 192/1, 192/2, 193/1, 193/2, 194, 195, 196/1, 196/2, 197, 198, 199/1, 199/2, 200, 201, 202/1, 202/2, 203, 204/1, 204/2, 205, 206/1, 206/2, 207 to 221, 222/1, to 224/4, 223/1, 223/2, 224 to 229, 230/1 to 230/2, 231 to 234, 235/1P, 236 P, 237, 238/1, 238/2, 239P, 240P, 245P, 246P, 247P, 248, 249/1 to 249/5, 249/6P, 250 to 253, 255/1, 255/2, 256, 257/1, 257/2, 258, 258/1, 259/2, 260/1,

260/2, 261/1, 261/2, 262/1, 262/2, 263/1, 263/2, 264, 265/1, 265/2, 266/1 to 266/4, 267 to 271, 272/1, 272/2, 273, 274, 275/1, 275/2, 276 to 286, 287/1, 287/2, 288 to 292, 293/1, 293/2, 294 to 299, 300/1, 300/2, 301 to 308, 309/1, 209/2, 310, 311/2 to 311/3, 312/1, 312/2, 313/1, 313/2, 314, 315, 316/1, 316/2, 317 to 319, 320/1 to 320/3, 321, 322/1, 322/2, 323, 324/1, 324/2, 325 to 339, 340/1 to 340/3, 341/1, 341/2, 342 to 347, 248/1, 348/2, 349 to 351, 352P, 361P, 362 to 367, 368P, 369 to 372, 373P, 384P, 385, 386/2, 387, 388/1 to 388/3, 389-391/1-391P, 390/2-392-393P.

Boundary Description :

- A-B Line passes through plot Nos. 433/5 of village Durpa, 86/3, 131/2, 131/1, 129/1, 132, 134/1, 126, 121/1, 121/2, 116, 161/1, 161/2, 162, 232/2, 233, 229, 228, 181, 218, 209/1, 213/1 yan, 213/1K of village Jail and run through 249/6, 247, 240, 239, 236, 235/1, 25, 24, 17/1-2, 15, 13/1, 13/10, 1/2 and 13/2 of village Barpali and meets at point 'B'.
- B-C Line passes along the common boundary of village Barpali and Gevara and meets at point 'C' in plot No. 533/1 of village Barpali.
- C-D Line passes through plot Nos. 533/1, 85, 88/1, 88/2, 109, 112, 111, 117/2, 121 & 123, 124, 125, 354, 352, 353, 360/1, 361, 376, 386, 389-390/1-391, 390/2-392-393 and 249/1 of village Barpali and runs through plot Nos. 1/13, 3, 7, 12, 27, 19/1, 14-15/2-16/2-17/2-19/2, 406, 407 and 433/1 of village Durpa and meets at point 'D'.
- D-E Line passes through plot No. 433/1 and meets at point 'E' in plot No. 433/4 of village Durpa.
- E-F Line passes through plots No. 433/4 and meets in plot No. 433/1 of village Durpa at point 'F'.
- F-A Line passes through plot Nos. 433/1 and 433/4 and meets in village Durpa at the starting point 'A'.

[F. No. 19(7)/77-CL]

कां०प्रा० 2206.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला वाले क्षेत्र (ऊर्जा और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० कां०प्रा० 549, तारीख 27 जनवरी, 1975 द्वारा उक्त अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 2997.00 एकड़ (लगभग) या 1212.83 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में कोयला के पूर्वावलोकन करने के अपने आशय की सूचना दी थी।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त भूमि में से, कां०प्रा० 3556 तारीख 23 सितम्बर, 1976 के अधीन उस से उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में केवल ब्लॉक सं० 5 में 629.00 एकड़ (लगभग) या 254.54 हेक्टर (लगभग) भूमि में खनन अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की सूचना दी थी।

और ब्लॉक सं० 1 और 4 में 2368.00 एकड़ (लगभग) या 958.29 हेक्टर (लगभग) माप की बची हुई भूमि की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई थी।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 7 की उपधारा (1) का प्रयोग करते हुए, 27 जनवरी, 1977 से प्रारंभ होने वाली एक वर्ष की और अवधि को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार इस से उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को

या भूमि में या उसके ऊपर किसी अधिकार को प्रजित करने के अपने आशय की सूचना दे सकेगी।

अनुसूची

ब्लाक सं० 1 और 4, ईब नदी कोलफील्ड (उड़ीसा)

ड्रा सं० राजस्व/36/74 तारीख 23-8-74

(जिसमें पूर्वोक्त के लिए अधिसूचित भूमि दर्शाते हैं)

ब्लाक सं० 1

क्र० सं०	ग्राम का नाम	ग्राम सं०	थाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	कटबागा	16	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
2.	तेलपानी	38	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
3.	लमटीबहल	44	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
			कुल क्षेत्र :	1078.00	एकड़ (लगभग)	
			या	436.25	हेक्टर (लगभग)	

सीमा वर्णन

ए०बी०	रेखा लमटीबहल और कटबागा ग्रामों से होकर जाती है (जो द्विगिरि रामपुर कोलियरी सीमा की भागतः सामान्य सीमा है)
बी०सी०	रेखा ग्राम कटबागा से होकर जाती है।
सी०डी०	रेखा ग्राम कटबागा में ईब नदी के भागतः बाहिने किनारे के साथ-साथ जाती है।
डी०ई०एफ०	रेखा कटबागा और जतनपाली ग्रामों से होकर जाती है।
जी०एच०	
एच०ए०	रेखा जतनपाली और लमटीबहल ग्रामों से होकर जाती है और प्रारंभिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

ब्लाक 4

क्र० सं०	ग्राम का नाम	ग्राम संख्या	थाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	कटपानी	12	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
2.	गंडघोरा	21	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
3.	जुनानीमुंडा	22	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
4.	छेल कुथी	24	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
5.	भ्रमधरा	26	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
6.	जोब	27	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
7.	बग्राचका	28	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
8.	रंकटा	32	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
9.	जमीनदारी बन	—	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग

कुल क्षेत्र 1290.00 एकड़ (लगभग)

या 522.04 हेक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन

आई०जे०	रेखा ग्राम रंकटा, जोब, जमीनदारीबन, भ्रमधरा और गंडघोरा से होकर जाती है।
जे०के०	रेखा ग्राम गंडघोरा से होकर जाती है (जो ओरिएण्ट कोलियरी सीमा की भागतः सामान्य सीमा है)

क०एन० रेखा ग्राम जुनानीमुंडा और गंडघोरा की सामान्य सीमा रेखा के साथ-साथ जाती है (जो ओरिएण्ट कोलियरी सीमा की भागतः सामान्य सीमा है)।

एन०एम०एन० रेखा ग्राम जुनानीमुंडा, बग्राचका और गंडघोरा से होकर जाती है (जो ओरिएण्ट कोलियरी सीमा की भागतः सामान्य सीमा है)।

एन०ओ०आई० रेखा ग्राम गंडघोरा, कटपानी, बग्राचका, जमीनदारी बन, छेलकुथी और रंकटा से होकर जाती है और प्रारंभिक बिन्दु 'आई' पर मिलती है।

[सं० सी-5-4 (24)/74-सी०एन०(i)]

S.O. 2206.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 549 dated the 27th January, 1975, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 2997.00 acres (approximately) or 1212.83 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification,

And whereas, out of the said lands, the Central Government gave notice of its intention to acquire mining rights in the lands in Block No. 5 only measuring 629.00 acres (approximately) or 254.54 hectares (approximately) under S.O. 3556, dated 23rd September, 1976 in the locality specified in the Schedule appended thereto;

And whereas, in respect of the remaining lands in Block Nos. 1 and 4 measuring 2368.00 acres (approximately) or 958.29 hectares (approximately) no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said sub-section (1) of section 7, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from 27th January, 1977, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the lands or any rights in or over the lands as specified in the Schedule appended hereto.

SCHEDULE

Block Nos. 1 and 4 of Ib-River Coalfield
(Orissa)

DRG No. Rev /36/74

dt. 23-8-1974

(Showing lands notified for prospecting)

Block No. 1

Sl. No.	Name of village	Village number	Thana	District	Re-Area marks
1	2	3	4	5	6
1.	Katabaga	16	Brajraj-nagar	Sambhalpur	Part
2.	Telanpali	38	Brajraj-nagar	Sambhalpur	Part

1	2	3	4	5	6	7
3.	Lamtibahal	44	Brajraj-nagar	Sambhalpur	Part	

Total area :—1078.00 acres (approximately)
or 436.25 hectares (approximately)

Boundary Description :

A-B	Line passes through villages Lamtibahal and Katabaga (which forms part common boundary with Hingir Rampur colliery boundary).
B-C	Line passes through village Katabaga.
C-D	Line passes along the part Right bank of Ib-River in village Katabaga.
D-E-F-G-H	Lines pass through village Katabaga & Jatanpali.
H-A	Line passes through villages Jatanpali and Lamtibahal and meets at starting point 'A'.

Block-4

Sl. No.	Name of village	Village number	Thana	District	Area Remarks
1.	Katapali	12	Brajraj-nagar	Sambhalpur	Part
2.	Gandghora	21	Brajraj-nagar	Sambhalpur	Part
3.	Junanimunda	22	Brajraj-nagar	Sambhalpur	Part
4.	Chhelkuthi	24	Brajraj-nagar	Sambhalpur	Part
5.	Amdhara	26	Brajraj-nagar	Sambhalpur	Part
6.	Job	27	Brajraj-nagar	Sambhalpur	Part
7.	Bagrachaka	28	Brajraj-nagar	Sambhalpur	Part
8.	Rankata	32	Brajraj-nagar	Sambhalpur	Part
9.	Zamindari Forest	—	—	—	Part

Total area—1290.00 acres (approximately)
or 522.04 hectares (approximately)

Boundary Description :

I-J	Line passes through villages Rankata, Job, Zamindari Forest, Amdhara and Gandghora.
J-K	Line passes through village Gandghora (which forms part common boundary with Orient Colliery boundary).
K-L	Line passes along the part common boundary of villages Junanimunda & Gandghora (which forms part common boundary with Orient Colliery boundary).
L-M-N	Line passes through villages Junanimunda, Bagrachaka and Gandghora (which forms part common boundary with Orient Colliery boundary).
N-O-I	Line passes through villages Gandghora, Katapali, Bagrachaka, Zamindari Forest, Chhelkuthi & Rankata and meets at starting point 'I'.

[C 5-4(24)/74-CL(i)]

कां०आ०.2207—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला वाला क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० कां०आ० 550, तारीख 27 जनवरी, 1975 द्वारा, इससे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 8788.00 एकड़ (लगभग) या 3556.33 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और उक्त भूमि की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई थी;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा 7 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 27 जनवरी, 1977 से प्रारंभ होने वाली एक वर्ष की और अवधि को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उक्त भूमि को या ऐसी भूमि में या उसके ऊपर किसी अधिकार को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दे सकेगी।

अनुसूची

ब्लॉक सं० 2 और 3 ईश तदी कोलफील्ड (उड़ीसा)

इस सं० राजपत्र 37/74 तारीख 23-8-1974

(जिसमें पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमि वर्णित है)

ब्लॉक सं० 2

क्रम सं०	ग्राम का नाम संख्या	ग्राम की संख्या	थाना	जिला	अंतर	टिप्पणी
1.	गम्हुरा	7	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
2.	जमकानी	8	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
3.	जरबागा	9	ब्रजराजनगर	सम्भलपुर		भाग
4.	खैरकुनी	16	लखनपुर	सम्भलपुर		भाग
5.	टिंगसमल	17	लखनपुर	सम्भलपुर		भाग
6.	बंसीपाली	18	लखनपुर	सम्भलपुर		पूरा
7.	खटमहाल	19	लखनपुर	सम्भलपुर		भाग
8.	उत्ता	22	लखनपुर	सम्भलपुर		भाग
9.	छर्ला	23	लखनपुर	सम्भलपुर		भाग
10.	बंदबहल	45	लखनपुर	सम्भलपुर		भाग
11.	दनीपाली	46	लखनपुर	सम्भलपुर		पूरा
12.	कीराराम	47	लखनपुर	सम्भलपुर		भाग

कुल क्षेत्र 5248.00 एकड़ (लगभग)

या 2123.76 हेक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन

ए०बी०	रेखा थाना ब्रजराजनगर के ग्राम गम्हुरा, जरबागा से होकर तथा थाना लखनपुर के ग्राम खैरकुनी, टिंगसमल और खटमहाल से होकर जाती है।
बी०सी०	रेखा थाना लखनपुर के ग्राम खटमहाल, उत्ता और छर्ला से होकर जाती है।
सी०डी०ई०एफ०	रेखा थाना लखनपुर के ग्राम छर्ला, बंदबहल कीराराम से होकर तथा थाना ब्रजराजनगर के ग्राम जरबागा से होकर जाती है।
एफ०ए०	रेखा ग्राम जरबागा और जमकानी से होकर जाती है और प्रारंभिक बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

ब्लॉक सं० 3					
क्र० सं०	ग्राम का नाम संख्या	ग्राम	थाना	जिला	क्षेत्र टिप्पणी
1.	पत्रपाली	19	जरसुगुडा	सम्भलपुर	भाग
2.	मालडा	20	जरसुगुडा	सम्भलपुर	भाग
3.	तलबीरा	1	कटरबाग	सम्भलपुर	भाग
4.	खिडा	3	कटरबाग	सम्भलपुर	भाग
5.	लोहारकचार	4	कटरबाग	सम्भलपुर	भाग
6.	कुम्हारी	5	कटरबाग	सम्भलपुर	भाग
7.	फरकीला	6	कटरबाग	सम्भलपुर	भाग

कुल क्षेत्र 3540.00 एकड़ (लगभग)

या 1442.57 हेक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन

जी०एच० रेखा थाना जरसुगुडा के ग्राम पत्रपाली से होकर और थाना कटरबाग के ग्राम तलबीरा और खिडा से होकर जाती है।

एच०आई० रेखा ग्राम खिडा से होकर जाती है।

आई०जे० रेखा थाना कटरबाग के ग्राम खिडा, फरकीला, लोहारक-चार, कुम्हारी से होकर और थाना जरसुगुडा के ग्राम मालडा से होकर जाती है।

जे०जी० रेखा ग्राम मालडा और पत्रपाली से होकर जाती है और प्रारंभिक बिन्दु 'जी' पर मिलती है।

[फा०सं० सी०-5-4 (24)/74-सी एल (ii)]

एस० आर० ए० रिजवी, निदेशक

S.O. 2207.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 550 dated the 27th January, 1975, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 8788.00 acres (approximately) or 3556.33 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended thereto;

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given;

Now, whereas, in exercise of the powers conferred by the said sub-section (1) of section 7, the Central Govt. hereby specifies a further period of one year commencing from the 27th January, 1977, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

SCHEDULE

Block Nos. 2 and 3 of Ib-River Coalfield

(Orissa)

DRG. NO. Rev/37/74

Dated : 23-8-1974

(Showing lands notified for prospecting)

Block No. 2

S. No.	Name of village	Village number	Thana	District Area	Remarks
1	2	3	4	5	6
1.	Gamhadera	7	Brajrajnagar	Sambhalpur	Part
2.	Jamkani	8	"	"	Part

44 GI/77-6

1	2	3	4	5	6	7
3.	Jarabaga	9	Brajrajnagar	Sambhalpur	Part	
4.	Khairkuni	16	Lakhanpur	"	Part	
5.	Tingismal	17	"	"	Part	
6.	Banjhipali	18	"	"	Full	
7.	Khatmahal	19	"	"	Part	
8.	Ubra	22	"	"	Part	
9.	Chharla	23	"	"	Part	
10.	Bandbahal	45	"	"	Part	
11.	Darlipali	46	"	"	Full	
12.	Kirarama	47	"	"	Part	

Total area :—5248.00 acres (approximately)

or 2123.76 hectares (approximately)

Boundary Description :

A—B Line passes through villages Gamhadera, Jarabaga of Thana Brajrajnagar and through villages Khairkuni, Tingismal and Katmahal of Thana Lakhanpur.

B—C Line passes through villages Khatmahal, Ubra and Chharla of thana Lakhanpur.

C—D— Lines pass through villages Chharla, Bandbahal,

E—F Kirarama of thana Lakhanpur and village Jarabaga of thana Brajrajnagar.

F—A Line passes through villages Jarabaga and Jamkani and meets at starting point 'A'.

Block No. 3

S. No.	Name of village	Village number	Thana	District Area	Remarks
1.	Patrapali	19	Jarsuguda	Sambhalpur	Part
2.	Malda	20	"	"	Part
3.	Talabira	1	Katarbaga	"	Part
4.	Khinda	3	"	"	Part
5.	Loharakachar	4	"	"	Part
6.	Kumhari	5	"	"	Part
7.	Farekela	6	"	"	Part

Total area :—3540.00 acres (approximately)

or 1432.57 hectares (approximately)

Boundary Description :

G—H Line passes through villages Patrapali of thana Jharsuguda and Talabira and Khinda of thana Katarbaga

H—I Line passes through village Khinda.

I—J Line passes through villages Khinda, Farekela, Loharakachar, Kumhari of thana Katarbaga and Malda of thana Jharsuguda.

J—G Line passes through villages Malda and Patrapali and meets at starting point 'G'.

[No. C-5-4(24)/74-CL(ii)]

S.R.A. RIZVI, Director.

कृषि व सिंचाई विभाग

(खाद्य विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 21 मई, 1977

क्रा०सा० 2208.—यमः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपायुक्त निदेशालयों और खाद्य विभाग के जेनरल तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारण, संचालन, परिवहन, वितरण तथा विपणन के कृत्यों का पालन करना बन्द कर दिया है जो कि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य हैं।

और यमः खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपायुक्त निदेशालयों और खाद्य विभाग के जेनरल तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरि वर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उसमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अतः अब, खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संगोपित की धारा 12 ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एमद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है :—

क्रम सं०	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन किस पद पर स्थायी है ?	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के किस पद पर थे ?	भारतीय खाद्य निगम को स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री जे० एस० जोशन	उप निदेशक	उप निदेशक	8-4-69
2.	श्री पी० सिंह जे० सिंह	गोदाम अधीक्षक	सहायक निदेशक	1-3-69
3.	श्री के० रघुनाथ राव	—	गुण निरीक्षक ग्रेड-1	1-3-69
4.	श्री सी०एन० पानिक	तोल क्लर्क	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
5.	श्री बेद राम कश्यप	—	बौकीदार	1-3-69
6.	श्री सत्यानन्द	—	स्टिचर	1-3-69
7.	श्री बोम सत्य	—	डस्टिंग आपरेटर	1-3-69
8.	श्री के० धार० रघोड	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69
9.	श्री जे० जी० कामदार	प्रभुमन सहायक	तकनीकी सहायक	1-3-69
10.	श्री फतेह मोहम्मद	—	गोदाम क्लर्क	1-3-69
11.	श्री एस० सी० मित्र	—	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
12.	श्री बी० पी० सेन गुप्ता	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	—वही—	1-3-69
13.	श्री रमेन्द्र नारायण रोप	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69
14.	श्री निरंजन मट्टाबाजी	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69
15.	श्री जितेन्द्र लाल दास	बौकीदार	बौकीदार	1-3-69
16.	श्री पी० सी० सरकार	डस्टिंग आपरेटर	—वही—	1-3-69
17.	श्री जगन्नाथ मजूमदार	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	गोदी निरीक्षक	1-3-69
18.	श्री कनक च० दास	—	खपरासी	1-3-69
19.	श्री मधुसूदन गोस्वामी	स्टिचर	बौकीदार	1-3-69
20.	श्री सत्यनारायण उपाध्याय	बौकीदार	—वही—	1-3-69
21.	श्री मदन गोपाल गुप्त	—वही—	—वही—	1-3-69
22.	श्री कृष्ण बहादुर खत्री	डस्टिंग आपरेटर	डस्टिंग आपरेटर	1-3-69
23.	श्री परेश च० सरकार	खोपर	खपरासी	1-3-69
24.	श्री साधन कुमार दास	बौकीदार	बौकीदार	1-3-69
25.	श्री प्रमल कुमार राय चौधरी	—वही—	—वही—	1-3-69
26.	श्री एच० के० देश	तकनीकी सहायक	तकनीकी अधिकारी	1-3-69
27.	श्री ए० के० बोस	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	गोदाम अधीक्षक	1-3-69
28.	श्री कामिक च० राय	—वही—	—वही—	1-3-69
29.	श्री एन० के० लाहिरी	—वही—	मुख्य इलेक्ट्रीशियन	1-3-69
30.	श्री पी० के० राय	—वही—	एम० सी० ग्रे०	1-3-69
31.	श्री एम० के० मुखर्जी	—वही—	मुख्य इलेक्ट्रीशियन	1-3-69
32.	श्री एस० के० गंगुली	—वही—	—वही—	1-3-69

1	2	3	4	5
33. श्री विमल कुमार बक्शी	.	वरिष्ठ क्लर्क	वरिष्ठ क्लर्क	1-3-69
34. श्री मनोरंजन अचारजी	.	-वही-	-वही-	1-3-69
35. श्री तारादास शेटर्जी	.	कनिष्ठ क्लर्क	-वही-	1-3-69
36. श्री विजय मोहन शेटर्जी	.	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	गोदी निरीक्षक	1-3-69
37. श्री सेलेन्द्र नाथ बसु	.	-वही-	-वही-	1-3-69
38. श्री अन्तोषकर प्रसाद	.	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-	1-3-69
39. श्री एस० पामवान	.	-वही-	-वही-	1-3-69
40. श्री जे० भट्टाचार्य	.	-वही-	-वही-	1-3-69
41. श्री रामकृष्णकर	.	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
42. श्री बी० के० मुखर्जी	.	-वही-	-वही-	1-3-69
43. श्री काशीनाथ मलिक	.	गोदाम क्लर्क	-वही-	1-3-69
44. श्री दंडीधर मंडल	.	-वही-	-वही-	1-3-69
45. श्री एस० सी० मिश्र	.	तोसने वाला	-वही-	1-3-69
46. श्री मोहन मोहन राय	.	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-	1-3-69
47. श्री विभूति भूषण आर	.	—	गुण निरीक्षक ग्रेड-1	1-3-69
48. श्री रामनाथ मुर्वा	.	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
49. श्री शान्ति रंजन चक्रवर्ती II	.	-वही-	-वही-	1-3-69
50. श्री नंदाबुलान सरकार	.	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
51. श्री विमल कुमार भट्टाचार्य	.	कनिष्ठ क्लर्क	कनिष्ठ क्लर्क	1-3-69
52. श्री सोमेश चन्द्र देव	.	-वही-	-वही-	1-3-69
53. श्री श्यामलेश शेटर्जी	.	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69
54. श्री मानिक चन्द्र दाम	.	-वही-	-वही-	1-3-69
55. श्री नरेश चन्द्र भौमिक	.	-वही-	-वही-	1-3-69
56. श्री गिरिन्द्र कुमार पुरकायस्थ	.	एस० टी० एम०	एस० टी० एम०	1-3-69
57. श्री जयनारायण यादव	.	-वही-	-वही-	1-3-69
58. श्री कल्याणमय सेन	.	-वही-	-वही-	1-3-69
59. श्री कल्याण कुमार बंस	.	-वही-	-वही-	1-3-69
60. श्री नन्द लाल राय	.	-वही-	-वही-	1-3-69
61. श्री नगेन्द्र साहू	.	-वही-	-वही-	1-3-69
62. श्री नारायण च० बनर्जी	.	-वही-	-वही-	1-3-69
63. श्री पंचानन मिह्रा	.	-वही-	-वही-	1-3-69
64. श्री प्रणय कुमार शेटर्जी	.	-वही-	-वही-	1-3-69
65. श्री पुष्पा २० मुखर्जी	.	-वही-	-वही-	1-3-69
66. श्री पर्वत के० चक्रवर्ती	.	-वही-	-वही-	1-3-69
67. श्री प्रदीप के० भट्टाचार्य	.	-वही-	-वही-	1-3-69
68. श्री पद्मपती नाथ चन्द्र	.	-वही-	-वही-	1-3-69
69. श्री प्रद्युम्न के० मिश्र	.	-वही-	-वही-	1-3-69
70. श्री प्रद्युम्न नाथ राय	.	-वही-	-वही-	1-3-69
71. श्री प्रबोध के० दास० नसकर	.	बौकीदार	-वही-	1-3-69
72. श्री पर्वत के० भट्टाचार्य	.	-वही-	-वही-	1-3-69
73. श्री काली साधन बनर्जी	.	डस्टिंग ऑपरेटर	-वही-	1-3-69
74. श्री विभूति भूषण शेटर्जी	.	-वही-	-वही-	1-3-69
75. श्री धीरेन्द्र राय चौधरी	.	-वही-	-वही-	1-3-69
76. श्री रमेश नाथ बनर्जी	.	डस्टिंग ऑपरेटर	एस० टी० एम०	1-3-69
77. श्री मुबोध आर० दाम	.	-वही-	-वही-	1-3-69
78. श्री सुवर्धन मंडल	.	-वही-	-वही-	1-3-69
79. श्री सान्नी आर० दे	.	-वही-	-वही-	1-3-69
80. श्री मुनिल आर० पाल	.	-वही-	-वही-	1-3-69
81. श्री सेलेन्द्र एन० सरकार	.	-वही-	-वही-	1-3-69
82. श्री शंकर लाल मुखर्जी	.	-वही-	-वही-	1-3-69
83. श्री सतीश च० घोष	.	-वही-	-वही-	1-3-69
84. श्री सुधीश च० करान	.	-वही-	-वही-	1-3-69

1	2	3	4	5
85.	श्री सुधांगु कु० मिश्र .	डिस्टिंग्शिएडर	एस०डी०एम०	1-3-69
86.	श्री तरुण कुमार भादुरी .	-वही-	-वही-	1-3-69
87.	श्री निरापद विमवास .	स्टिचर	-वही-	1-3-69
88.	श्री ऊमा प्रसाद हलधर .	-वही-	वरिष्ठ सुपरवाइजर	1-3-69
89.	श्री चित्त प्रार० दास .	-वही-	-वही-	1-3-69
90.	श्री गोविन्द प्रसाद पाल .	डिस्टिंग्शिएडर	वरिष्ठ सुपरवाइजर	1-3-69
91.	श्री कलाचन्द गंगुली .	-वही-	-वही-	1-3-69
92.	श्री फानी भूषण सन्तारा .	-वही-	-वही-	1-3-69
93.	श्री ए० के० मिश्र .	एस० जी० के०	गुण निरीक्षक	1-3-69
94.	श्री आमिया प्रार० राय .	—	कनिष्ठ क्लर्क	1-3-69
95.	श्री सुनिष के० चौधरी .	वरिष्ठ क्लर्क	वेच्चापाल	1-3-69
96.	श्री सुरेन्द्रनाथ घटर्जी .	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69
97.	श्री निहार रंजन बनर्जी .	-वही-	-वही-	1-3-69
98.	श्री रुचल सिंह .	स्टिचर	चौकीदार	1-3-69
99.	श्री राम मोघ .	स्टिचर	चौकीदार	1-3-69
100.	श्री राम नरेश सिंह .	-वही-	-वही-	1-3-69
101.	श्री रामफल साहवी .	स्वीपर	स्वीपर	1-3-69
102.	श्री राम सहाय मिहिर .	चौकीदार	चौकीदार	1-3-69
103.	श्री निर्धन रोथ -वही-	-वही-	-वही-	1-3-69
104.	श्री दल बहादुर संथर .	-वही-	-वही-	1-3-69
105.	श्री कृष्ण बहादुर (I) .	-वही-	-वही-	1-3-69
106.	श्री मन बहादुर चेली .	-वही-	स्वीपर	1-3-69
107.	श्री अमन लाल .	स्वीपर	-वही-	1-3-69
108.	श्री सेने लाल .	-वही-	-वही-	1-3-69
109.	श्री राम नाथ राम .	-वही-	अपरासी	1-3-69
110.	श्री सुधीर कु० मिश्र .	-वही-	-वही-	1-3-69
111.	श्री सुकुमार दाम .	-वही-	-वही-	1-3-69
112.	श्री तरबहादुर करकी .	-वही-	-वही-	1-3-69
113.	श्री बली मोहम्मद खान .	अपरासी	-वही-	1-3-69
114.	श्री चन्द्र सिंह गुरंग .	चौकीदार	चौकीदार	1-3-69
115.	श्री नन्दादु लाल घटर्जी .	-वही-	-वही-	1-3-69
116.	श्री रतन लाल थापा .	-वही-	-वही-	1-3-69

[फाइल सं० 52/8/73-एफ०सी० III (वाल्सूम 8)]

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 21st May, 1977

S.O. 2208.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directors of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-Section (1) of section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfers the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

S. No.	Name of the officer/employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the FCI
1	2	3	4	5
1.	Shri J.S. Joshan	Dy. Director	Dy. Director	8-4-69
2.	„ P. Singh J. Singh	Godown Supdt.	Asstt. Director	1-3-69
3.	„ K. Raghunath Rao	—	Quality Inspector Grade-I.	1-3-69
4.	„ C.N. Panik	Weighment Clerk	Junior Godown Keeper	1-3-69
5.	„ Bedram Kashyap	—	Watchman	1-3-69
6.	„ Satyanand	—	Stitcher	1-3-69
7.	„ Bom Satya	—	Dusting Operator	1-3-69
8.	„ K.R. Rathod	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
9.	„ J.G. Kamdar	Fumigation Asstt.	Tech. Assistant	1-3-69
10.	„ Fateh Mohammad	—	Godown Clerk	1-3-69
11.	„ S.C. Mitra	—	Senior Godown Keeper	1-3-69
12.	„ B.P. Sengupta	Junior Godown Keeper	Do.	1-3-69
13.	„ Ramendra Narayan Roy	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
14.	„ Niranjana Bhattacharjee	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
15.	„ Jitendra Lal Das	Watchman	Watchman	1-3-69
16.	„ P.C. Sarkar	Dusting Operator	Do.	1-3-69
17.	„ Jagannath Majumder	Junior Godown Keeper	D. Inspector	1-3-69
18.	„ Kanak Ch. Das	—	Peon	1-3-69
19.	„ Madhusudan Goswami	Stitcher	Watchman	1-3-69
20.	„ Satyanarayan Upadhyay	Watchman	Do.	1-3-69
21.	„ Madan Gopal Gupta	Do.	Do.	1-3-69
22.	„ Krishna Bahadur Chetri	Dusting Operator	Dusting Operator	1-3-69
23.	„ Paresh Ch. Sarkar	Sweeper	Peon	1-3-69
24.	„ Sadhan Kr. Das	Watchman	Watchman	1-3-69
25.	„ Pravat Kr. Roy Choudhury	Do.	Do.	1-3-69
26.	„ S.K. Deb	T.A.	Tech. Officer	1-3-69
27.	„ A.K. Bose	Senior Godown Keeper	Godown Supdt.	1-3-69
28.	„ Kartick Ch. Roy	Do.	Do.	1-3-69
29.	„ N.K. Lahiri	Do.	Hd. Elect.	1-3-69
30.	„ R.K. Roy	Do.	M.C.O.	1-3-69
31.	„ S.K. Mukherjee	Do.	Hd. Elect.	1-3-69
32.	„ S.K. Ganguly	Do.	Do.	1-3-69
33.	„ Bimal Kr. Bakshi	Senior Clerk	Senior Clerk	1-3-69
34.	„ Manoranjan Acharjee	Do.	Do.	1-3-69
35.	„ Taradas Chatterjee	Junior Clerk	Do.	1-3-69
36.	„ Bijoy Mohan Chatterjee	Junior Godown Keeper	D. Inspector	1-3-69
37.	„ Sallendra Nath Basu	Do.	Do.	1-3-69
38.	„ Chandreswar Prasad	Senior Godown Keeper	Do.	1-3-69
39.	„ S. Paswan	Do.	Do.	1-3-69
40.	„ J. Bhattacharjee	Do.	Do.	1-3-69
41.	„ Ramkrishna Kar	Junior Godown Keeper	Senior Godown Keeper	1-3-69
42.	„ B.K. Mukherjee	Do.	Do.	1-3-69
43.	„ Kashinath Mallick	Godown Clerk	Do.	1-3-69
44.	„ Dandidhar Mondal	Do.	Do.	1-3-69
45.	„ S.C. Mitra	Weighman	Do.	1-3-69
46.	„ Mohit Mohan Roy	Junior Godown Keeper	Do.	1-3-69
47.	„ Bibhuti Bhusan Bhar	—	Q.I. Gr. I.	1-3-69
48.	„ Ram Nath Muchi	Senior Godown Keeper	Senior Godown Keeper	1-3-69
49.	„ Shanti Rn. Chakraborty (II)	Do.	Do.	1-3-69
50.	„ Nanda Dulal Sarkar	Junior Godown Keeper	Junior Godown Keeper	1-3-69
51.	„ Bimal Kr. Bhattacharjee	Junior Clerk	Junior Clerk	1-3-69
52.	„ Suresh Ch. Deb	Do.	Do.	1-3-69

1	2	3	4	5
53.	Shri Shyamalesh Chatterjee	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
54.	„ Manick Ch. Das	Do.	Do.	1-3-69
55.	„ Naresh Ch. Bhowmick	Do.	Do.	1-3-69
56.	„ Girindra Kr. Purakayasth	S.T.M.	S.T.M.	1-3-69
57.	„ Joy Narayan Jadav	S.T.M.	S.T.M.	1-3-69
58.	„ Karunamoy Sen	Do.	Do.	1-3-69
59.	„ Kalyan Kr. Bose	Do.	Do.	1-3-69
60.	„ Nanda Lal Roy	Do.	Do.	1-3-69
61.	„ Nagendra Nandy	Do.	Do.	1-3-69
62.	„ Narayan Ch. Banerjee	Do.	Do.	1-3-69
63.	„ Panchanan Sinha	Do.	Do.	1-3-60
64.	„ Pranay Kr. Chatterjee	Do.	Do.	1-3-69
65.	„ Puspa Rn. Mukherjee	Do.	Do.	1-3-69
66.	„ Pravat Kr. Chakraborty	Do.	Do.	1-3-69
67.	„ Pradip Kr. Bhattacharjee	Do.	Do.	1-3-69
68.	„ Pashupati Nath Chandra	Do.	Do.	1-3-69
69.	„ Pradyut Kr. Mitra	Do.	Do.	1-3-69
70.	„ Pradyut Nath Roy	Do.	Do.	1-3-69
71.	„ Prabodh Kr. Das Nashar	Watchman	Do.	1-3-69
72.	„ Pravat Kr. Bhattacharjee	Do.	Do.	1-3-69
73.	„ Kail Sadhan Banerjee	Dusting Operator	Do.	1-3-69
74.	„ Bibhuti Bhusan Chatterjee	Do.	Do.	1-3-69
75.	„ Dharendra Roy Choudhury	Do.	Do.	1-3-62
76.	„ Ramendranath Banerjee	Do.	Do.	1-3-69
77.	„ Subodh Rn. Das	Do.	Do.	1-3-69
78.	„ Sudarsan Mondal	Do.	Do.	1-3-69
79.	„ Santi Rn. De	Do.	Do.	1-3-69
80.	„ Sunil Rn. Paul	Do.	Do.	1-3-69
81.	„ Sailendra Na. Sarkar	Do.	Do.	1-3-69
82.	„ Sankar Lal Mukherjee	Do.	Do.	1-3-69
83.	„ Satish Ch. Ghosh	Do.	Do.	1-3-69
84.	„ Subodh Ch. Karar	Do.	Do.	1-3-69
85.	„ Sudhangu Kr. Mitra	Do.	Do.	1-3-69
86.	„ Tarun Kr. Bhaduri	Do.	Do.	1-3-69
87.	„ Nirapada Biswas	Stitcher	Do.	1-3-69
88.	„ Uma Prosad Halder	Do.	Do.	1-3-69
89.	„ Chitra Rn. Das	Do.	S. Supervisor	1-3-69
90.	„ Gobinda Pd. Pal	Do.	Do.	1-3-69
91.	„ Kalachand Ganguly	Do.	Do.	1-3-69
92.	„ Phani Bhusan Santra	Do.	Do.	1-3-69
93.	„ A.K. Mitra	S.G.K.	Q.I.	1-3-69
94.	„ Amiya Rn. Roy	—	Jr. Clerk	1-3-69
95.	„ Sunil Kr. Roychoudhury	Sr. Clerk	Accountant	1-3-69
96.	„ Sourendra Nath Chatterjee	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
97.	„ Nihar Ranjan Banerjee	Do.	Do.	1-3-69
98.	„ Rudal Singh	Stitcher	Watchman	1-3-69
99.	„ Ram Audh	Do.	Do.	1-3-69
100.	„ Ram Naresh Singh	Do.	Do.	1-3-69
101.	„ Ramphal Sahani	Sweeper	Sweeper	1-3-69
102.	„ Ram Sahai Mihiri	Watchman	Watchman	1-3-69
103.	„ Nirdhan Routh	Do.	Do.	1-3-69
104.	„ Dal Bahadur Sanwar	Do.	Do.	1-3-69
105.	„ Krishna Bahadur (I)	Do.	Do.	1-3-69
106.	„ Man Bahadur Chettry	Do.	Do.	1-3-69
107.	„ Chaman Lal	Sweeper	Sweeper	1-3-69
108.	„ Sonelal	Do.	Do.	1-3-69
109.	„ Ram Nath Ram	Do.	Peon	1-3-69
110.	„ Sudhir Kr. Mitra	Do.	Do.	1-3-69
111.	„ Sukumar Das	Do.	Do.	1-3-69
112.	„ Nar Bahadur Karki	Do.	Do.	1-3-69
113.	„ Wali Mohammad Khan	Peon	Peon	1-3-69
114.	„ Chandra Singh Gurung	Watchman	Watchman	1-3-69

1	2	3	4	5
115.	„ Nanda Dulal Chatterjee	Watchman	Watchman	1-3-69
116.	„ Ratan Lal Thapa	Do.	Do.	1-3-69

[No. 52/8/73-FC-III(Vol. VIII)]

प्रादेश

नई दिल्ली, 6 जून, 1977

क्र० प्र० 2209.—यतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाय निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किये जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारण, संचलन, परिवहन, विपणन तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बन्द कर दिया है जोकि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य है।

और यतः खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाय निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरिर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उसमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अतः अब खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित, की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है :—

क्रम सं०	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन किस पद पर स्थायी है ?	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के किस पद पर थे	भारतीय खाद्य निगम को स्थानान्तरण की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	श्री बी० आर० डाल	एम० ए०एस० लेखापाल	लेखापाल	15-6-70
2.	श्री पी० एन० मेहरा	उच्च श्रेणी लिपिक	—वही—	2-4-70
3.	श्री बी० पी० भटनागर	—वही—	—वही—	1-3-69
4.	श्री के० पी० भागंब	एम० ए०एस० लेखापाल	—वही—	26-5-69
5.	श्री ओ० पी० गुप्त	उच्च श्रेणी लिपिक	—वही—	26-4-69
6.	श्री बी० एल० मलहोत्रा	एम० ए०एस० लेखापाल	लेखापाल	5-5-70
7.	श्री के० एम० गुप्त	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	12-5-70
8.	श्री जे० एस० शर्मा	—वही—	वरिष्ठ गोदाम लिपिक	12-5-70
9.	श्री एच० सी० गुप्त	—वही—	उच्च श्रेणी लिपिक	3-4-70
10.	श्री ए० एस० गुप्त	वरिष्ठ गोदाम लिपिक	वरिष्ठ गोदाम लिपिक	12-5-70
11.	श्री ए० के० कोले	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	3-4-70
12.	श्री बी० एम० आनन्द	—वही—	—वही—	7-12-70
13.	श्री पी० सी० मकसूना	—वही—	—वही—	1-4-70
14.	श्री नागेण्डुबे	—वही—	—वही—	1-4-69
15.	श्री एस० के० जैन	—वही—	—वही—	1-4-69
16.	श्री ए० एस० निगम	—	—वही—	1-3-69
17.	श्री पी० एल० सिधल	उच्च श्रेणी लिपिक	—वही—	25-4-69
18.	श्री सुखबीर सिंह	—वही—	—वही—	1-3-69
19.	श्री जो० एस० बन्दवान	—वही—	—वही—	7-12-70
20.	श्री बी० के० शर्मा	—वही—	—वही—	26-4-69
21.	श्री परमजीत सिंह	—वही—	—वही—	21-7-69
22.	श्री के० बी० एन० सम्बूदरी	—वही—	—वही—	2-4-69
23.	श्री बी० पी० जैमिनी	—वही—	—वही—	3-4-70
24.	श्री ओ० पी० बावेजा	—	स्टेनोग्राफर	7-12-70
25.	श्री के० के० किशन	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	1-4-69
26.	श्री मोहन लाल	—	—वही—	25-11-69
27.	श्री पद्मा लाल	निम्न श्रेणी लिपिक	—वही—	24-3-70
28.	श्री वीरी लाल	उच्च श्रेणी लिपिक	—वही—	24-3-70
29.	श्री बी० पी० भाटिया	—वही—	—वही—	12-5-70
30.	श्री सहिन्द्र सिंह	—	—वही—	26-4-69
31.	श्री आई० जे० राजपूत	उच्च श्रेणी लिपिक	—वही—	12-5-70

1	2	3	4	5
32.	कुमारी जगजीत कौर भुग	उच्च श्रेणी लिपिक	उच्च श्रेणी लिपिक	1-3-69
33.	श्री ए० एल० कपूर	-वही-	-वही-	27-4-70
34.	श्री कृष्ण बन्द	-वही-	-वही-	3-4-70
35.	श्री जी० डी० जोशी	एस० ए० एस० लेखापाल	सहायक बेतन तथा लेखा अधिकारी	1-3-69

[फा० सं० 52/4/71-एफ० सी०-III (बाल्यूस 8)]

बाकशी राम, उप-सचिव

ORDER

New Delhi, the 6th June, 1977

S.O. 2209.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directors of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Officer of the Department of Food which under Section 13 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India ;

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-section (1) of Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfers the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

Sl. No.	Name of the officer/employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the FCI
1	2	3	4	5
1.	Shri B.R. Dhall	SAS Accountant	Accountant	15-6-70
2.	„ P.N. Mehra	U.D.C.	Do.	2-4-70
3.	„ V.P. Bhatnagar	Do.	Do.	1-3-69
4.	„ K.P. Bhargava	SAS Accountant	Do.	26-4-69
5.	„ O.P. Gupta	U.D.C.	Do.	26-4-69
6.	„ B.L. Malhotra	SAS Accountant	Do.	5-5-70
7.	„ K.S. Gupta	U.D.C.	U.D.C.	12-5-70
8.	„ J.S. Sharma	Do.	SGC	12-5-70
9.	„ H.C. Gupta	Do.	U.D.C.	3-4-70
10.	„ A.S. Gupta	SGC	SGC	12-5-70
11.	„ A.K. Kolay	U.D.C.	U.D.C.	3-4-70
12.	„ B.M. Anand	Do.	Do.	7-12-70
13.	„ P.C. Saxena	Do.	Do.	1-4-70
14.	„ Nagesh Dubey	Do.	Do.	1-4-69
15.	„ S.K. Jain	—	Do.	1-4-69
16.	„ A.S. Nigam	—	Do.	1-3-69
17.	„ P.L. Singhal	U.D.C.	Do.	25-4-69
18.	„ Sukhbir Singh	Do.	Do.	1-3-69
19.	„ G.S. Chandwan	Do.	Do.	7-12-70
20.	„ V.K. Sharma	Do.	Do.	26-4-69
21.	„ Paramjit Singh	Do.	Do.	21-7-69
22.	„ K.V.N. Nambodiri	Do.	Do.	2-4-69
23.	„ V.P. Jainini	Do.	Do.	3-4-70
24.	„ O.P. Baveja	—	Stenographer	7-12-70
25.	„ K.K. Kital	U.D.C.	U.D.C.	1-4-69
26.	„ Mohan Lal	—	Do.	25-11-69
27.	„ Panna Lal	L.D.C.	Do.	24-3-70
28.	„ Dori Lal	U.D.C.	Do.	24-3-70
29.	„ V.P. Bhatia	Do.	Do.	12-5-70
30.	„ Mahindera Singh	—	Do.	26-4-69
31.	„ I.J. Rajput	U.D.C.	Do.	12-5-70
32.	Miss Jagjit Kaur Chugh	Do.	Do.	1-3-69
33.	Shri A.L. Kapoor	Do.	Do.	27-4-70
34.	„ Krishan Chand	Do.	Do.	3-4-70
35.	„ G.D. Joshy	SAS Accountant	Asstt. Pay & Accounts Officer	1-3-69

[No. 52/4/71-FC. III(Vol. VII)]
BAKHSI RAM, Dy. Secy.

संस्कृत विभाग

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 17 जून, 1977

का० प्रा० 2210—केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3 उपखण्ड (ii), तारीख 27 नवम्बर, 1976 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग की अधिसूचना सं० का० प्रा०-4513, तारीख 8 नवम्बर, 1976 द्वारा उक्त अधिसूचना की अनुसूची में वर्णित कनिष्ठ संस्मारकों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय को दो मास की सूचना दी थी और अधिसूचना की एक प्रति प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और भवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (i) की अपेक्षानुसार उक्त प्राचीन संस्मारकों के निकट सहज दृश्य स्थान पर लगा दी गई थी ;

और उक्त राजपत्र जनता को 29 नवम्बर, 1976 को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और जनता से कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारकों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	राजस्व भूखंड संख्याएं, जिन्हें संरक्षण में लिये जाने की प्रस्थापना है	क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
मध्य प्रदेश	रायसेन	रायसेन	मुरेलखुर्द	नीचे दिये गये स्थल रेखांक में यथा वर्णित बौद्ध स्तूप, जिसके साथ सर्वेक्षण प्लाट सं० 29, तथा 30, 34, 35 और 36 के भाग के भूतगत होने वाले क्षेत्र हैं।	नीचे दिये गये स्थल रेखांक में यथा वर्णित सर्वेक्षण प्लाट सं० 29, सर्वेक्षण प्लाट सं० 30, 34 35 और 36 के भाग	164.00 एकड़	उत्तर : सर्वेक्षण प्लाट सं० 30, 34, 35 का शेष भाग। पूर्व : सर्वेक्षण प्लाट सं० 35 और 36 का शेष भाग। दक्षिण : सर्वेक्षण प्लाट सं० 36 का शेष भाग और सर्वेक्षण प्लाट सं० 26, पश्चिम : सर्वेक्षण प्लाट सं० 27 और 28	वन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार	अनुसूची में दी गई सर्वेक्षण प्लाट संख्याएं, वन सर्वेक्षण मान चित्र के अनुसार हैं।

[सं० 2/22/72-एम०]

DEPARTMENT OF CULTURE

(Archaeological Survey of India)

New Delhi, the 17th June, 1977

S. O. 2210—Whereas by the notification of the Government of India, in the Department of Culture No. S.O. 4513, dated the 8th November, 1976 published in Part II, section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 27th November, 1976, the Central Government gave two months notice of its intention to declare certain ancient monuments specified in the said notification to be of national importance, and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monuments as required by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958);

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 29th November, 1976.

And whereas no objections have been received from the public, ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the ancient monuments, specified in the Schedule below to be of national importance.

SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of the Monument	Revenue plot numbers proposed to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Madhya Pradesh	Raisen	Raisen	Murel Khurd	Buddhist stupas together with the area comprised in Survey plot number 29, parts of 30, 34, 35 and 36 as shown in the site plan reproduced below.	Survey plot number 29, parts of Survey plot number 30, 34, 35 and 36 as shown in the site plan reproduced below	164.00 acres	North : remaining portion of Survey plot number 30, 34 and 35; East: Remaining portion of Survey plot numbers 35 & 36. South: Remaining portion of survey plot number 36 and survey plot No. 26. West: Survey plot numbers 27 & 28.	Forest Department, Madhya Pradesh Government.	The Survey plot numbers given in the schedule are as per Forest Survey Map.

[No. 2/22/72-M]

(पुरातत्व)

का० प्रा० 2211—केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 4 मितम्बर, 1976 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग की अधिसूचना संख्या का०प्रा० 4612, तारीख 2 नवम्बर, 1976 द्वारा उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट कतिपय संस्मारकों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रति प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (i) की अपेक्षानुसार उक्त प्राचीन संस्मारकों के निकट सहजदृश्य स्थान पर लगा दी गयी थी ;

और उक्त राजपत्र जनता की 7 दिसम्बर, 1976 को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और जनता से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए नीचे की अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारकों की राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है ।

अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	इलाका	संस्मारक का नाम	संरक्षण में लिये जाने वाले राजस्व प्लॉट की संख्या	क्षेत्र	सीमा	स्वामित्व	टिप्पण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
मध्य प्रदेश	रायसेन	रायसेन	बावलिया और हकीम खेड़ी	तीर्थ पुनः उद्घाटन स्थल रेखांक में यथावर्णित बौद्ध स्तूप और अवशेष जिसमें बावलिया गांव के सर्वेक्षण प्लॉट सं० 152 और 153 के भागों में और हकीम खेड़ी गांव के सर्वेक्षण प्लॉट सं० 42, 43, 44 और 45 के भागों में समाविष्ट उनके पार्श्ववर्ती क्षेत्र सम्मिलित हैं ।	तीर्थ पुनः उद्घाटन स्थल रेखांक में यथावर्णित बावलिया गांव के सर्वेक्षण प्लॉट सं० 152 और 153 के भाग और हकीम खेड़ी गांव के सर्वेक्षण प्लॉट सं० 42, 43, 44 और 45 के भाग ।	45.50 एकड़ (18.4) हेक्टेयर	उत्तर : बावलिया ग्राम के सर्वेक्षण प्लॉट संख्या 152 का अवशिष्ट भाग पूर्व : बावलिया ग्राम के सर्वेक्षण प्लॉट सं० 152 और 153 और हकीम खेड़ी ग्राम के सर्वेक्षण प्लॉट सं० 45 के अवशिष्ट भाग । दक्षिण : हकीम खेड़ी ग्राम के सर्वेक्षण प्लॉट संख्या 44 और 42 के अवशिष्ट भाग, पश्चिम : हकीम खेड़ी ग्राम के सर्वेक्षण प्लॉट संख्या 42 और 43 के अवशिष्ट भाग और पाड़रिया और कारहीड ग्रामों की सीमाएं ।	वन विभाग	

[सं० 2/23/72-एम०]

म०स० देशपांडे, सहनिर्देशक और पदेन संयुक्त सचिव

(ARCHAEOLOGY)

S. O. 2211—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture No. S.O. 4612, dated the 2nd November 1976, published in part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 4th December, 1976, the Central Government gave two months notice of its intention to declare certain monuments specified in the said notification to be of national importance, and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monuments as required by Sub-section (1) of Section 4 of the Ancient monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958).

And, whereas the said Gazette made available to the public on 7th December, 1976.

And whereas no objections have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of Section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the ancient monuments specified in the schedule below to be of national importance.

SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of monument	Revenue plot No. to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Madhya Pradesh	Raisen	Raisen	Bawalia & Hakeemkhedi	Buddhist stupas and remains together with the adjacent area comprised in parts of Survey plot Nos. 152 & 153 of Bawalia village and parts of survey plot Nos. 42, 43, 44 & 45 of Hakeemkhedi village as shown in the site plan reproduced below.	Parts of survey plot Nos. 152 & 153 of Bawalia village and parts of survey plot Nos. 42, 43, 44 & 45 of Hakeemkhedi village as shown in the site plan reproduced below	45.50 acres (18.41) Hectares.	North : Remaining part of survey plot No. 152 of Bawalia village East : Remaining Parts of Survey plot Nos. 152 & 153 of Bawalia village and part of survey plot No. 45 of Hakeemkhedi village South : Remaining parts of survey plot Nos. 44 and 42 of Hakeemkhedi village West : Remaining Parts of Survey plot Nos. 42 & 43 of Hakeemkhedi village and village boundary of Padariya and Karhod villages.	Forest Department.	

[No. 2/23/72-M]

M. N. DESHPANDE, Director General and Ex-officio J. Secy.

**नौवहन और परिवहन मंत्रालय
(परिवहन पक्ष)**

नई दिल्ली, 17 जून, 1977

क्रा० प्रा० 2212—श्री एन० आर० आयाजी को, भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० क्रा० प्रा० 2100, तारीख 21 जून, 1975 द्वारा स्थापित काण्डला डाक श्रम बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय में यह जांचनीय नहीं है कि वह उक्त बोर्ड के सदस्य के रूप में बने रहें;

और डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) नियम, 1962 के नियम 4 के उपनियम (5) के खंड (vi) के अधीन यह समझा जायेगा कि उन्होंने अपना पद रिक्त कर दिया है ;

प्रत., श्रम, केन्द्रीय सरकार, पूर्वोक्त नियम 4 के उपबन्धों के अनुसरण में, इस प्रकार हुई रिक्ति को अधिसूचित करती है ।

[सं० एल०जी० के०/2/77]

के० एल० गुप्ता, उप-सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 17th June, 1977

S.O. 2212.—Whereas Shri N. R. Ayachi was appointed as member of the Kandla Dock Labour Board established by the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 2100, dated the Twenty-first June, 1975;

And whereas in the opinion of the Central Government it is not desirable that he should continue to be a member of the said Board;

And whereas he shall be deemed to have vacated his office under clause (vi) of sub-rule (5) of rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of the aforesaid rule 4, the Central Government hereby notifies the vacancy so caused.

[No. LDK/2/77]

K. L. GUPTA, Dy. Secy.

पूर्ति और पुनर्वासि मंत्रालय

(पुनर्वासि विभाग)

नई दिल्ली, 2 जून, 1977

क्र० प्रा० 2213.—निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा हरियाणा राज्य के पुनर्वासि विभाग के उप सचिव श्री बी० पी० सहगल को, तत्काल प्रभाव से, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत या उसके द्वारा सहायक महाप्रभिरक्षक, निष्कांत सम्पत्ति को सौंपे गये कार्यों को निष्पादित करने के लिये सहायक महाप्रभिरक्षक, निष्कांत सम्पत्ति के रूप में नियुक्त करती है।

इस से इस विभाग की अधिसूचना संख्या 1(16)/विशेष सेल/75-एस० एस०-II, दिनांक 1-8-1975 को रद्द किया जाता है।

[संख्या 1(8)/विशेष सेल/77-एस० एस०-II]

बीना नाथ प्रसोजा, संयुक्त निदेशक

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 2nd June, 1977

S.O. 2213.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints Shri B. P. Sehgal, Deputy Secretary (Rehabilitation) in the Rehabilitation Department of the State Government of Haryana as Assistant Custodian General of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on such Assistant Custodian General by or under the said Act with immediate effect. This supersedes the notification No. 1(16)/Spl. Cell/75-S. S. II dated 1-8-75.

[No. 1(8)/Spl. Cell/77-S. S. II]

D. N. ASIJA, Jt. Director

नई दिल्ली, 3 जून, 1977

क्र० प्रा० 2214.—निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम 1950 (1950 का 31) की धारा 55 की उपधारा 3 द्वारा प्रदत्त महाप्रभिरक्षक की शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं इस विभाग की अधिसूचना संख्या 1(8)/विशेष सेल/77-एस० एस०-II, दिनांक 2 जून, 1977 द्वारा हरियाणा राज्य के लिये नियुक्त किए गये सहायक महाप्रभिरक्षक को महाप्रभिरक्षक की निम्न शक्तियाँ सौंपता हूँ :—

(1) अधिनियम की धारा 24 तथा 27 के अधीन शक्तियाँ।

(2) अधिनियम की धारा 10(2)(0) के अन्तर्गत किसी भी निष्कांत सम्पत्ति के हस्तान्तरण के अनुमोदन की शक्तियाँ।

(3) निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन (केन्द्रीय) नियम, 1955 के नियम 30-ए० के अन्तर्गत मामलों के हस्तान्तरण की शक्तियाँ।

(4) इससे इस विभाग की अधिसूचना संख्या 1(16)/विशेष सेल/75-एस० एस०-II, दिनांक 24-9-1975 को रद्द किया जाता है।

[संख्या 1(8)/विशेष सेल/77-एस० एस०-II]

अशोक चन्द्र बांड्योपाध्याय, महाप्रभिरक्षक

New Delhi, the 3rd June, 1977

S.O. 2214.—In exercise of the powers conferred on me as Custodian General by Sub-section 3 of Section 55 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), I do hereby delegate to the Assistant Custodian General for the State of Haryana, appointed vide this Department's notification No. 1(8)/Spl. Cell/77-S. S. II dated the 2nd June, 1977, the following powers of the Custodian General:—

(1) Powers under Section 24 and 27 of the Act.

(2) Powers of approval of transfer of any evacuee property under Section 10(2)(0) of the Act.

(3) Powers of transfer of cases under Rule 30-A of the Administration of Evacuee Property (Central) Rules, 1955.

(4) This supersedes notification No. 1(16)/Spl. Cell/75-S. S. II, dated 24-9-1975.

[No. 1(8)/Spl. Cell/77-S. S. II]

A. C. BANDYOPADHYAY, Custodian General.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 जून, 1977

क्र० प्रा० 2215.—केन्द्रीय सरकार, कर्माचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में यह निदेश देती है कि भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 2980 तारीख 26 जुलाई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “(केन्द्रीय सरकार द्वारा, धारा 10 की उप-धारा (1) के खंड (छ) के अधीन सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सा व्यवसायियों के संगठनों के साथ परामर्श करके, इस प्रयोजन हेतु नाम निर्देशित)” शीर्ष के नीचे मद 32 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर “आर्यवेदान पी० के० वत्तरियार, आर्यवेदानशाला, कोट्टक्कल, केरल” प्रविष्टि रखी जायेगी।

[संख्या यू०-16012/3/77-एच-I]

एस० एस० सहस्रनामान, उप सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 14th June, 1977

S.O. 2215.—In pursuance of Sub-section (1) of Section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby directs that the following amendment shall be made in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2980, dated the 26th July, 1976, namely:—

In the said notification under the heading “(Nominated by the Central Government under clause (g) of sub-section (1) of section 10, in consultation with Organisations of Medical Practitioners recognised by the Government, for the purpose)”, for the entry against item 32, the entry “Aryavaidyan P. K. Warriar, Arya Vaidyasala, Kottakkal, Kerala” shall be substituted.

[No. U-16012/3/77-HI]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

New Delhi, the 15th June, 1977

S.O. 2216.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Futwah-Islampur Light Railway Company Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th June, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 31 of 1975

(Ministry's Order No. L. 41011(3)/75-D. II(B), dated 8-9-1975)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Futwah-Islampur Light Railway Company Limited,

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice K. B. Srivastava, (Retd.), Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri Ranjit K. Das, Advocate.

For the Workmen—Shri Rama Shankar Singh, Yadav, Advocate, and, Shri K. S. Mukherjee, General Secretary, Bihar Martin Light Railway Mazdoor Congress, Arrah.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Railway.

Dated, the 3rd June, 1977

AWARD

Guput was a Trolleyman in the scale of pay of Rs. 61-1-80, Balak Das a Gang Khalasi in the scale of pay Rs. 61-1-80 and Ram Lakhan a Keyman in the scale of pay of Rs. 66.50-1.50-93.50 in the employment of the Futwah-Islampur Light Railway Company Limited. Guput, on his own request, was promoted as Chowkidar in the scale of pay of Rs. 66.50-1.50-93.50 by the letter Ext. M-1, dated March, 25, 1974. Balak Das was promoted as a Keyman for a period of six months in the scale of Rs. 66.50-1.50-93 by letter Ext. M-5 dated October 3, 1974. Ram Lakhan was promoted as a Mate for a period of six months in the scale of pay of Rs. 72-2-92-EB-3-116 by letter Ext. M-5/Ext. M-8 dated October 3, 1974. Guput was reverted to his substantive post of Trolleyman by letter Ext. M-4 dated May 28, 1975. Balak Das was reverted to his substantive post of Gang Khalasi by letter Ext. M-7 dated May 26, 1975 and Ram Lakhan was reverted to his substantive post of Keyman by letter Ext. M-10 dated May 26, 1975. They were thus reverted from higher officiating posts to lower substantive posts.

2. The reference is unfortunately inaccurate in the statement of facts in the schedule. It is the common case of both sides that Guput was reverted from the higher post of Chowkidar to the lower post of Trolleyman and Balak Das from the higher post of Keyman to the lower post of Gang Khalasi and Ram Lakhan from the higher post of Mate to the lower post of Keyman but the reference mention that they were reverted from their substantive lower posts to their officiating higher posts. It was urged, therefore on behalf of the Railway Company that, according to the schedule, there is no industrial dispute and the award should be that the reference is invalid. In the alternative, the Railway Company has pleaded that if the mis-statement of facts contained in the schedule is ignored, then also, their reversion from their higher officiating posts to their lower substantive posts was justified because after a period on trial, they were not found suitable for confirmation on the higher posts. The Bihar Martin Light Railway Mazdoor Congress has filed a very vague written statement from which it is difficult to make out as to what the real case is. The Congress has put in a demand for pay-

ment of arrears T.A. Bills, arrear salary and allowances etc. and has alleged that the aforesaid three workmen were reverted from higher posts to lower posts on account of their trade union activities and their reversion smacks of unfair labour practice and victimisation.

3. The Railway Company examined Kamal Kishore, the Assistant Engineer who has deposed what has been stated earlier in the narration of facts. He has further deposed that the work and conduct of these three workmen was very unsatisfactory in their promoted posts and they were given warnings and notices were issued to them to show cause against their proposed reversion and they were finally reverted after due consideration of their replies. His evidence appears to be correct. Ext. M-1 shows that the P.W. I. was asked to keep Guput's work under watch. Ext. M-2 is a letter dated November 28, 1974 which lists various misdemeanours on the part of Guput and asks him to submit his explanation before any action was taken against him. Ext. M-3 is another letter dated May 8, 1975 of a similar nature requiring him to submit an explanation. Ext. M-4 is a letter dated May 28, 1975 by which he was reverted to his substantive post as he did not submit any explanation in respect of the letter Ext. M-3. Ext. M-6 is a letter dated February 28, 1975. It required Balak Das to submit his explanation for non-compliance with a large number of orders mentioned therein and to show cause why he should not be reverted to his substantive post. Ext. M-7 is an order dated May 26, 1975 whereby he was reverted as his explanation was not found to be satisfactory. Ext. M-9 is a letter dated February 22, 1975 asking Ram Lakhan to submit his explanation in respect of a large number of matters. Ext. M-10 is a letter dated May 26, 1975 whereby Ram Lakhan was reverted to his substantive post in view of the fact that his explanation was found to be unsatisfactory. The Congress did not cross-examine Kamal Kishore and did not lead any evidence in rebuttal of his oral evidence or of the documentary evidence proved by him.

4. An application was moved by the Congress on April 26, 1977 wherein it is stated that the schedule to the reference contains mis-statement of facts which has rendered the reference itself as infructuous and meaningless, inasmuch as reversion from lower posts to higher posts has been mentioned in the schedule as reversion. It has been prayed that the Tribunal should amend this schedule or should approach the Ministry to correct it so that substantial justice is done. I do not think that there is any point made out in this application. It is true that the schedule is very unhappily worded in that it mentions reversion from lower posts to higher posts whereas it should have been reversion from higher posts to lower posts. I have ignored this inadvertent mistake because from the pleadings of the parties it is apparent that the dispute between them is with regard to reversion from higher posts to lower posts. However, these three workmen were holding the higher posts purely on a temporary basis and were liable to reversion if their work and conduct was found to be unsatisfactory. The Railway Company led evidence to show that their work and conduct was unsatisfactory and Kamal Kishore was not even cross-examined. The workmen or anyone else on their behalf did not enter the witness-box to prove that their work and conduct was satisfactory or that they were victims of unfair labour practice or of victimisation on account of their trade union activities. They did not even file the Standing Orders or any Booklet about their conditions of service to show that after having worked for a particular period they had become permanent and could not have been reverted except by way of punishment. In the circumstances, therefore, I am of the view that their reversions were justified and they are not entitled to any relief.

5. My award is that the action of the management of the Futwah-Islampur Light Railway Company Limited in reverting Guput, Balak Das and Ram Lakhan is justified and they are not entitled to any relief.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer,

[No. L-41011(3)/75-D. II(B)]

HARBANS BAHADUR, Desk Officer

S.O. 2217.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial

dispute between the employers in relation to the management of Messrs Thapar Intrafor Company of India Limited, Contractor, Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th June, 1977.

**CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD**

Reference No. 29 of 1977

(Old No. of C.G.I.T. No. 2 is Ref. 98 of 1975)

PRESENT :

Shri S. R. Sinha, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor, Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd., P.O. Jamadoba, Dt. Dhanbad,

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For Employers—Shri T. P. Chowdhury, Advocate.

For Workman—Shri J. D. Lal, Advocate.

INDUSTRY—Coal.

STATE—Bihar.

Dated, Dhanbad, the 7th June, 1977

AWARD

This is a reference U/S, 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, by the Government of India, Ministry of Labour under Order No. L-20012/100/75/D. III dated the 30th July, 1975. The schedule of reference is as follows :—

SCHEDULE

"Whether the management of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor, Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd., P.O. Jamadoba, Distt. Dhanbad, is justified in dismissing from service Shri R. S. Sarcar, Shotfirer, with effect from the 31st December, 1974 ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. The concerned workman is Shri R. S. Sarcar, Shotfirer and the point in issue is his dismissal with effect from 31st December, 1974 by the management of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor, Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd.

3. The reference was made by the Govt. on receipt of the failure report dated 7-6-75 sent by the A.L.C.(C) Dhanbad-II.

4. From the above it would appear that the concerned workman has been dismissed by M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor. Reference No. 5 of 1975 has been disposed of by the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad by an award dated 23-2-77. There were 36 workmen who were employed by M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd. in shaft sinking and drifts driving in various collieries of M/s. Oriental Coal Co. Ltd. They were also employed as Contractor for shaft sinking work in the Amlabad Colliery and when shaft sinking work in that colliery was completed, similar work was taken by the Contractor on contract in the Madhuband Colliery. When that work was finished or was about to be finished a contract for similar purpose was obtained by M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., at Jamadoba Colliery owned by M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd. The workmen were initially appointed in the Amlabad Colliery or in the Madhuband Colliery and were transferred to the shaft sinking job carried on by the Contractor in various collieries and their case was that throughout they continued to be the workmen of either the Amlabad Colliery or the Madhuband Colliery and never became the employees of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd.

5. When after nationalisation with effect from 1-5-72 the ownership of the above two collieries vested in M/s. Bharat Coking Coal Ltd., question of absorption of the workmen in

the nationalised collieries cropped up. On behalf of the Bharat Coking Coal Ltd., it was said that they were the employees of the Contractor which was wholly an independent company and there was no relationship of employer and employees between them and therefore question of their absorption did not arise.

6. The Learned Presiding Officer came to the conclusion that the 36 concerned workmen were actually the employees of the Amlabad and Madhuband Colliery which had been nationalised and owned by M/s. Bharat Coking Coal Ltd. He rejected the contention that they were the employees of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor and in fact their services had been transferred by the collieries to the Contractor and all along they had remained the employees of the collieries and not of the contractor.

7. Accordingly, an award was given reinstating the 36 concerned workmen with back wages. Shri R. S. Sarcar who is involved in the reference before me was also one of the concerned workmen. Copy of the award has been filed on behalf of the management.

8. There was Reference No. 23 of 1977 before the same Tribunal and the concerned workman was Krishna Dubey. Question was whether he was the employee of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., and whether the company was justified in dismissing him with effect from 31-12-74.

9. In Reference No. 5 of 1975 Sri Krishna Dubey was also one of the concerned workmen and as I have said above, award was given by Tribunal No. 1 ordering his reinstatement by M/s. Bharat Coking Coal Ltd., with back wages. On the basis of this award the Learned Presiding Officer of the Tribunal came to the conclusion that M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., was not justified in dismissing Krishna Dubey and as all the reliefs claimed by him have been granted in Reference No. 5 of 1975 he was not entitled to any relief in this reference. This reference has been published in the Gazette of India and copy has been filed here.

10. A petition has been filed on behalf of the management in the present reference praying to give an award in accordance with the award of the Central Govt. Industrial Tribunal No. 1 in Reference No. 5 of 1975.

11. I, therefore, hold that Shri R. S. Sarcar could not have been dismissed by M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor and he is entitled to reinstatement with back wages. The order of reinstatement with back wages with respect to him has already been passed in the award in Reference No. 5 of 1975.

12. My award is that the management of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., was not justified in dismissing Shri R. S. Sarcar, Shotfirer. The reliefs that could be granted to him in the matter of reinstatement, continuity of service and back wages, have already been granted by Tribunal No. 1 in Reference No. 5 of 1975. He is accordingly entitled to no relief in this reference.

S. R. SINHA, Presiding Officer.

[No. L-20012/100/75-DIII. A]

S.O. 2218.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kooridih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th June 1977.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD
Reference No. 23 of 1976**

PRESENT :

Shri S. R. Sinha, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kooridih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Sonardih, Distt. Dhanbad.

AND

Their workman represented by Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

APPEARANCES :

For Employers—Shri G. Prasad, Advocate.

For Workman—Shri S. Bose, Secretary of the Union.

INDUSTRY : Coal

STATE : Bihar

Dated, Dhanbad, the 4th June, 1977

AWARD

This is a reference U/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, by the Government of India, Ministry of Labour under Order No. L-20012/258/75/DHIA dated the 10th May, 1976. The Schedule of reference is as follows :—

SCHEDULE

"Whether keeping in view the duties performed over a long period of time by the workman Sri C. S. Tewary, the action of the management of the Kooridih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., in denying the designation and scale of pay of Loading Clerk to Shri C. S. Tewary, Loading Chaprasi, is justified ? If not, to what relief is the workman entitled and from what date ?"

2. The concerned workman is Shri C. S. Tewary who is claiming the designation of Loading Clerk and pay scale of that category. His claim is against the management of the Kooridih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. (B.C.C. Ltd.)

3. At the instance of the Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh the industrial dispute was raised by means of a letter dated 22-9-75 to the A.L.C. (C) Dhanbad-II. Notice was issued to the management on 22-9-75 and also to the other party to attend discussions on 8-10-75. I find that the conciliation could not be arrived at as both parties stuck to their own stand. Ultimately on 15th December, 75 failure report was submitted to the Government by the A.L.C., and the present reference was made.

4. On behalf of the workman it is said that he is employed in the Kooridih Colliery in the capacity of Loading Clerk since 1947 and on the date of nationalisation i.e. 1-5-72 he was working in that capacity and he worked as such thereafter. From 1st of January '74 new scale of pay was introduced by the management according to which Shri Tewary should have been placed in clerical Grade II scale of pay which is Rs. 378-18-522-24-570 by virtue of the nature of job performed by him, but was not placed in that grade, rather was paid wages admissible to a Loading Chaprasi.

5. It is further said that issue was raised before the management and inspite of assurance nothing was done. Thereafter through the union the workman represented his case before the A.L.C., but conciliation could not be arrived at.

6. It is contended that it is a well settled principle that a person when employed should be paid on the basis of the nature of job performed and on that principle the concerned workman who is performing the duties of Loading Clerk should be placed in clerical Grade II and given the appropriate scale.

7. On behalf of the management there is a written statement in which it is said that no dispute was ever raised directly with the management and the reference is also hit by the doctrine of laches, as the dispute was raised by the Union after unusual delay.

8. It is said that the Kooridih Colliery being a coking coal mine was taken over on 17-10-71 and nationalised on 1-5-72. At that time a programme of re-categorisation of all the employees was taken up and the job performed by each workman was examined carefully. In that process the concerned workman was found to have been working as a Loading Chaprasi since before the time of take over. Accordingly his designation and scale of pay were confirmed as that of a Loading Chaprasi. Till January '74 he continued in that scale when a dispute was raised before the A.L.C.

9. It is further said that by mistake manager of the colliery submitted a report about the duties of Sri Tewari and the Sub-Area Personnel Officer without proper verification agreed on 30-4-74 to place him in the grade of Rs. 180 (clerical) and to pay him the arrears. The whole question was examined by the Senior Officer and it was revealed that he had

never worked as a Loading Clerk. After the merger of Narainpur colliery with the Kooridih Colliery with effect from 1-6-73 another Loading Clerk became available and there were two Asstt. Loading Clerks in the colliery besides a Loading Clerk and a Loading Supervisor. Therefore, there was no occasion to utilise the service of Sri Tewary. He had no qualification required for a clerical job and never worked as a Loading Clerk.

10. It is contended that even if he had worked sometimes as a substitute in the post of a Loading Clerk, that by itself cannot create sufficient ground to justify his claim for the permanent post of a Loading Clerk. It is accordingly submitted that the concerned workman has no case and is entitled to no relief.

11. In support of his case, besides the workman himself who is WW-5, there are 4 other witnesses on his behalf namely WW-1 Sri Kashinath Singh, working as Loading Supervisor, WW-2 Md. Munsif Ansari working as underground Munshi, WW-3 Shri Shyamdeo Singh working as Night Guard and WW-4 Shri Birija Singh also working as Night Guard. Quite a good number of letters Exts. W-1 to W-1/6 have been produced beginning from 2-8-73 to 6th/7th August '76.

12. On behalf of the management Sri P. M. Mohnot, Supdt. of the mine has been examined and a letter Ext. M-1 dated 23-12-76 has been filed.

13. From the evidence of WW-1 we get that till 3-11-76 he had worked in the Kooridih Colliery as a Loading Supervisor. He says that during his period the concerned workman was working as a Loading Clerk and was under him. Sri R. C. Dhankhar and Sri S. P. Trivedi were also working as Loading Clerks besides him. He says that in Nowagarh siding and Tentulia siding it was only the concerned workman who used to look after the work of loading. The witness has referred to Ext. W-1/1 and has said that it will show that Sri Tewary was working as Loading Clerk. He has denied the managements suggestion that after the merger of the Kooridih and the Narainpur collieries the loading staff became surplus.

14. WW-2 has supported the case of the concerned workman. He says that he was working as a Loading Clerk and he had worked under him as Munshi for 2 1/2 years. It appears from his cross-examination that he was working in the Kooridih Colliery for the last ten years. It was in June '76 that he was deputed to work underground.

15. Identical is the evidence of WW-3 and WW-4. They say that the concerned workman was working as Loading Clerk. The former has stated that when wagons were placed while he was on duty he used to consult the manager as to who would be incharge of loading and on being told about the concerned workman he used to make over all the necessary papers to him. According to the latter till 1975 he was working in the Kooridih Colliery and the concerned workman was also working as a Loading Babu.

16. WW-5 supports his own case. Identical to the evidence of WW-1 he has stated that in the North Tentulia and Narainpur sidings there was no Loading Clerk except him. He says that Shri Kashinath Singh WW-1 is a Loading Supervisor in the Kooridih siding.

17. Evidence of MW-1 and the case made out in the written statement cannot stand scrutiny. The witness has said that at the time of nationalisation Shri Tewary was working as a Loading Chaprasi. He has further stated that he is working as Loading Chaprasi since thereafter. The witness joined this colliery on 20th of March '73 and he says that Shri Tewary was working as Loading Chaprasi since before he joined. He however, admits that during his time he was given the job of Loading Clerk in leave vacancy as he could manage it, but for writing job he used to depute a Munshi to help him because he felt that the concerned workman was not quite literate. According to him the duty of Loading Clerks is to get the wagons loaded in time, to supervise the work of loaders, to see that right quantity of coal or coke is loaded and to mark their attendance. He says that sometimes he used to manage the work of Loading Clerk of one siding and not of two sidings.

18. While in the written statement it is said that the concerned workman had never worked as Loading Clerk, MW-1 admits that he used to be deputed in leave vacancy to work as a Loading Clerk. In paragraph 7 of the written statement there is a reference about the report of the management and the recommendation of the Sub-Area Personnel Officer to place him in clerical grade of Rs. 180 per month. Had he not been working as a Clerk this recommendation could not have been made by the manager of the colliery who is the man on the spot and nobody can have better knowledge of the work and workman employed in the colliery than him. Therefore, if it is said in the written statement that he had never worked as a Loading Clerk it is contradicted by another paragraph of the written statement itself and also by MW-1. The management's witness has said that at the time of nationalisation and before that the concerned workman was working as a Loading Chaprasi and since after nationalisation he has been working in that capacity. There is no paper to show as to in which capacity he was working before, at the time and after nationalisation but we have on record Ext. W-1 dated 2-8-73, written by the manager to Sri Tewari, Sri R. C. Dhenekhal and Sri L. P. Trivedi asking them to mark attendance of wagon loaders in Form 'E' and to get it signed by him regularly. MW-1 has admitted that Sri Dhanekhal and Trivedi are Asstt. Loading Clerks and if along with them Sri Tewari has also been asked to mark attendance of wagon loaders, there can be no doubt that he was working as Asstt. Loading Clerk since after nationalisation and that falsifies the statement of MW-1.

19. There are so many other letters like W-1/1 dated 9-5-74 wherein Sri Tewari has been placed in overall charge of all siding in addition to looking after North Tetulia siding and Sri L. P. Trivedi, Sri Prasadi Gupta, Md. Ansari, Sri Suresh Noonina, Ramchandra Dhanekhal have been given particular sidings for particular hour and also rest day. It is further mentioned therein that whenever any wagon is placed in the siding immediate information shall be sent to Sri S. C. Tewari or Sri S. K. Bhattacharjee. Despatch Clerk, in the absence of Sri C. S. Tewari and Shri Tewari or Bhattacharjee will forward necessary information to the Sub-Area Manager's office. W-1/2 dated 13-9-74 is a letter from the manager, Kooridih Colliery to the Loading Supervisor and a copy has been forwarded to Sri C. S. Tewari, to Sri Dhanekhal and to Sri Trivedi. The Loading Supervisor has been asked to see that in registers of Form B & E as well as in wage sheets name and title of casual wagon loaders should be identical and not different. Ext. W-1/3 dated 23-5-75 is a letter from the Traffic Manager to all managers and to all Sub-Area Managers on the subject of penalty for loading coal wagons beyond permissible carrying capacity and copy has been forwarded to Sri C. S. Tewari describing him as Loading Clerk. Ext. W-1/4 is a letter dated 23-5-75 from the Traffic Manager to the Sub-Area Manager, Govindpur Sub-Area No. 5 on the subject of over-loading of box wagons loaded with coal for internal close circuit movement and copy has been forwarded to Sri C. S. Tewari describing him as Loading Clerk. Ext. W-1/5 is a letter from the Sub-Area Manager to the Manager, Govindpur, Akashkinaree and Kooridih Colliery regarding tentative rake programme for June '75 and a copy has been forwarded to Sri Tewari describing him as Loading Clerk. Ext. W-1/6 is a letter dated 6-8-76 from the Manager Kooridih Colliery to all Loading Clerks of Kooridih Colliery and Shri C. S. Tewari is No. 1 among all the Loading Clerks.

20. It would thus appear that besides the oral evidence documentary evidence is overwhelming on the point that the concerned workman has been working as Loading Clerk all along and not as substitute and the management's evidence regarding the same is not at all acceptable. Had he not been in a position to do the writing job, undoubtedly he could not have been allowed to work as Loading Clerk at least from 1973 to 1976 and even after the date of reference. There is a letter Ext. M-1 dated 23-12-76 from the Manager, Kooridih Colliery to Shri P. K. Burman, Junior Law Officer in reply to his letter dated 16-12-76 in which the same thing has been reiterated that he cannot maintain the records of wagon loading as he is not literate enough. No reliance however can be placed on this letter which has been created for the purpose of this case. The letters that I have referred to above establish beyond all doubts that the concerned workman is competent to work as a Loading Clerk and the

management has been always taking that work from him. Therefore, there can be no justification for the management of the Kooridih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., to deny him the designation and scale of pay of Loading Clerk and to place him in clerical grade II pay scale which is Rs. 378-18-522-24-570 with proper fitment effective from 1-1-74 as is mentioned in the written statement filed on his behalf.

21. The management has taken a point that the concerned workman has never made any demand directly with the management at any time. In paragraph 7 of the written statement filed on behalf of the workman it is said that he had raised the issue before the management and was assured about proper fixation of his scale which was never done and in paragraph 8 it has been stated that thereafter through the union he represented his case before the A.L.C. MW-1 has stated that they learnt about the Industrial Dispute of Shri Tewari when they received notice from the A.L.C.(C) Dhanbad and before that he had not made any demand with the management. WW-5 the concerned workman has not stated about it and nothing has been brought on record to establish that any demand was raised before the management prior to the raising of industrial dispute through the union before the A.L.C.(C) Dhanbad-II. In view of the specific plea taken by the management in the written statement, I think it was absolutely necessary for the workman to give at least some evidence, if not documentary certainly oral on the point. That having not been done it becomes doubtful if at all any demand was raised before the management. This in my opinion is almost fatal to the case of the workman.

22. Although on facts as it would appear from my discussions above, the workman is entitled to the relief claimed and the action of the management is not at all justified, this one defect is unsurmountable in view of the decisions of the Supreme Court and other High Courts. In this connection I may refer to the case of the Sindhu Resettlement Corporation Vs. Industrial Tribunal reported in Vol. 7, S.C.L.J. 792 wherein a similar question arose before their Lordships. It has been held therein that if an industrial dispute, as defined, has not at all been raised before the management any request sent by the employees to the Government would only be a demand by them and not an industrial dispute between them and their employer. What happened in this case was that the employees concerned had confined their demands to the management to retrenchment compensation only and did not make any demand for reinstatement. But the Government made the reference not only with respect to the retrenchment compensation but also concerning reinstatement. It was held by their Lordships that the Government could have made reference only relating to the payments of retrenchment compensation which was the only subject matter of dispute between the management and the employees concerned and the reference to the extent of the reinstatement matter was incompetent.

23. In the instant case the position is that although on facts the concerned workman has been found to be a Loading Clerk and is entitled to be designated and given the necessary pay scale, having failed to make a demand to the management before raising a dispute to the A.L.C.(C) Dhanbad-II he is entitled to no relief. That being so, it is not possible to say that the action of the management is unjustified.

This is my award.

S. R. SINHA, Presiding Officer

[No. L-20012/268/75-DIII. A]

S.O. 2219.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Govindpur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sonardih, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th June, 1977.

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 53 of 1977

(Old No. of C.G.I.T. No. 2 is Ref. 34 of 1976)

PRESENT :

Shri S. R. Sinha, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Govindpur Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Sonardih, Dist. Dhanbad.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For Employers—Officials.

For Workman—Sri Kuwar Singh, Branch Secretary, R.C.M.S.

INDUSTRY : Coal.

STATE : Bihar

Dated, Dhanbad, the 7th July, 1977

AWARD

This is a reference U/S 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, by the Government of India, Ministry of Labour under Order No. L-20012/283/75-D. IIIA dated the 30th June, 1976. The schedule of reference is as follows:—

SCHEDULE

"Whether the management of Govindpur Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Sonardih, Dist. Dhanbad was justified in striking off the name of Shri N. N. Goon, Bill Clerk from the rolls of New Govindpur Section of their colliery with effect from September, 1974 ? If not, to what relief is the workman entitled and from what date ?"

2. From the above it would appear that the dispute relates to Shri N. N. Goon, Bill Clerk of New Govindpur Section of the colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., and the issue is regarding the striking off his name from the rolls of the colliery with effect from September, 1974.

3. Record shows that after the failure of the workman to get his grievances redressed by the management, the Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh raised industrial dispute before the A.L.C.(C) Dhanbad-II and conciliation proceeding started. As no settlement could be arrived at, a failure report dated 17-12-1975 was submitted and then the present reference was made.

4. A joint compromise petition fixing terms and conditions of settlement has been filed and prayer is to dispose of the reference and to give an award in terms of the settlement.

5. The concerned workman has examined himself as WW-1. He has stated that he has entered into compromise with the management out of his free will and without any coercion. He says that he was dismissed from service with effect from September, 1974. He had gone on leave and on return he was not allowed to join. Subsequently at the instance of the Branch Secretary of the Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Kuwar Singh a settlement has been arrived at between the parties which is to his advantage and satisfaction.

6. Accordingly I give an award in terms of the compromise settlement and the terms of the settlement will form part of the award. This settlement has been signed by the workman himself and also by the Branch Secretary Sri Kuwar Singh and on behalf of the management by Sri R. K. Yashroy and Shri N. K. P. Sinha. I agree that the terms of settlement are to the advantage of the concerned workman.

7. Let an award be made in terms of settlement and the memorandum of settlement will form its part.

This is my award.

S. R. SINHA, Presiding Officer
[No. L-20012/283/75-DIII-A]

44 GI/77—8

FORM B RULE 58

Memorandum of Settlement

REPRESENTING THE WORKMAN :

1. Shri N. N. Goon (The Workman)

2. Shri Kuwar Singh (Branch Secretary, RCMS).

REPRESENTING THE MANAGEMENT :

1. Shri R. K. Yashroy, General Manager, Area No. 3.

2. Shri N. K. P. Sinha, Area Manager (Personnel), Area No. 3.

Short Recital of the Case.

The name of Shri N. N. Goon, Bill Clerk of Govindpur Colliery was struck off from the roll of the company for long absentensism. The workman controlled that he was sick and for which he also informed the management from time to time. After a prolonged discussion, both the parties agreed on the following terms.

Terms of Settlement

1. That the management agrees to reinstate Shri N. N. Goon on his original job within 15 days of his reporting for work to the Area Manager (Personnel), Area No. 3.

2. That the management agrees to treat the period of his idleness from 9-6-1972 to the date of his resumption as leave without pay for the purpose of continuity of service.

3. That the management agrees to pay rupees fifteen hundred only to Shri N. N. Goon within 10 days of his resumption of work.

4. That it is agreed by the parties that the dispute under the reference case No. 34 of 1976 with respect to Shri N. N. Goon pending before the Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad stands completely and finally resolved by this settlement and that the parties shall file a joint petition of compromise before the tribunal when the next date of the proceeding is fixed.

1. Shri N. N. Goon

1. Shri R. K. Yashroy

2. Shri Kuwar Singh

2. Shri N. K. P. Sinha

Witnesses :

1. Shri S. P. Singh

2. Shri P. K. Ghosh

Dated : 11-2-1977

S. R. SINHA, Presiding Officer

S.O. 2220.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Thapar Intrafor Company of India Limited, Contractor, Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th June, 1977.

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-
LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 28 of 1977

(Old No. of C.G.I.T. No. 2 is Ref. 96 of 1975)

PRESENT :

Shri S. R. Sinha, Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor, Jamadoba Colliery of M/s. T. I. S. Co. P.O. Jamadoba, Dist. Dhanbad.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For Employers—Shri T. P. Chowdhury, Advocate.

For Workman—Shri I. D. Lal, Advocate.

INDUSTRY : Coal.

STATE : Bihar.

Dated, Dhanbad, the 6th June, 1977

AWARD

This is a reference U/S 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, by the Government of India, Ministry of Labour under Order No. L-20012/99/75-D.III-A dated the 30th July, 1975. The schedule of reference is as follows :—

SCHEDULE

"Whether the management of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor, Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd., P.O. Jamadoba Dist. Dhanbad, is justified in dismissing from service Shri Chattar Singh, Loading Machine Driver, with effect from the 31st December, 1974 ? If not to what relief is the workman entitled ?"

2. The concerned workman is Shri Chattar Singh, Loading Machine Driver and the point in issue is his dismissal with effect from 31-12-1974 by the management of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor, Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd.

3. The reference was made by the Government on receipt of the failure report dated 7-6-1975 sent by the A.L.C. (C) Dhanbad-II.

4. From the above it would appear that the concerned workman has been dismissed by M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor. Reference No. 5 of 1975 has been disposed of by the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad by an award dated 23-2-1977. There were 36 workmen who were employed by M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., in shaft sinking and drifts driving in various collieries of M/s. Oriental Coal Co. Ltd. They were also employed as Contractor for shaft sinking work in the Amlabad Colliery and when shaft making work in that Colliery was completed, similar work was taken by the Contractor on contract in the Madhuband Colliery. When that work was finished or was about to be finished a contract for similar purpose was obtained by M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., at Jamadoba Colliery owned by M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd. The workmen were initially appointed in the Amlabad Colliery or in the Madhuband Colliery and were transferred to the shaft sinking job carried on by the Contractor in various collieries and their case was that throughout they continued to be the workmen of either the Amlabad Colliery or the Madhuband Colliery and never became the employees of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd.

5. When after nationalisation with effect from 1-5-1972 the ownership of the above two collieries vested in M/s. Bharat Coking Coal Ltd., question of absorption of the workmen in the nationalised collieries cropped up. On behalf of the Bharat Coking Coal Ltd., it was said that they were the employees of the Contractor which was wholly an independent company and there was no relationship of employer and employees between them and therefore question of their absorption did not arise.

6. The learned Presiding Officer came to the conclusion that the 36 concerned workmen were actually the employees of the Amlabad and Madhuband colliery which has been nationalised and owned by M/s. Bharat Coking Coal Ltd. He rejected the contention that they were the employees of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor and in fact their services had been transferred by the collieries to the Contractor and all along they had remained the employees of the collieries and not of the Contractor.

7. Accordingly, an award was given reinstating the 36 concerned workmen with back wages. Shri Chattar Singh who is involved in the reference before me was also one of the concerned workman. Copy of the award has been filed on behalf of the management.

8. There was Reference No. 23 of 1977 before the same Tribunal and the concerned workman was Krishna Dubey. Question was whether he was the employee of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., and whether the company was justified in dismissing him with effect from 31-12-1974.

9. In Reference No. 5 of 1975 Sri Krishna Dubey was one of the concerned workmen and as I have said above, award was given by Tribunal No. 1 ordering his reinstatement by M/s. Bharat Coking Coal Ltd., with back wages. On the basis of this award the Learned Presiding Officer of the Tribunal came to the conclusion that M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., was not justified in dismissing Krishna Dubey and as all the reliefs claimed by him have been granted in Reference No. 5 of 1975 he was not entitled to any relief in this reference. This reference has been published in the Gazette of India and copy has been filed here.

10. A petition has been filed on behalf of the management in the present reference praying to give an award in accordance with the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 in Reference No. 5 of 1975.

11. I, therefore, hold that Shri Chattar Singh could not have been dismissed by M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., Contractor and he is entitled to reinstatement with back wages. The order of reinstatement with back wages with respect to him has already been passed in the award in Reference No. 5 of 1975.

12. My award is that the management of M/s. Thapar Intrafor Co. of India Ltd., was not justified in dismissing Shri Chattar Singh, Loading Machine Driver. The reliefs that could be granted to him in the matter of reinstatement, continuity of service and back wages, have already been granted by Tribunal No. 1 in reference No. 5 of 1975. He is accordingly entitled to no relief in this reference.

S. R. SINHA, Presiding Officer

[No. L-20012/99/75-DII-A]

J. K. JAIN, Desk Officer

S.O. 2221.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relations to the management of Shri Hakim Ali, Mine Owner, Village and Post Office Budhpura, Distt. Bundi and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd June, 1977.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 3 of 1977

BETWEEN

The President Pathar Khan Mazdoor Sangh, E/3/97,
Near New Railway Colony, Kota-2. ...Workmen

AND

Shri Hakim Ali, Mine Owner, Village and Post Budhpura, District—Bundi. ...Management.

AWARD

The Central Government as appropriate Government, on being satisfied that an Industrial Dispute existed between the aforesaid parties, has referred the same for adjudication to this Tribunal vide its order No. L-29011/30/76-D. IIIB dated the 20th November, 1976. The terms of reference read as follows:

"Whether the demand of the workmen employed in Gorela Sand Stone Mine, Bundi District of Shri Hakim Ali, Mine Owner, Village & Post—Budhpura, District Bundi for payment of profit sharing Bonus @ 20 per cent of wages for the accounting year 1970-71, 1971-72, 1972-73, 1973-74 and 1974-75 is justified ?

If not, to what quantum of Bonus are the workmen entitled for each of these years ?

2. The reference was registered as I.D. No. 3 of 1977 and notices were ordered to be issued to the respective parties. Shri Mahabir Pershad Sharma, President of Pathar Khan Mazdoor Sangh, Kota appeared on behalf of the workmen while Shri Hakim Ali, employer appeared on behalf of the Management. Both the parties have come forward with the following statement:

'The parties have compromised vide settlement filed to-day. There is no dispute left. The case be filed as compromised accordingly.'

In view of the above statement of the parties, the matter under reference stands compromised and accordingly there remains no dispute between the parties. In view of this, I have no alternative but to pass a no dispute award in this behalf.

4. Accordingly a no dispute award is passed in the reference. A copy of the award may be sent to the appropriate Government in accordance with the rules.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer,
[No. L-29011/30/76-DIIB]

Announced in the open court.

Dated: 16th May, 1977

S.O. 2222.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Cum-Labour Court, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relations to the Management of Shri Kunesh Singh Gahlot, Kota and his worker, which was received by the Central Government on the 2nd June, 1977.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-cum-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 1 1977

BETWEEN

The President, Pathar Khan Mazdoor Sangh, F/3/97,
Near New Railway Colony, Kota-324001.

AND

Shri Kunesh Singh Gahlot, Mine Owner Nayanpura,
Kota-324001. ... Management

PRESENT:

Shri Mahabir Pershad Sharma, for the workmen.

None.—for the Management.

AWARD

The Central Government as appropriate Government, on being satisfied that an Industrial Dispute existed between the aforesaid parties, has referred the same for adjudication to this Tribunal vide its order No. L-29011/31/76-D. IIB dated the 20th November, 1976. The terms of reference read as follows:

'Whether the demand of the workmen employed in Lambakho Sand Stone Mine of Shri Kunesh Singh Gahlot, Mine Owner, Nayanpura, Kota for payment of profit sharing bonus @ 20 per cent of wages for the accounting years 1972-73, 1973-74 and 1974-75 is justified ?

If not, to what quantum of Bonus are the workmen entitled for each of these years ?

2. The reference was registered as I.D. No. 1 of 1977 and notices were ordered to be issued to the respective parties. Shri Mahabir Pershad Sharma, President of Pathar Khan Mazdoor Sangh, Kota appeared on behalf of the workmen while none appeared on behalf of the Management, in spite of service of notice. Shri Mahabir Pershad Sharma has come forward with the following statement:

'I have filed copy of the agreement arrived at with the employer. This reference may be now filed as compromised and we do not want to proceed with it and no further action be taken in the matter.'

3. In view of the above statement the matter under reference stands compromised and accordingly there remains no dispute between the parties. In view of this, I have no alternative but to pass a no dispute award in this behalf.

4. Accordingly a no dispute award is passed in the reference. A copy of the award may be sent to the appropriate Government in accordance with the rules.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

[No. L-29011/31/76-DIIB]

C. R. NIM, Under Secy.

Announced in the open court.

Dated: 16th May, 1977.

New Delhi, the 18th June, 1977

S.O. 2223.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mithani Colliery and their workmen, which was received by the Central Government on 7th June, 1977.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
AT CALCUTTA**

Reference No. 6 of 1977

PARTIES:

Employers in relation to the management of Mithani Colliery of Sitarampur Sub-Area of Eastern Coalfields Limited.

AND

Their Workmen.

APPEARANCE:

On behalf of Employers—Sri N. Das, Advocate with Sri B. N. Lala, Dy. Chief Personnel Officer.

On behalf of Workmen—Absent.

STATE: West Bengal **INDUSTRY:** Coal Mines **AWARD**

By Order No. L-19012(42/76-III(B) dated 26th February, 1977 the Government of India, Ministry of Labour, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Mithani Colliery of Sitarampur workmen, to this Tribunal, for adjudication. The reference reads :

'Whether the management of Mithani Colliery of Sitarampur Sub-Area of Eastern Coalfields Limited, P.O. Sitarampur (Burdwan) are justified in asking Sarva Shri Kashinath Gorai, Pancha Bauri, Khanda Bauri, Ganesh Eonar, Binoy Kr. Kishra, Ali Rasul, Karim Sha and Pashupati Bauri, Winding Engine Khalasis to work in 3 shifts each of 8 hours duration without any notice ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled ?'

2. Notices were served upon the parties to submit their respective claims. But before any written statement was submitted the parties settled the matter under issue out of Court and filed jointly a Settlement praying to pass an award in terms of the said Settlement.

3. I have gone through the settlement and I find it just and proper. I record the terms which are as follows:

'4. (a) The workmen agree that the 8(eight) workmen concerned in the dispute shall continue to work in 8 hours shift in any one of the 3 shifts of a day as directed by the management and none of them shall have any claim for any wages over and above their normal rates of wages which at present is Rs. 16.70 basic per day.

- (b) The management agrees to grant the aforesaid 8 concerned workmen two increments amounting to a total of one Rupee Ten Paise only per day in their existing scale under National Coal Wage Agreement. By this increment their basic pay will be Rs. 17.80 per day, with effect from the date of order of reference i.e. 26th February, 1977.
- (c) The increment mentioned in the foregoing para No. 4(b) will be effected after the expiry of 7 days from the date of the Hon'ble Presiding Officer is pleased to accept the instant joint petition of compromise and the workmen agree that there shall be no claim by them for any back wages whatsoever.
- (d) By this settlement the Industrial Dispute in the matter under Reference No. 6 of 1977 will stand fully and finally resolved."
4. In the result, an award is passed in terms of the above settlement.

Sd/-

F. K. MOIDU, Presiding Officer.

[No. L-19012(42)/76-DHI(B)/D-IV(B)]

JAGDISH PRASAD, Desk Officer.

Dated, Calcutta,

New Delhi, the 23rd June, 1977

S.O. 2224.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Life Insurance Corporation of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-77.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL

AT CALCUTTA

Reference No. 35 of 1975

PARTIES:

Employers in relation to the Life Insurance Corporation of India,

AND

Their Workmen.

APPEARANCE:

On behalf of Employers—Shri S. Sarkar, Advocate.

On behalf of Workmen—Shri D. L. Sen Gupta, Senior Advocate, with Sri H. L. Roy, Advocate.

STATE: Meghalay.

INDUSTRY: Life Insurance.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by their Order No. L-12012/10/75/DII/A dated 12th May, 1975, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India and their workman, to this Tribunal, for adjudication. The reference reads:

"Whether the dismissal from service of Shri Pushpendu Kumar Nandy, an ex-cashier of the Life Insurance Corporation of India, Shillong Branch, is justified and if not to what relief is the said workman entitled?"

2. A preliminary enquiry was conducted as to the validity or otherwise of the domestic enquiry directed against the workman Sri Pushpendu Kumar Nandy who was the ex-cashier of Life Insurance Corporation of India, Shillong Branch, which will hereinafter be referred to as the "L.I.C.". This tribunal by its order dated 25th February, 1977 held that the domestic enquiry was not valid and binding upon the workman and hence it was set aside. Consequently the LIC was called upon to prove the charges against the workman. The LIC put in their oral and documentary evidence in support of the charges and the workman gave counter evidence.

We have to examine the evidence and see whether the LIC has made out the charge against the workman.

3. The three additional witnesses examined on behalf of LIC to prove the charges were MW-3 Srimanta, MW-4 Raj Kumar and MW-5 Sen Gupta. MW-3 was an assistant in the cash account department. MW-4 was one of the agents who canvassed business for LIC and MW-5 was the Assistant Manager, Administration, Shillong Branch from the middle of 1962 to 30th September, 1970. The workman himself was examined as WW-2. He had also examined a young Professor in English at Shankardev College, Shillong who was formerly a Cashier in LIC of the Shillong Branch. He was WW-1. He was however admittedly the immediate predecessor to WW-2 the workman in the same office.

4. The case of the LIC was that the workman concerned in the reference was the receiving cashier at the counter of the LIC branch at Shillong during the relevant period. The charge levelled against the workman as laid down in Ext. W-9 chargesheet was that he misappropriated a sum of Rs. 818.40 P in one case and a further sum of Rs. 418.58 P in another case. Both the sums were said to be the premium amounts alleged to have been deposited by the policy holders at the counter when the workman concerned was the cashier. The first payment was on 16-4-68 and the other on 6th December, 1968; the first payment was in respect of Policy No. 35277992 and the other in respect of Policy No. 35277383. The LIC has produced the pucca premium receipts alleged to have been issued to the respective policy holders on payment of those two amounts of premiums. The first item of payment for Rs. 818.40 P. on 16-4-68 was alleged to have been made under Ext. M-7(a) pucca premium receipt and the second payment of Rs. 418.58 P. of 6-12-68 was said to have been under Ext. M-8(a) pucca premium receipt. So, Exts. M-7(a) and M-8(a) were the disputed premium receipts. If they were to be proved as pucca receipts alleged to have been issued through the accounts department of the Shillong branch, there would be prima facie case to show that they could have been issued only after the proper persons affixing signatures on those receipts and that premiums would have been received thereunder. It is in this regard the part which the workman concerned played in the transaction required to be considered.

5. Exts. M-7(a) and M-8(a) were photographed and photo-stat copies were marked as Exts. M-7 and M-8 respectively. The LIC has produced some other pucca receipts which are marked as Exts. M-24 series. The photo-stat copies of those pucca receipts in order were M-6, M-5, M-4, M-3, M-2 and M-9 respectively. Those photo-stat copies were produced during the domestic enquiry in 1972. The evidence in the case revealed that the receiving cashier had to receive cash or cheque at the counter from the policy holders towards the premium amount due from them. The fact that the workman concerned was present at the counter and that he had transacted business on those two dates was admitted. The LIC had produced the attendance register during the relevant period to show that both on 16-4-68 and 6-12-68 the workman had attended office and he was at his duty counter. The pucca receipts marked as Ext. M-24 series were proved through MWs-3 and 5. They had also proved Exts. M-7(a) and M-8(a) the disputed pucca receipts. The workman did not deny either during the domestic enquiry or in his written statement that he affixed his signature on Exts. M-7(a) and M-8(a) or on Ext. M-24 series. Even in his cross-examination when Ext. M-24 series were put to him he was not able to deny that they were not pucca receipts. It is in evidence that all these receipts contain the initials of the workman concerned in the case. The signature of the workman in Exts. M-7(a) and M-8(a) was proved both by MW-3 and MW-5. MW-3 had been in service since 1959 and he worked as an assistant in the accounts department. Similarly MW-5 the Assistant Manager was also working in the same branch since 1962. They had identified the signature of the workman on Exts. M-7(a) and M-8(a). They were the only persons who could be familiar with the workman's signature. They had several occasions to witness the workman's signature. The denial of the signature by the workman by itself does not in any manner affect the genuineness of his initials in these receipts when the persons who could have been familiar with his initials had given evidence that the workman's signature appeared in Exts. M-7(a) and M-8(a). It is difficult to brush aside the evidence of MWs 3 and 5 as to the identity of the workman's signature in Exts. M-7(a) and M-8(a) consistent with the admitted signatures produced in the case.

6. The workman had given sample signatures before the Tribunal which is marked as Ext. C-2. It would be difficult to compare the signatures in Ext. C-2 with the signatures in Exts. M-7(a) and M-8(a) after the expiry of some years. There is yet another circumstance to show that Exts. M-7(a) and M-8(a) were the pucca receipts issued through the branch office at Shillong. The revenue stamps used for these and other receipts were seen entered in the postage stamp account register maintained at the Shillong branch. Exts. M-26 and M-27 are those registers. The entries made in these books show that the relevant policy numbers contained in Exts. M-7(a) and M-8(a) were entered in those registers. The workman however pointed out that the numbers entered in those registers were not distinct but on a careful examination, of the numbers entered in the register I am satisfied that the numbers were identical and as such these circumstances could be considered as a valid ground to hold that Exts. M-7(a) and M-8(a) are genuine receipts issued from the office of LIC, Shillong branch. Similarly, the stamp registers will also show that the policy numbers of the Receipts in Exts. M-24(d), (e) and (f) were entered in the stamp registers on 7-12-68, 16-12-68 and 29-4-70 respectively. The additional circumstance that the policy numbers of these receipts found a place in the respective stamp registers would go to show that pucca receipts had been issued to the parties after the workman concerned affixed his signature to those receipts. Having found that Exts. M-7(a) and M-8(a) were pucca receipts issued to the parties we have to consider next whether payment had been made under those receipts by the respective policy holders to the workman concerned for the aforesaid sums of money.

7. In this regard the evidence of MW-4 was material. MW-4 and his wife were the agents of LIC. They had canvassed lot of policies for the LIC. MW-4 maintained a book, Ext. M-25 in respect of the policies he himself and his wife canvassed. The due date in respect of the policy in Exts. M-7(a) was 8-3-1968 and that is marked as Ext. M-25(a). The due date in respect of policy Ext. M-8(a) was shown as 23-11-68 vide Ext. M-25(b) in Ext. M-25. It is consistent with the due dates shown in Ext. M-7(a) and M-8(a). So MW-4 knew when the payment of premium had to be made. His evidence was that he accompanied one Hanuman Surana, the son of the policy holder in Ext. M-7(a) on 16-4-68 and he witnessed the payment of Rs. 818.40 P. by Surana to the workman concerned at the counter. Similarly, he witnessed the payment of Rs. 418.58 P. on 6-12-68 by the Policy holder Kandapal to the workman concerned under the policy mentioned in Ext. M-8a. Regarding the status and respectability of MW-4 the workman had no complaint. In his evidence as WW-2 he stated that Raj Kumar Bhattacharyya (MW-4), the agent of LIC, "used to come to our office. He is a man of respect. My complaint against him is that he gave false evidence when he said that money was paid to me in his presence." So, the question is whether we should rely upon the evidence of MW-4 in respect of payment of premium by the respective policy holders to the workman concerned in the presence of the witness. The Learned Counsel for the workman had set out some arguments alleging that the evidence of MW-4 could not be relied upon. MW-4 has produced Ext. C-1, a copy of letter the original of which was sent by his wife to LIC claiming his commission in respect of the two disputed policies. Ext. C-1 will indicate that the date of the payment of premium on 6-12-68 and 16-4-68 was also communicated in the letter. She wanted the commissions to be paid to her in respect of those two policies also. The evidence of MW-4 was that he did not know that the amount had been misappropriated by the workman when the C-1 application was made. Any way, it could not be said that MW-4 would have realised all the commissions due to him without having sent Ext. C-1 to the LIC. He was not bound to examine as and when premiums were paid that his commission had also been received. He could collect the commissions in due course. The allegation that MW-4 was at friendly terms with MW-3 or MW-4 had any special interest in giving false evidence against the workman had not been established. In the ordinary course of business it was quite proper that MW-4 had to go to the LIC branch office along with his clients for making payment of premiums. There was nothing strange in his conduct if he had said that he accompanied the two policy holders and made them pay respective premiums to the workman concerned in his presence. Apart from some vague allegations against MW-4 there is nothing to indicate that his evidence was artificial. There was absolutely no circumstance whatsoever to show that the payment of Rs. 418.58 P. as per Ext. M-8(a) on 6-12-68 could not have been made by the

policy holder direct to the workman concerned. However, it was contended that the payment of Rs. 818.40 P. as per Ext. M-7(a) to the workman could not have been made by the policy holder since at the time one Pathak was at the counter to receive the premiums deposited by the policy holders. In this regard the entries made in Ext. M-33 are relevant. It is in evidence that except items 9 to 21 as entered on 16-4-68 all other items of entries on the day were in the handwriting of the workman concerned. Items 9 to 21 were said to have been entered in Ext. M-33 by Sri Pathak. The case of the workman was that Pathak would have collected the premium amount shown in respect of items 9 to 21 on 16-4-68 and that he did not receive any money against these items. Exts. M-30, 33, 34 and 35 are Scrol books which were to be filled in by the receiving cashier as and when premium were paid in cash at the counter by the respective policy holders. Admittedly the disputed amounts did not find a place in Ext. M-33 or other scrol books. Any way, item 20 in Ext. M-33 appears to be in respect of the disputed policy number and the amount covered by Ext. M-7 (a). But both the amount as well as the policy number had been scored off as against item 20. WW-2 the concerned workman stated that when he took charge of the amount from Pathak on that day the scoring of item 20 was already there. But he never asked Pathak as to whether the amount under that item had been received or refunded. WW-2 would have it that wherever the scoring is to be found the presumption was that the amount would have been refunded. It is in this connection I have to point out that the workman had a responsibility to see whether during his absence for about an hour on 16-4-68 from the counter any amount had been refunded or received. He admitted that he took over the cash from Pathak in respect of items 9 to 21. If he had taken over the cash from Pathak it was his responsibility to see as to the total amount he received and that he had also to see whether the disputed amount covered by item 20 was really refunded or had it been included in the account. But WW-2 did not care for ascertaining as to whether the amount was retained or paid back. His responsibility as the receiving cashier has to be emphasized because it had been laid down in the Manual for branch offices that "the Cashier shall be responsible for receiving and accounting of all collections at the counter either in cash or by cheque... it will be the cashier's responsibility to account for such remittance alongwith other collections received at the counter". So, the workman had not complied with the provisions of the manual when he received the amount of collections from Pathak.

8. The procedural part of the transaction regarding responsibility of cashier in receiving premium at counter had been spoken of both by MW-3 and MW-5. WW-1 and WW-2 also referred to the procedure in their evidence. The evidence was that the policy holder tenders the premium amount in cash to the cashier along with a chalan like Ext. W-24 or a premium notice. When such payment is made the cashier deals with that amount first by making an entry in the scrol book like Ext. M-33. He would initial either the premium receipt or the chalan in taken of the receipt of the amount. Thereafter the chalan or the premium notice goes to the assistant who is to prepare the premium receipt. He would compare the entries in the chalan or the premium notice with the ledger to find out the due date, etc. then he pulls out a printed receipt form from the bunch and fills it up showing date of collection etc. It was also his duty to enter the policy number in the stamp register and thereafter to affix stamp on the receipt and deface it. Thereafter he passes the receipt and counter part to the person writing the cash book. Evidently MW-3 would write the cash book. He stated that cash book would be written then and there or some time later. Thereafter the original receipt along with the premium notice would be sent to the cashier. On verification of the entries in the scrol book the cashier would sign the receipt and he would pass it on to the Section head for his counter-signature. The evidence is conclusive as to the procedure to be followed. There had not been much deviation from this sort of procedure which the workman had given in his evidence. But one significant fact about the procedural side of the transaction was that the receiving cashier was the sole person who was to receive the cash at the counter and no one else could do that. On the date of the occurrences the workman concerned was on duty at the counter as the receiving cashier. There was not much in the evidence of WW-1 inconsistent with the above evidence regarding the procedure to be followed in the matter of receiving cash and subsequent procedures to be followed. However, he has admitted that the pucca receipt could be issued only after the

cash was received. He had also stated that cashier was responsible for dealing with the cash balance and the cash. He has stated further that cash was being collected by the cashier and it was the responsibility of the cashier to collect money, write scrial book, tally the cash and send the money to the bank. The signature of the workman in Ext. M-7 (a) and M-8 (a) as already been pointed out had been proved through MWs 3 and 5. MW-3 identified his own initial in Ext. M-7 (a) as M-7 (b) and that of workman as Ext. M-7 (c). Similarly his initial in Ext. M-8 (a) as M-8 (b) and that of the workman as M-8 (c) had been identified. He had also identified the signature of the counter-signing authority in Ext. M-8 (b). The signature of the workman having been proved in these receipts it would be relevant to point out that the workman had admitted in his evidence the fact that pucca receipt could be delivered to the party within about 15 minutes time after the amount was deposited. The counter-signing authority who was alleged to have signed in Ext. M-8 (a) and in Ext. M-24 series had died. So, the evidence of MW-3 and that of MW-5 was material to establish the charge against the workman. The only ground on which the evidence of MW-3 was attacked rested on the assumption that he was a co-accused with the workman during the domestic enquiry but however he was found not guilty at that enquiry. If there was only the evidence of MW-3 in support of the charge I would not have accepted his evidence but his evidence was materially corroborated by the evidence of MW-5. When there was material corroboration on relevant facts necessary to prove a charge even the evidence of an approver would be trustworthy and reliable. Therefore the evidence of MW-3 could be relied upon in this case. MW-3 and MW-5 stated that Exts. M-7 (a) and M-8 (a) were the pucca receipt issued at the counter on the respective dates shown in those receipts. The workman concerned would have received the cash under these receipts affixing his signature thereon. The fact of payment of the premium by the policy holders to the workman concerned had amply been proved by MW-4. Once a defaultation was to be effected the person concerned would con-

ceal every circumstance in a particular case from the reach and knowledge of other persons. So, the absence of entries in the cash books like Exts. M-29 and M-38 and Scrial books like Exts. M-33 would not be a material piece of evidence to held that the charge against the workman had not been proved. It had already been pointed out that the relevant policy numbers had been entered on the respective dates in Exts. M-36 and M-37, the stamp registers. The mere fact that the workman had raised a doubt that the policy numbers in those registers do not appear to be the same as the policy numbers in Exts. M-7 (a) and M-8 (a) was not sufficient to held that the entries did not tally with the numbers in the receipts. On a consideration of the entire evidence which was based upon oral testimony and documentary evidence I am constrained to held that the charge alleged against the workman had been proved and the management was justified in dismissing the workman from service.

9. Misappropriation of public funds whether it is in the LIC or any other department of Government or quasi-Government is a heinous crime and if the crime is proved against a person dismissal is the only fit and proper punishment to be awarded in such a case. I find the order of dismissal was justified.

10. In the result, an award is passed holding the first part of the Reference in the affirmative and that the dismissal of Sri Pushpendu Kumar Nandy, ex-cashier was justified. In view of this the second part of the reference need not be answered.

Sd/-

E. K. MOIDU, Presiding Officer.

Dated, Calcutta,
the 13th June, 1977.

[F. No. L-12012/10/75-D H.A.]

R. P. NARULA, Under Secy.